राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 335

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 13 मई, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सोनिया ने सांसद निधि का 70 प्रतिशत से अधिक अल्पसंख्यकों पर खर्च किया

>> 4

अखिलेश, ओवैसी और अर्जुन मुंडा की सीटों पर मतदान आज

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- चौथे चरण में नौ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 96 सीटों पर डाले जाएंगे वोट
- 1,717 प्रत्याशी मैदान में, 17.70 करोड़ वोटर कर सकेंगे मताधिकार का इस्तेमाल
- 2019 के लोकसभा चुनाव में इन सीटों पर राजग के 40 से अधिक सांसद चुने गए थे
- आंध्र प्रदेश की सभी 175, ओडिशा की 28 विधानसभा सीटों के लिए भी होगा मतदान

अखिलेश यादव

अर्जुन मुंडा

असदुद्दीन ओवैसी

गिरिराज सिंह

किस राज्य में कितनी सीटों पर मतदान

आंध्र प्रदेश	सभी 25 सीटें
तेलंगाना	सभी 17 सीटें
उत्तर प्रदेश	13
महाराष्ट्र	11
मध्य प्रदेश	8
बंगाल	8
बिहार	5
झारखंड	4
ओडिशा	4
जम्मू-कश्मीर	1

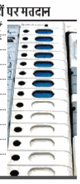

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए 13 मई यानी सोमवार को मतदान होगा। इस चरण में उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की कुल 96 लोकसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश की सभी 175 विधानसभा सीटों और ओडिशा की 28 विधानसभा सीटों के लिए भी मतदान होगा। इस दौरान करीब 17.70 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 8.97 करोड़ पुरुष व 8.73 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। चौथे चरण में कुल 1,717 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, अर्जुन मुंडा सहित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, असदुद्दीन ओवैसी जैसे प्रमुख चेहरे भी शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी उत्तर प्रदेश की खीरी सीट से हैट ट्रिक लगाने की आस में हैं। उधर, तृणमूल की महुआ मोइत्रा बंगाल के कृष्णानगर से फिर चुनाव लड़ रही हैं। उन्हें कैश फार क्वेरी मामले में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

निर्वाचन आयोग ने चौथे चरण के मतदान को लेकर रविवार को सारी तैयारियों को फिर से परखा। 1.92 लाख मतदान केंद्रों पर 19 लाख से अधिक मतदान अधिकारी तैनात किए गए हैं। इस दौरान तीन राज्यों के कई मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों को हेलीकाप्टर से भेजा गया है। तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा, वहीं तेलंगाना में मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। आयोग ने चौथे चरण की सभी सीटों पर पैनी नजर रखने के लिए 364 पर्यवेक्षकों की एक बड़ी टीम तैनात की है। इनमें करीब 126 सामान्य पर्यवेक्षक, 70 पुलिस पर्यवेक्षक और 168 आय-व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। चौथे चरण में जिन 96 सीटों पर मतदान होगा, उन पर 2019 के चुनाव में राजग ने 40 से अधिक सीटें जीती थीं। आम चुनाव के अब तक तीन चरण शांतिपूर्वक संपन्न हो चुके हैं। इसमें 20 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 283 लोकसभा सीटों के लिए मतदान हो चुका है।

सामान्य से कम तापमान रहने की संभावना पेज>>5

जागरण विशेष

बेहतर भविष्य की नींव गढ़ रहे बीएचयू के पूर्व विद्यार्थी

लखनऊः लखनऊ का महामना शिक्षण संस्थान आर्थिक रूप से कमजोर मेधावियों के स्वप्न पूरे करने में जुटा है। संस्कार युक्त शिक्षा संग निश्शुल्क इंजीनियरिंग और मेडिकल की कोचिंग भी मिल रही है। (पेज-6)

संपादकीय

विवेक देवराय

आदित्य सिन्हा

आर्थिक-सामाजिक अवसरों के द्वार: युवा आबादी का लाभ उठाने के लिए भारत को शिक्षा सुधार, आर्थिकी को संगठित रूप देने के साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण के समावेशन वाली रणनीति बनानी होगी। **विवेक देवराय और आदित्य सिन्हा** का दृष्टिकोण।

राष्ट्रवाद के लिए खतरा वोटबैंक राजनीति: भारत की पहचान और अस्मिता के प्रति जागरूकता की भावना ही वास्तव में राष्ट्रवाद को परिभाषित करती है। **नीरजा माधव** का आलेख। ● पेज 8

विमर्श

स्वास्थ्य का अधिकार और चुनावी शोरगुल: अक्सर उपचार के खर्च को लेकर निशाने पर रहने वाले निजी अस्पतालों पर उच्चतम न्यायालय इस साल दो बार सख्त टिप्पणी कर चुका है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कायम विसंगतियों को भी चुनावी मुद्दे बनाए जाने को रेखांकित कर रहे हैं, **डा. अजय खेमरिया।**

भोजशाला का सनातन वैभव : मध्य प्रदेश के धार में स्थित भोजशाला के वैभव को एक बार फिर से स्थापित करने के लिए वहां उत्खनन कार्य जारी है। अब तक प्राप्त तमाम साक्ष्य इसके हिंदू मंदिर होने की पुष्टि करते हैं। **शुभम केवलिया** का आलेख। ● पेज-9

चीन के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंध शांति पर निर्भर : जयशंकर

नई दिल्ली : पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के पांचवें वर्ष में प्रवेश करने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत चीन के साथ शेष मुद्दों के समाधान की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की वापसी सीमा पर शांति पर निर्भर करती है। बाकी मुद्दे मुख्य रूप से 'गश्त करने के अधिकार' और 'गश्त करने की क्षमता' से जुड़े हैं। (पेज-6)

रियासी के जंगल में नौ आइईडी समेत हथियारों की खेप बरामद

श्रीनगर : लोकसभा चुनाव के बीच सुरक्षाबलों को जम्मू-कश्मीर में आतंकी षड्यंत्र के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। जम्मू संभाग के रियासी के बुधन के जंगल में रविवार को नौ आइईडी समेत भारी संख्या में हथियार और गोलाबारूद बरामद किया गया। जबकि बांडीपोरा में आतंकी मददगार को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। (पेज-10)

जब तक मैं हूं राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कोई नहीं पलट पाएगा : मोदी

पीएम बोले ▶ भ्रष्टाचार इंडी गठबंधन का आम चरित्र, टीएमसी ने पूर्णकालिक व्यवसाय बनाया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

हुंकार

- कहा- मोदी कहता है हर घर जल, टीएमसी कहती है हर घर बम
- टीएमसी के शासन में बंगाल में दोयम दर्जे के नागरिक बन गए हिंदू
- बंगाल में चार जनसभाओं को संबोधित करते हुए टीएमसी और कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री

बंगाल के हावड़ा में रविवार को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

मोदी ने दी ये पांच गारंटी

- जब तक मोदी है धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा।
- एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण कोई खत्म नहीं कर पाएगा।
- रामनवमी मनाने, भगवान राम की पूजा करने से आपको कोई रोक नहीं पाएगा।
- जब तक मोदी है राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कोई पलट नहीं पाएगा।
- सीएए कानून को कोई भी रद नहीं कर पाएगा। सीएए पर लोगों को गुमराह करने के प्रयासों का उल्टा असर होगा।

बंगाल में राम का नाम लेना अपराध हो गया है

हुगली में पीएम ने कहा कि एक समय था जब बंगाल घुसपैठियों के खिलाफ क्रांति किया करता था, लेकिन आज टीएमसी के संरक्षण में यहां घुसपैठिए फल-फूल रहे हैं। टीएमसी सरकार राम का नाम नहीं लेने देती। यहां राम का नाम लेना अपराध हो गया है। टीएमसी ने बंगाल में हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। वोट बैंक के लिए टीएमसी और विपक्षी गठबंधन के लोग किसी भी हद तक नीचे जा सकते हैं। अयोध्या में राम मंदिर जब से बना है इनकी नींद उड़ी है।

बंगाल में लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ताबड़तोड़ चार रैलियों को संबोधित करते हुए राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी सहित कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। बैरकपुर में प्रधानमंत्री ने कहा, मैं डंके की चोट पर बंगाल को पांच गारंटी दे रहा हूं। इनमें से एक गारंटी यह है कि जब तक मैं हूं राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कोई नहीं पलट पाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि तुष्टीकरण की जिद में इंडी गठबंधन एससी-एसटी व ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण भी छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। उन्होंने टीएमसी पर लोगों को डराने के लिए सीएए पर झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले सीएए कानून को खत्म करने की बातें कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं होगा।

भ्रष्टाचार पर ममता बनर्जी सरकार को घेरते हुए पीएम ने कहा कि टीएमसी ने बंगाल को घोटालों का गढ़ बना दिया है। बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित रैली में पीएम ने कैग (सीएजी) रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि टीएमसी सरकार ने 2.30 लाख करोड़ रुपये का कोई हिसाब ही नहीं दिया है। उन्होंने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए कहा कि बंगाल में लूट की पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा। टीएमसी बंगाल को लूटने का महापाप कर रही है, जिसने भी भ्रष्टाचार किया है, उसे जेल भेजा जाएगा। अपनी चारों रैलियों में 101 मिनट के भाषण में पीएम ने कहा कि यह चुनाव बंगाल की संस्कृति की रक्षा के लिए है, जिस पर टीएमसी सोचती है कि उसका एकाधिकार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टीएमसी कितनी भ्रष्ट पार्टी है इसका उदाहरण शिक्षक भर्ती घोटाला है। शिक्षक भर्ती के लिए राज्य सरकार ने रेट कार्ड बनाए थे। कोर्ट को भी कहना पड़ गया कि इस घोटाले के पीछे सरकारी मशीनरी है। टीएमसी ने बंगाल के युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। युवाओं का भविष्य बेच दिया। यही कारण है कि टीएमसी के घोटालों से तंग आकर अब बंगाल के लोग नारा लगा रहे हैं कि चोर पकड़ो, जेल भेजो।

टीएमसी के गुंडे संदेशखाली में महिलाओं को धमका रहे पेज>>4

चुनाव में एक पक्ष के साथ खड़ा दिख रहा है आयोग : कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पार्टी अध्यक्ष खरगे को लिखे कड़े पत्र के बाद चुनाव आयोग पर पार्टी ने तेज किए हमले
- अशोक गहलोत ने कहा, आयोग संवैधानिक की जगह राजनीतिक संस्था लग रही है

अशोक गहलोत। फाइल

मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में देरी पर संदेह खड़ा करने के मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे कड़े पत्र के बाद कांग्रेस पार्टी इन दिनों आयोग को निशाने पर लिए हुए है। पार्टी के शीर्ष नेताओं की ओर से आयोग पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। जयराम रमेश के बाद अब पार्टी के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि आयोग के पत्र की भाषा संवैधानिक संस्था से ज्यादा राजनीतिक दल की लग रही है। जो जिम्मेदारी से काम करने के बजाय चुनाव में एक पक्ष के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस की वैसे भी आयोग के साथ तल्खी कोई नई नहीं है। इससे पहले भी ईवीएम-वीवीपैट के मुद्दे पर भी दोनों के बीच लंबा टकराव दिखा था। इस बार आयोग के साथ पार्टी की यह तल्खी तब बढ़ी है, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से मतदान के आंकड़ों को लेकर आयोग पर सवाल खड़े किए गए। इस पर आयोग ने खरगे को कड़ा पत्र लिखकर उनकी आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि उनका यह कदम जानबूझकर चुनावी विश्वसनीयता को कमजोर करने की कोशिश लग रही है। उसके बाद कांग्रेस ने आयोग पर हमले तेज किए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि जिस तरह आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पत्र लिखा है वह आयोग की प्रतिष्ठा पर हमेशा के लिए धब्बा है। वहीं, गहलोत ने इंटरनेट मीडिया के जरिये कहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के पत्र पर आयोग की प्रतिक्रिया पूर्णतः अनुचित व अनचाही है। आयोग इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहा है, जैसे वह संवैधानिक संस्था नहीं बल्कि राजनीतिक दल हो। यह और भी आश्चर्यजनक है कि आयोग पार्टियों के बीच हो रहे आंतरिक वार्तालाप पर तो प्रतिक्रिया दे रहा है, लेकिन विपक्षी दलों की शिकायतों पर संज्ञान नहीं लेता।

कांग्रेस का दावा, बिहार में की गई खरगे के हेलीकाप्टर की जांच पेज>>5

केजरीवाल ने देशवासियों को दी 10 चुनावी गारंटी

नई दिल्ली : आइएनडीआइए गठबंधन के घटक दल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देशवासियों को 10 चुनावी गारंटी दी है। उनका कहना है कि देश में आइएनडीआइए की सरकार बनने पर ये सभी गारंटी पूरी की जाएगी। पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि ये सभी गारंटी युवा, महिला, गरीब, किसान और व्यापारी समेत हर किसी का जीवन बदल देगी। (पेज-2)

महासमर 2024

पालघर में ही अब कोई 'मुद्दा' नहीं है दो साधुओं से उन्मादी हिंसा का मामला पेज>>3

डाटा के जरिये बूथ तक मतदाताओं को लाने की कोशिश पेज>>3

वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो आज, दिखेगा 'भारत भाव' पेज>>4

यूपी में दंगा करने वालों को सात पीढ़ी तक भरना होगा जुर्माना : योगी पेज>>4

56 इंच के सीने में बहस का निमंत्रण स्वीकार करने का साहस नहीं : जयराम पेज>>5

गिरफ्तारी के खिलाफ सोरेन की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगा। सोरेन ने भूमि घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती दी है। गत तीन मई को झारखंड हाई कोर्ट ने उनकी यह याचिका खारिज कर दी थी। गत 31 जनवरी को ईडी ने सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। (पेज-6)

बदरीनाथ धाम के कपाट खुले, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी

बदरीनाथ : हजारों श्रद्धालुओं के भारी उत्साह और भगवान नारायण के जयकारों के बीच रविवार को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले गए। इससे चारधाम यात्रा पूर्ण स्वरूप में आ गई। तीन अन्य धामों गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ के कपाट 10 मई को खोले जा चुके हैं। कपाट खुलने पर बदरीनाथ धाम में पहली पूजा पीएम मोदी के नाम की हुई। (पेज-6)

गुलाम जम्मू-कश्मीर में लग रहे पाक से आजादी के नारे, हिंसक प्रदर्शन जारी

नवीन नवाज ● जागरण

- हिंसा में 100 से अधिक लोग हुए हैं घायल, पुलिस अधिकारी सहित दो लोगों की हो चुकी है मौत
- आटा और बिजली की मांग कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना बरसा रही है गोलियां

मुजफ्फराबाद में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए गोलियां दागता सुरक्षाकर्मी (स्क्रीनशाट)। एक्स

श्रीनगर : एकतरफ जम्मू-कश्मीर लोकतंत्र का जश्न मना रहा है। वहीं, गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग पाकिस्तान से गुलामी की बेड़ियां तोड़ने को बेताब दिख रहे हैं। न वहां खाने को अनाज है और न ही बिजली व जरूरी सुविधाएं। गुलाम जम्मू-कश्मीर के मुजफ्फराबाद और उससे सटे इलाकों में पाकिस्तान सेना के अत्याचार के खिलाफ लोग तीन दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं और पाकिस्तान से आजादी और भारत में विलय के नारे लगा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना और पुलिस दमनात्मक कार्रवाई में जुटी है और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां बरसा रही है। इससे प्रदर्शनकारियों में आक्रोश भड़क गया, जिससे वह पुलिसकर्मियों पर भी हमलावर हो गए। इस दौरान भड़की हिंसा में पुलिसकर्मियों सहित 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जबकि एक पुलिस अधिकारी सहित दो लोग मारे गए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आपात बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी पीओजेके में बेकाबू होते हालात पर चिंता जताई है।

बता दें कि कुछ दिन पूर्व चुनाव प्रचार के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने साफ किया था कि जम्मू-कश्मीर का विकास देखकर गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग स्वयं पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह कर देंगे और भारत में विलय की आवाज उठाएंगे। गुलाम जम्मू-कश्मीर में आधारभूत ढांचा तो दूर खाने के लिए अनाज नहीं मिल रहा है और बेरोजगारी बढ़ रही है। यही वजह है कि वहां के लोग पाकिस्तान के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी गुलाम जम्मू-कश्मीर में पैदा होने वाली पनबिजली का एक हिस्सा वहीं आपूर्ति करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि वहां लोगों को आटा 300 से 500 रुपये प्रति किग्रा तक मिल रहा। गुलाम जम्मू-कश्मीर में पुंछ डिवीजन में राइट्स मूवमेंट चला रहे शौकत नवाज मीर ने कहा कि हमारे लिए आंदोलन के सिवाय विकल्प नहीं बचा है। यहां लोग भूखे मर रहे हैं, रोजगार नहीं है, बिजली नहीं मिल रही है, हम कहां जाए। पाकिस्तान से आजादी अब इन लोगों का हक है। लोग शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तानी सरकार जुल्म कर रही है।

कर सकते हैं श्रीनगर चलो का एलान पेज>>11

निज्जर हत्याकांड में एक और भारतीय गिरफ्तार

ओटावा : खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के अधिकारियों ने एक और भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कनाडा के सरे में रहने वाले 22 वर्षीय अमनदीप सिंह के रूप में हुई है। निज्जर हत्याकांड में अब तक चार भारतीय नागरिकों की गिरफ्तारी हो चुकी है। निज्जर की 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के बाहर दो बंदूकधारियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। (पेज-11)

आइपीएल

आज का मैच

गुजरात टाइटंस vs कोलकाता नाइटराइडर्स

शाम 7:30 बजे | स्थान: अहमदाबाद

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

स्वास्थ्य चिंता

लेबल पर मत जाइए, हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और हो सकते हैं

डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर आइसीएमआर ने उपभोक्ताओं को चेताया, कहा- खाद्य पदार्थों के लेबल पर किए गए दावों से उलट हो सकती है उसकी गुणवत्ता

नई दिल्ली, प्रेट्र : यदि आप पैकेट बंद खाद्य सामग्री खरीद रहे हैं तो सावधान। सिर्फ उसके लेबल पर मत जाइए जनाब, यह भ्रामक भी हो सकता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और हो सकते हैं। शुगर-फ्री होने का दावा करने वाले खाद्य पदार्थों में वसा की मात्रा ज्यादा हो सकती हैं जबकि फलों के डिब्बाबंद जूस में फल का केवल 10 प्रतिशत तत्व ही हो सकता है। शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने इस संबंध में चेताते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को सामग्री खरीदते वक्त जानकारीपूर्ण और सही विकल्प के लिए उस पर लिखी जानकारी को भी सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए।

हाल ही में जारी किए आहार संबंधी दिशा निर्देशों में आइसीएमआर ने कहा है कि पैकेट वाले खाद्य पदार्थ पर स्वास्थ्य संबंधी दावे उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करने के लिए और उन्हें इस बात पर राजी करने के लिए किए जा सकते हैं कि यह उत्पाद सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा है।

गुणवत्ता परखना है जरूरी। प्रतीकात्मक

आइसीएमआर के तहत कार्यरत हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआइएन) द्वारा जारी आहार संबंधी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) के कड़े नियम हैं, लेकिन लेबल पर लिखी सूचना भ्रामक हो सकती है। एनआइएन ने कुछ उदाहरण देते हुए कहा कि किसी खाद्य उत्पाद को तभी प्राकृतिक कहा जा सकता है, जब उसमें कोई रंग और स्वाद (फ्लेवर) या कृत्रिम पदार्थ न मिलाया गया हो और वह न्यूनतम प्रसंस्करण से गुजरा हो। प्राकृतिक शब्द का प्रयोग प्रायः किसी मिश्रण में एक या दो प्राकृतिक सामग्री की पहचान के लिए विनिर्माताओं द्वारा अकसर किया जाता है और यह भ्रामक हो सकता है। एनआइएन ने लोगों से लेबल खासतौर से सामग्री और अन्य जानकारी के बारे में सावधानीपूर्वक पढ़ने का अनुरोध किया है।

इसी तरह 'मेड विद होल ग्रेन' के लिए इसमें कहा गया है कि इन शब्दों की भी गलत व्याख्या की जा सकती है। एनआइएन ने कहा- 'शुगर-फ्री खाद्य पदार्थ में वसा, परिष्कृत अनाज (सफेद आटा, स्टार्च) मिला हो सकता है। बता दें कि भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशा निर्देश आइसीएमआर-एनआइएन की निदेशक डा. हेमलता आर की अगुआई वाली विशेषज्ञों की समिति द्वारा तैयार किए गए हैं। इसमें शारीरिक गठन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोटीन सप्लीमेंट से बचने का अनुरोध किया है। आइएमसीआर का कहना है कि एक अनुमान के अनुसार, देश में 56.4 प्रतिशत बीमारियां गलत खानपान की वजह से होती हैं।

फलों के डिब्बाबंद जूस में हो सकता है फल का केवल 10% तत्व ही हो

असली फल या फलों के जूस के दावे को लेकर एनआइएन ने कहा कि एफएसएसएआइ के नियम के अनुसार कोई भी खाद्य पदार्थ चाहे वह बहुत कम मात्रा में हो, उदाहरण के लिए केवल 10 प्रतिशत या उससे कम फल तत्व वाले उत्पादों को भी यह लिखने की अनुमति दी जाती है कि वह फलों के गूदे या रस से बना है। लेकिन 'रियल फ्रूट' होने का दावा करने वाले उत्पाद में चीनी और अन्य तत्व मिले हो सकते हैं और उसमें असली फल का केवल 10 प्रतिशत तत्व हो सकता है।

38 करोड़ की बरामदगी में झारखंड के मंत्री आलमगीर को ईडी का समन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

- 14 मई को पूछताछ की तैयारी

पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं मंत्री के पीए और पीए के नौकर

झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता और राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की मुसीबतें बढ़ेंगी। ईडी ने 14 मई को पूछताछ के लिए रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने का समन जारी किया है। ईडी ने छह मई को मंत्री आलम के निजी सचिव संजीव लाल और उसके नौकर जहांगीर आलम के ठिकानों से 38 करोड़ रुपये बरामद किए थे।

वर्तमान में संजीव लाल व जहांगीर ईडी के रिमांड पर हैं। दोनों से पूछताछ में मंत्री आलमगीर आलम की भूमिका संदेह के घेरे में आई है, जिसके आधार पर ही उनसे पूछताछ की जानी है। यह भी बताया जा रहा है कि ईडी मंत्री को संजीव लाल व नौकर जहांगीर आलम के सामने बैठाकर पूछताछ करेगी।

यह है मामला : कहा जा रहा है कि बरामद किए गए रुपये की जानकारी मंत्री को थी। उनके विभाग में ठेके के कमीशन और ट्रांसफर-पोस्टिंग में वसूली गई राशि मंत्री के पीए के नौकर के घर में जमा की गई थी। ठेके में कमीशन के मामले में पूर्व में ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम, उनका भतीजा आलोक रंजन, वीरेंद्र राम के सीए मुकेश मित्तल का सहयोगी हरीश यादव, उनके सहयोगी नीरज मित्तल, रामप्रकाश भाटिया व तारा चंद की गिरफ्तारी हो चुकी है।

****

75 प्रतिशत तक के करीब मोहल्ला क्लीनिकों में कम हुई मरीजों की जांच, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशालय द्वारा उपराज्यपाल कार्यालय को सौंपी गई एक रिपोर्ट में सामने आई यह बात

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 13 मई, 2024

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम के समय हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
13 मई	40.0	25.0
14 मई	40.0	26.0
नोएडा		
13 मई	39.0	24.0
14 मई	40.0	24.0
गुरुग्राम		
13 मई	38.0	25.0
14 मई	39.0	24.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अवैध पार्किंग पर महापौर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली: दिल्ली के विभिन्न बाजारों में अवैध पार्किंग स्थलों के संचालन के मामले को महापौर डा. शैली ओबेराय ने निगम आयुक्त को संज्ञान लेने को कहा है। इस संबंध में लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि इसके चलते सड़कों पर यातायात जाम की समस्या रहती है, लोग परेशान होते हैं। वहीं, इसके संचालन से एमसीडी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने के साथ निकाय को भारी वित्तीय नुकसान भी होता है। महापौर ने आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि वह ऐसे अवैध पार्किंग स्थलों की पहचान करने, दस्तावेज तैयार करने और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दें। (जासं)

एक लाख से अधिक वाहनों का पीयूसीसी संबंधित चालान

नई दिल्ली : दिल्ली यातायात पुलिस ने 2024 के पहले चार महीनों में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) उल्लंघन में वाहनों के कुल 101,164 चालान किए हैं। पिछले वर्ष समान अवधि में (एक जनवरी से 30 अप्रैल 2023 तक) 78,160 चालान किए गए थे। पीयूसीसी बिना चलने वाले वाहनों की संख्या में इस वर्ष (एक जनवरी से 30 अप्रैल तक) पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 30 प्रतिशत वृद्धि है। (जासं)

रबर की फैक्ट्री में लगी आग, नौ श्रमिक घायल

नई दिल्ली : बवाना औद्योगिक क्षेत्र में रबर की शीट बनाने वाली एक तीन मंजिला फैक्ट्री में रविवार दोपहर आग लग गई। आग भूतल में मुख्य गेट के पास लगने के कारण पहली मंजिल पर फंसे नौ श्रमिक बाहर नहीं निकल सके। उन्होंने जान बचाने के लिए पहली मंजिल से छलांग लगा देने से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती कराया। (जासं)

चीन से जमीन वापस लेंगे, भ्रष्टाचार खत्म करेंगे : केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक ने दी 10 गारंटी, कहा- गठबंधन की सरकार बनी तो होंगी सभी मांगें पूरी, पांच साल तक युद्धस्तर पर होगा काम

कहा- मोदी जी की गारंटी भरोसे लायक नहीं, उनके रिटायर होने के बाद कौन पूरी करेगा, इसका पता नहीं

राज्य ब्यूरो ● जागरण

नई दिल्ली : आइएनडीआइ गठबंधन के घटक दल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को देशवासियों को 10 गारंटी दी हैं। उनका कहना है कि देश में आइएनडीआइए की सरकार बनने पर यह सभी गारंटियां पूरी की जाएंगी। पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि ये सभी गारंटी युवा, महिला, अमीर, ग़रीब, किसान और व्यापारी समेत हर किसी का जीवन बदल देंगी। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ गारंटी मोदी जी की है, जो कभी पूरी नहीं होती। इसलिए मोदी जी की गारंटी भरोसा करने लायक नहीं है। अगले वर्ष उनके रिटायर होने के बाद उनकी गारंटी कौन पूरी करेगा, इसका भी जवाब नहीं है।

एक सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा कि अन्य भाजपा नेता तो मोदी जी का समर्थन करेंगे ही। लेकिन उन्हें खुद स्पष्ट करना चाहिए कि वह अगले साल रिटायर होंगे या नहीं। क्या उन्होंने 75 साल का नियम केवल औरों के लिए बनाया था, अपने लिए नहीं। मुझे उम्मीद है कि वो स्वयं पर भी यह नियम अवश्य लागू करेंगे।

केजरीवाल ने कहा कि हमारी जो 10 गारंटियां हैं, वो एक तरह से नए भारत का विजन हैं। इनमें कई ऐसे काम हैं जो पिछले 75 साल में हो जाने चाहिए थे, लेकिन किसी कारण नहीं हो पाए। इनमें कई ऐसे काम हैं, जिनके बिना कोई भी राष्ट्र शक्तिशाली नहीं बन सकता है। ये काम अगले पांच साल में युद्धस्तर पर पूरा किया जाएगा। इसमें ऐसी भी गारंटियां हैं जो लोगों को महंगाई और बेरोजगारी से मुक्ति दिलाकर राहत दिलवाएंगी। उन्होंने कहा कि अब देश की जनता को तय करना है कि मोदी कि उसे मोदी की गारंटी पर विश्वास करना है या केजरीवाल की।

मेरे जेल जाने के बाद और मजबूत हुई आप : इससे पहले केजरीवाल ने अपने आवास पर पार्टी विधायकों की एक बैठक ली। जेल से बाहर आने के बाद उनकी यह पहली बैठक थी। हालांकि इस बैठक में पार्टी एक विधायक अमानतुल्लाह खां मौजूद नहीं थे। इस दौरान भावुक हुए सभी विधायकों ने संकल्प लेते हुए कहा कि हम सब एक परिवार हैं। हम न टूटेंगे-न झुकेंगे। अब कई गुना ज्यादा ऊर्जा के साथ काम करेंगे। वहीं, केजरीवाल ने विधायकों की एकजुटता को सराहते हुए कहा, मेरे जेल जाने के बाद पार्टी और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गिराने के लिए भाजपा ने विधायकों को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उसका प्लान फेल हो गया।

केजरीवाल ने कहा कि मैं 21 दिन के लिए बाहर आया हूं। दो जून को दोबारा वापस जाना है। मेरे जाने के बाद आप सभी लोगों को मिलकर आम आदमी पार्टी को संभाल कर रखना है। क्योंकि मैं समझता हूं कि इस देश को भविष्य केवल आम आदमी पार्टी दे सकती है। देश की बाकी सारी पार्टियों को जनता ने आजमा कर देख लिया है और आज देश का यह हाल है।

मैं पीएम पद का दावेदार नहीं : एक सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा कि अगर देश में गठबंधन की सरकार बनती है तो भी वह पीएम पद के दावेदार नहीं हैं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि वैसे तो ये गारंटियां, केजरीवाल की गारंटी के नाम से जारी की जा रही हैं। अभी मैंने गठबंधन के दूसरे साथियों से भी इस बारे में चर्चा नहीं की है। लेकिन उन्होंने घटक दलों से माफी मांगते हुए कहा, मेरा विश्वास है कि गठबंधन के किसी भी सदस्य को मेरी किसी भी गारंटी से परेशानी नहीं होगी।

आम आदमी पार्टी कार्यालय में 10 गारंटी पत्र जारी करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली आप संयोजक गोपाल राय, संजय सिंह व संदीप पाठक। जागरण

केजरीवाल की 10 गारंटी

1. 24 घंटे और मुफ्त बिजली : 24 घंटे बिजली का इंतजाम करेंगे। देश में बिजली की मांग से अधिक उत्पादन करने की क्षमता है और इसे हम करके दिखाएंगे। देशभर के गरीबों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।

2. शिक्षा की गारंटी: हर गांव-मोहल्ले में विश्वस्तरीय स्कूल-अस्पताल व मोहल्ला क्लीनिक खोलेंगे। गठबंधन की सरकार बनने पर देश के सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बनाएंगे और बच्चों को अच्छी व मुफ्त शिक्षा देंगे।

3. स्वास्थ्य : जनता स्वस्थ होगी तो देश की तरक्की होगी। सभी के लिए अच्छे इलाज का इंतजाम किया जाएगा। देश के सभी लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा। देशभर में मोहल्ला क्लीनिक, अस्पताल बनाया जाएगा ताकि लोग अच्छा इलाज पा सकें।

4. राष्ट्र सर्वोपरि : चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया, लेकिन हमारी सरकार नहीं मानती। लोगों से छिपाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। चीन के कब्जे से सारी जमीन को वापस लाएंगे। इसके लिए कूटनीति का इस्तेमाल करने के साथ सेना को भी स्वतंत्रता देंगे।

5. देश के जवान : अग्निपथ योजना को बंद किया जाएगा। अब तक जो अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती में भर्ती हुए हैं उन्हें पक्का किया जाएगा। सेना पर जितना पैसा खर्च करने की जरूरत है उसे किया जाएगा। देश की सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

6. देश के किसान : किसानों को फसल का पूरा दाम दिया जाएगा। स्वामिनाथन आयोग की सिफारिशों के मद्देनजर एमएसपी के अनुसार सभी फसलों की खरीदारी की जाएगी।

7. दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा: दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलवाया जाएगा। यह यहां के लोगों की बहुत पुरानी मांग है।

8. बेरोजगारी : गठबंधन सरकार बनने पर बेरोजगारी की समस्या दूर होगी। एक साल में दो करोड़ युवाओं को नौकरी दी जाएगी।

9. भ्रष्टाचार : भाजपा की 'वाशिंग मशीन' को चौराहे पर तोड़ा जाएगा और भ्रष्टाचार से देश को निजात दिलाई जाएगी। ईमानदारों को जेल और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने की प्रथा को खत्म किया जाएगा।

10. व्यापारी: व्यापारियों को अपना व्यवसाय सही तरह से चलाने के लिए जीएसटी का सरलीकरण किया जाएगा। जीएसटी को पीएमएलए कानून से बाहर किया जाएगा। हमारा लक्ष्य व्यापार और उद्योग में चीन को पीछे छोड़ना है।

भाजपा ने 10 गारंटी को बताया झूठ के सपने

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा लोकसभा चुनाव को लेकर जारी किए गए 10 गांरटी को हास्यास्पद बताते हुए उसे झूठ के सपने करार दिया। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मात्र 21 सीट पर चुनाव लड़ रही पार्टी, जिसका लोकसभा में खाता खुलना भी दूभर नजर आ रहा है, वह देश के नाम गारंटी जारी कर रही है। उन्होंने हर गारंटी का बिंदुवार जवाब देकर कहा कि यह केवल चर्चाओं में बने रहने का प्रयास है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा। जागरण

● पूरे देश को बिजली बिल्कुल वैसे मिलेगी जैसे दिल्ली में मिल रही है। मध्यम वर्ग को आठ रुपये यूनिट तो व्यापारी वर्ग 11 से 13 रुपये प्रति यूनिट बिजली खरीद रहा है।

● दिल्ली में साढ़े नौ साल में एक भी नया स्कूल-कालेज नहीं खोला और दावा कर रहे हैं देश के गांव-गांव में स्कूल खोलने का।

● दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक ठप हो रहे हैं। ये पैथोलाजिकल व अन्य टेस्ट के फर्जीवाड़े का केंद्र बन गए हैं। एलएनजेपी जैसे बड़े अस्पताल में एमआरआइ मशीन नहीं है। अल्ट्रासाउंड के लिए एक साल बाद की डेट मिलती है।

● राष्ट्र इनके लिए कितना महत्व रखता है यह तो पूरा देश जानता है। वर्ष 2017 में केजरीवाल पंजाब में एक घोषित आतंकवादी के घर पर ठहरे थे।

● देश के जवान की यह कितनी इज्जत करते हैं यह तो उसी दिन पता लग गया था जब उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का सेना से सबूत मांगा था।

● दिल्ली के किसान 10 साल से किसानी दर्जा वापस मांग रहे हैं, मगर यह नहीं देते। किसानी दर्जा न होने के कारण दिल्ली के किसानों को ट्रैक्टर व सब्सिडी का लाभ नहीं मिल पा रहा। 2019-20 से अब तक का किसानों का आंधी अंधड़ का मुआवजा बाकी है।

● दिल्ली को पूर्ण राज्य मिलने की संभावनाओं की तो अरविंद केजरीवाल ने जनवरी 2014 में राजपथ पर धरना देकर हत्या कर दी थी। उस दिन लगभग तय हो गया था कि देश की राजधानी दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के हाथ में ही रहना आवश्यक है।

● केजरीवाल सरकार में दिल्ली में हजारों नवयुवकों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों को बिना प्रक्रिया पालन किए संविदा नौकरियों पर रखा गया और आज वे बेरोजगार हो गए हैं।

● जिस सरकार का मुख्यमंत्री व मंत्री सरकारी घोटालों ही नहीं निजी व्यापार घपलों तक में जेल में हों और वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध बोलें तो बेहद हास्यासपद लगता है। एमसीडी में आप की सत्ता आने के बाद से उसके पार्षदों का भ्रष्टाचार चरम पर है।

● कोविड काल में भाजपा शासित अनेक राज्यों में व्यापारियों को कर व बिजली के बिल में छूट दी पर दिल्ली सरकार ने उस दौर में भी बिजली का पूरा बिल वसूला और जीएसटी विभाग ने जीएसटी जमा कराने के लिए समयावधि छूट भी नहीं दी।

केजरीवाल से जुड़े मानहानि मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट एक मानहानि मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा।

भाजपा की आइटी सेल के मानहानि मामले में दिल्ली के सीएम केजरीवाल की दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जजों जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दिपांकर दत्ता की पीठ सुनवाई करेगी। भाजपा के खिलाफ मई, 2018 में इन्फ्लुएंसर ध्रुव राठी की ओर से जारी एक वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर साझा करने से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में जारी समन को हाईकोर्ट के आदेश में बरकरार रखा गया था। पांच फरवरी को दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि कथित अपमानजनक सामग्री को दोबारा पोस्ट करने पर मानहानि का कानून लागू होगा। वहीं, 26 फरवरी को केजरीवाल ने सर्वोच्च अदालत को बताया था कि वह ध्रुव राठी वाले वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर साझा करने में अपनी गलती मानते हैं।

स्कूलों के बाद 12 एयरपोर्ट और 20 से अधिक अस्पतालों को दी गई बम से उड़ाने की धमकी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- जांच के बाद किसी भी अस्पताल में नहीं मिला बम
- लातविया की ईमेल कंपनी बीबल डाट काम से भेजा गया है ई मेल
- दिन में तीन बजे के करीब ईमेल मिलने की पहली सूचना

दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के 10 दिन बाद रविवार को आइजीआइ समेत 12 एयरपोर्ट और राजधानी के 20 से अधिक अस्पतालों व उत्तर-रेलवे के सीपीआरओ के बिल्डिंग को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला। धमकी भरे ईमेल में लिखा है कि मैंने आपकी इमारत के अंदर विस्फोटक उपकरण रखे हैं। वे अगले कुछ घंटों में विस्फोट करेंगे। आपके पास बम को निष्क्रिय करने के लिए कुछ ही घंटे हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और बम निरोधक दस्तों को अस्पतालों की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अस्पतालों को ईमेल courtgroup03@beeble.com से रविवार दिन में लगभग तीन बजे भेजा गया था। ईमेल सेवा देने वाली कंपनी यूरोप के देश लातविया की है, जो अपने ग्राहकों की जानकारी साझा नहीं करने का दावा करती है। स्थानीय पुलिस के साथ ही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व जांच एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां ईमेल भेजने वाले तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

दिल्ली के 20 से अधिक अस्पतालों को रविवार दिन में लगभग तीन बजे ईमेल द्वारा बम की धमकी दी गई। अस्पतालों में रविवार होने के कारण देरी से मेल देखने पर जानकारी मिली। दिल्ली अग्निशमन दल को दिन में 3:17 बजे बुराड़ी अस्पताल में बम के संबंध में पहली काल आई। इसके बाद अग्निशमन दल को दूसरी काल 4:26 पर संजय गांधी अस्पताल से आई। सूचना मिलते ही तुरंत स्थानीय पुलिस, अग्निशमन दलकर्मी और बम निरोधक दस्ता और डाग स्क्वाड मौके पर पहुंचा। अस्पताल में घबराहट होने की संभावना को देखते हुए जांच सदस्यों ने बम की धमकी की बात बताए बगैर माक ड्रिल बताते हुए अस्पतालों में जांच की। इस दौरान अस्पतालों में अंदर आने और बाहर जाने पर रोक लगा दी गई। घंटों की मशक्कत के बाद भी जांच दलों को अस्पतालों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला तो अस्पताल प्रशासन ने राहत की सांस ली।

बम निरोधक दस्ता। फाइल

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे, ठीक उसी तरह से अस्पतालों को भी ईमेल भेजे गए। उनको इस बात का अंदाजा था कि वहां कुछ नहीं मिलेगा, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि और प्रोटोकाल की वजह से पूरी प्रक्रिया का पालन करना होता है।

डेढ़ सौ से ज्यादा स्कूलों को दी गई थी बम से उड़ाने की धमकी

एक मई को एनसीआर के डेढ़ सौ से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। पुलिस ने बाद में इसे फर्जी बताया था। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद लोगों में डर पैदा हो गया था। हालांकि, किसी भी स्कूल में कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी और गृह मंत्रालय ने मामले की जांच करने के आदेश जारी किए थे। साइबर एक्सपर्ट ने ऐसे मेल रूस के सर्वर से मेल भेजे जाने की बात कही थी।

इन्होंने दी ईमेल मिलने की सूचना : ओखला ईएसआइ हास्पिटल, रावतुला राम अस्पताल, बसाईदारापुर ईएसआइ अस्पताल, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टिटयूट, जीटीबी, आइएलबीएस के डायरेक्टर, जनकपुरी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, हिंदूराव, बुराड़ी अस्पताल, अरुणा आसफ अली अस्पताल, डीडीयू अस्पताल, गुरुगोविंद सिंह अस्पताल रघुवीर नगर के डायरेक्टर, महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, जनकपुरी दादा देव मातृ एवम शिशु चिकित्सालय, ग्रामीण स्वस्थ्य प्रशिक्षिण अस्पताल नजफगढ़ व एक अन्य अस्पताल ने ईमेल मिलने की सूचना पुलिस को दी।

मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़े का मामला सामने आने के बाद घटी जांचें

राज्य ब्यूरो ● जागरण

- एक लैब में 63.54 से 90.10 प्रतिशत तक व दूसरी लैब में 63.32 से 95.51 प्रतिशत घटी सैंपल की जांच

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार के मोहल्ला क्लीनिकों में जांच में फर्जीवाड़े का मामला सामने आने के बाद जांच घट गई हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा आउट सोर्स की गई एक लैब में एक वर्ष पहले की तुलना में 63.54 से 90.10 प्रतिशत तक व दूसरी लैब में 63.32 से 95.51 प्रतिशत सैंपल की जांच कम हो गई है। डीजीएचएस द्वारा उपराज्यपाल कार्यालय को भेजी गई एक रिपोर्ट से यह बात सामने आई है। वहीं सरकार की जानकारी के बगैर मोहल्ला क्लीनिक में दूसरे अस्पतालों से रेफर मरीजों की जांच नहीं करने के आदेश जारी किए गए।

उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों के अनुसार मोहल्ला क्लीनिक में जांच में फर्जीवाड़े का मामला सामने आने के बाद मरीजों का मोबाइल नंबर व आधार नंबर से लिंक कर सत्यापन करना अनिवार्य कर दिया गया था। इससे स्पष्ट है कि पहले मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी तरीके से मरीजों की जांचें की जा रही थीं।

दिल्ली सरकार ने इन आरोपों को गलत बताया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने फरवरी 2023 से मोहल्ला क्लीनिक, डिस्पेंसरियों, पाली क्लीनिक व अस्पतालों में आउटसोर्सिंग के आधार पर दो निजी लैब संचालकों को जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसमें एगिलस डायग्नोस्टिक्स व मेट्रोपोलिस हेल्थ केयर लिमिटेड लैब शामिल हैं। पिछले वर्ष ही अगस्त में दक्षिण पश्चिमी दिल्ली, शाहदरा और उत्तर पूर्वी दिल्ली के सात मोहल्ला क्लीनिकों में जांच व इलाज में फर्जीवाड़े की बात सामने आई थी। इसके बाद सतर्कता निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर उपराज्यपाल ने मामले की सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी।

एगिलस डायग्नोस्टिक्स लैब में पिछले वर्ष फरवरी में 62,959 मरीजों के दो लाख से ज्यादा सैंपल की जांच हुई थी। जबकि इस वर्ष फरवरी में 21 हजार से कम मरीजों की जांच हुई।

माफी मांगने पर एनजीटी ने जिलाधिकारी पर लगाया जुर्माना किया माफ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पार्कों व हरित क्षेत्र में शादी समेत अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजन से हो रहे प्रदूषण संबंधी मामले में कई आदेश पारित करने के बाद नहीं पेश होने पर दक्षिण-पश्चिम जिलाधिकारी ने एनजीटी के समक्ष माफी मांगी। एनजीटी के आदेश पर व्यक्तिगत रूप से पेश होकर जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त तिथि पर गृह मंत्रालय का कार्यक्रम होने के कारण वह एनजीटी के समक्ष पेश नहीं हो सके थे। यह भी कहा कि उनकी जगह पर पेश हुए एडीएम सही तरीके से बात को नहीं रख सके। एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने जिलाधिकारी के बयान को रिकार्ड पर लेकर उन पर लगाए गए 25 हजार का जुर्माना माफ कर दिया।

एनजीटी ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निरीक्षण के दौरान पार्कों व हरित क्षेत्र में पाए गए उल्लंघन पर कार्रवाई करने की जरूरत है। एनजीटी ने नोट किया कि नियमों के उल्लंघन को देखते हुए डीएम ने परियोजना प्रस्तावक को अनुमति को रद करने पर विचार करने की बात की है।

पूर्व कांग्रेस विधायक की सजा निलंबित करने से हाई कोर्ट का इन्कार

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

- लोकसभा चुनाव लड़ने के आधार पर पूर्व विधायक दयानंद चंदेला ने दायर की थी याचिका

नई दिल्ली : हत्या के प्रयास मामले में दोषी करार दिए गए राजौरी गार्डन से पूर्व कांग्रेस विधायक दयानंद चंदेला को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए सजा निलंबित करने की मांग को लेकर दयानंद द्वारा दायर याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि 2015 और 2020 में चुनाव लड़ने के आधार पर ही राहत की मांग की जानकारी अदालत के समक्ष नहीं दी। यह नहीं बताया कि उक्त दोनों मौके पर अदालत ने उनकी मांग को ठुकराते हुए विस्तृत आदेश पारित किया था।

पीठ ने कहा कि इतना ही नहीं इसी तरह की मांग वाली एक अन्य दोषी की याचिका भी अदालत वर्ष 2017 में खारिज कर चुकी है, यह तथ्य भी दयानंद ने छिपाया। अदालत ने कहा कि इन तथ्यों को देखते हुए दोषी करार देते हुए सजा देने के तीन जून, 2010 के निचली अदालत के आदेश में हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि अगर याची वाकई में लोकसभा चुनाव लड़कर समाज की सेवा करना चाहता था तो उसे अदालत और पहले आना चाहिए था।

अदालत ने दर्ज किया कि वर्ष 2010 में सुनाए गए निर्णय के विरुद्ध दायर अपील याचिका तभी से लंबित है और याची को पता है कि सजा के कारण वह अभी चुनाव में भाग नहीं ले सकता है। ऐसे में उसे संबंधित अदालत के समक्ष उसकी अपील याचिका का निपटारा करने का अनुरोध करना चाहिए था। ऐसा करने के बजाय याची ने खुद ही अपील पर जल्द सुनवाई के आवेदन को वापस ले लिया था। अदालत ने दर्ज किया कि दयानंद चंदेला को निचली अदालत ने दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई थी। प्रथमदृष्टया उस अपराध में याची की भूमिका अहम थी और उसने पीड़ितों पर तलवार से हमला किया था। इससे पीड़िता को गंभीर चोटें आई थीं।

तकनीक से लैस

17 से अधिक पाठ्यक्रम एसओएल में किए जा रहे हैं संचालित, हर चैप्टर के बाद आयोजित होगा क्विज, इसे पूरा करते ही होगा जनरल असेसमेंट

डिजिटल माध्यम से पढ़ाई करेंगे एसओएल के विद्यार्थी

उदय जगताप ● जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के विद्यार्थी जल्द डिजिटल माध्यमों के जरिये पढ़ाई कर सकेंगे। एसओएल प्रशासन उनके लिए ई-पेज बनाने जा रहा है। यहां लागइन करने के बाद उन्हें पाठ्य सामग्री अलग-अलग माध्यमों में उपलब्ध होगी, जिससे वे पढ़ाई कर सकेंगे। इसके जरिये एसओएल प्रशासन ने उन छात्रों का आंतरिक मूल्यांकन भी करने की तैयारी की है।

एक लाख से अधिक छात्र लेते हैं प्रवेश : डीयू एसओएल में हर साल एक लाख से अधिक छात्र प्रवेश लेते हैं। यहां 17 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। छात्रों की कक्षाएं सप्ताहांत में कालेजों में लगाई जाती हैं। पढ़ने के लिए एसओएल की ओर से उन्हें पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। पाठ्य सामग्री लेने के लिए छात्रों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है, लेकिन अब उन्हें डिजिटल माध्यम से ही पढ़ाने की तैयारी है।

डीयू एसओएल। जागरण आर्काइव

आडियो- वीडियो के साथ सामान्य पाठ्य सामग्री भी : ई- पेज पर छात्र सामान्य तरह से लागइन कर पाएंगे, जहां उन्हें आडियो-वीडियो के साथ ही सामान्य तरह से भी पाठ्य सामग्री पढ़ने को मिलेगी। एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि एक चैप्टर पूरा होने के बाद एक सवाल विद्यार्थियों के सामने आएगा। वे इसका जवाब देते जाएंगे और आगे की पढ़ाई करते जाएंगे। प्रो. मागो ने बताया कि इसके जरिये उनका जरनल असेसमेंट और कांटीन्यूअस असेसमेंट भी हो जाएगा। उसे अलग से करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके साथ ही एकेडमिक काउंसलिंग सेशन और परीक्षा डेटशीट के बारे में भी यहां जानकारी मिलेगी।

विद्यार्थियों को पेज पर ग्रीवांस का कार्नर भी मिलेगा। वह पढ़ाई व पाठ्यक्रम से संबंधित और अन्य समस्याओं के बारे में उस पेज पर जाकर शिकायत कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि एसओएल ने छात्रों की समस्याएं सुलझाने के लिए काल सेंटर भी शुरू करने की तैयारी की है। ई-पेज भी उन्हें शिकायत की एक व्यवस्था देगा।

एक साल में होगी वर्चुअल कक्षाओं की व्यवस्था : प्रो. पायल मागो ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल क्लासरूम बनाने की तैयारी भी की जा रही है। कोशिश है कि अगले वर्ष इसे शुरू किया जाए। इसमें छात्र थ्री डी माध्यम में एआइ के जरिये सीधे पढ़ाई कर पाएंगे। वर्चुअली उन्हें कक्षाओं जैसा महसूस होगा। यहां शिक्षक पढ़ाएगा और सीधे तौर पर यहां जुड़ सकेंगे। कक्षाओं के रिकार्ड भी रखे जाएंगे, जिन्हें बाद में छात्र सुन सकेंगे।

****

ट्रेन में एलपीजी सिलेंडर के इस्तेमाल पर निजी एजेंसी पर कार्रवाई उचित : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : ट्रेन में खाना पकाने के एलपीजी सिलेंडर ले जाने वाली एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई के रेल मंत्रालय के निर्णय को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि ट्रेन देरी से चलने का बहाना याचिकाकर्ता जैसे अनुभवी ठेकेदार के लिए नहीं हो सकता क्योंकि भारत में यह असामान्य बात नहीं है। कंपनी को यात्रियों को खानपान सेवा प्रदान करने के लिए ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

रेल मंत्रालय ने चलती ट्रेन में खानपान व बैक-एंड सेवाएं प्रदान करने वाली जेनिथ लेजर हालिडेज लिमिटेड का अनुबंध छह महीने के लिए निलंबित कर दिया था और दो लाख रुपये जुर्माना लगाया। कंपनी पैंट्री कार में आग से खाना पकाने के खिलाफ निर्देशों के बावजूद ट्रेनों में एलपीजी सिलेंडर ले गई थी।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

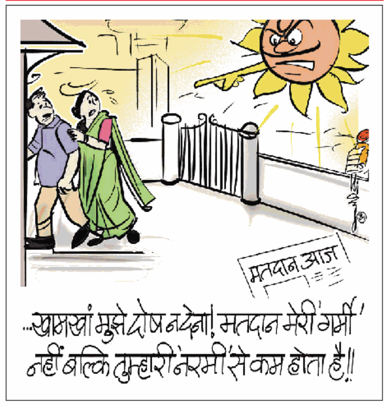

926 था लैंगिक अनुपात देश में 2019 के लोकसभा चुनाव के समय। 2014 में यह अनुपात 908 था। पांच वर्ष के अंतराल में इस अनुपात में 18 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

नाम तो बहुत हुआ, पर काम न हुआ

अम्बिका वाजपेयी/पुलक त्रिपाठी ● जागरण

- गांधी परिवार और कांग्रेस का गढ़ विकास में रहा पीछे
- रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा और उद्योग में सुधार की है आस

वीआइपी सीट

रायबरेली: इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की रायबरेली। कांग्रेस का गढ़ रायबरेली। एक वीआइपी जिले की उपाधि। देश की सबसे ताकतवर राजनीतिक परिवार की कर्मभूमि। इतनी सारी पहचान के बावजूद प्रगति और विकास की रेस में यह कहां है? बहुत कुछ मिला, पर यह सवाल अनुत्तरित है कि जैसे सैफई चमका, लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज चमके, वैसे यह क्यों नहीं? इसका राजनीतिक कद तो इन शहरों से बड़ा था। राजनीतिक वंशबेल का पोषण करने में मगन इस जिले को गांधी परिवार से जुड़कर वीआइपी सीट का दर्जा मिला, पर विकास को जो गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं। यहां कई बड़ी परियोजनाएं आईं, पर धरातल पर नहीं उतर सकीं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कुछ करने की जरूरत है। कांग्रेस के प्रति निष्ठा के बदले जिले को क्या मिला, इसको लेकर लोग एकमत नही हैं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी यहां से 2004 से सांसद चुनी जा रही हैं। इसबार राहुल गांधी मैदान में हैं।

लालगंज के सोंडासी के महेश कुमार ने बताया कि कांग्रेस सरकार में जिले में जितना काम हुआ वह किसी सरकार में नहीं। लोग इसके बाद भी कहते हैं कि कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने वाले निफ्ट, रेलकोच, रेयान इंटरनेशनल, एम्स समेत तमाम बड़े संस्थान कांग्रेस कार्यकाल में ही स्थापित हुए हैं। बाजपेईपुर के अभिषेक शुक्ला कहते हैं कि कांग्रेस सरकार में जिले का जो विकास होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। लोगों को यह भी सोचना चाहिए कि एक परिवार के प्रति दशकों तक वफादारी निभाने का क्या इनाम मिला। भाजपा सरकार में सड़कें बेहतर हुई हैं। किसानों को सम्मान निधि, गरीबों को मुफ्त में राशन मिल रहा है। डलमऊ के दिलीप कुमार ने बताया कि कांग्रेस सरकार में हुए काम को भाजपा देखना ही नहीं चाहती। कांग्रेस ने बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने को पूरे जिले में नहरों का जाल बनाया। इससे किसान अच्छी खेती कर आत्मनिर्भर बन रहे। भाजपा सरकार में बेसहारा मवेशियों के कारण किसान परेशान हैं। विनीत कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार ने मवेशियों के संरक्षण के लिए 82 गोशालाओं का निर्माण कराया। मवेशियों को समय पर चारा पानी मिले इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। भाजपा सरकार न होती तो भगवान राम का मंदिर न बन पाता।

दर्द से कराह रहीं स्वास्थ्य सेवाएं, वर्षों से स्टाफ में बढ़ोतरी नहीं

यहां एम्स तो संचालित है, लेकिन सर्दी, जुकाम के लिए रोगी सीएचसी, पीएचसी और जिला अस्पताल का ही रुख करते हैं। रोग बढ़े, मरीज बढ़े, लेकिन जिला अस्पताल से लेकर सीएचसी व पीएचसी के स्टाफ में बढ़ोतरी नहीं हुई। लगभग चार दशक पहले जो स्थिति थी, वही अब है। जिले की आबादी लगभग 34 लाख है। एम्स को छोड़ दें और निजी अस्पतालों को शामिल कर लिया जाए तो प्रतिदिन औसतन 15000 मरीज जिले भर में स्वास्थ्य सेवाएं ले रहे हैं। सिर्फ सरकारी स्वास्थ्य संसाधन पर आएं तो एक डाक्टर पर रोजाना लगभग 150 मरीज का भार है। विशेषज्ञ के मुताबिक 50 मरीज की जिम्मेदारी उचित है।

कांग्रेस ने रायबरेली में ही नहीं, देशभर में विकास के कार्य किए हैं। रायबरेली में निफ्ट, रेलकोच, आइडीटीआर, आइटीबीपी, रेयान इंटरनेशनल व एम्स समेत तमाम बड़े संस्थान कांग्रेस कार्यकाल के समय ही खुले हैं। हमने विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। किसी को भी हमारे द्वारा कराए गए विकास कार्यों के बारे में जानना है तो वे रायबरेली और अमेठीवासियों से पूछ सकते हैं। रायबरेली की जनता से बेहतर कोई नहीं बता सकता।

केएल शर्मा, सांसद प्रतिनिधि

सांसद निधि पर एक नजर

₹12 करोड़ सांसद निधि मिली पांच वर्षों में

किस कार्य पर कितनी धनराशि की गई खर्च

- **₹4** करोड़ सड़क निर्माण
- **₹3** करोड़ सोलर लाइट स्थापना में
- **₹2** करोड़ पेयजल
- **₹2** करोड़ स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने के लिए
- **₹1** करोड़ शिक्षण संस्थान में कक्ष निर्माण में

(आंकड़े- डीआरडीए कार्यालय से प्राप्त)

2021 में सिर्फ दो करोड़ रुपये मिले, जबकि कोरोना महामारी के दौरान दो वर्ष सांसद निधि मिली ही नहीं

जस का तस है शिक्षा की सुविधाओं का स्तर

लखनऊ और प्रयागराज के बीच के इस वीवीआइपी जिले में शिक्षा का स्तर जस का तस है। एक दो की बात छोड़ दें तो यहां उच्च शिक्षा व तकनीकि शिक्षा के लिए नए संस्थानों की स्थापना नहीं हो सकी। 1984 में उच्च शिक्षा के लिए तीन महाविद्यालय थे। तकनीकि शिक्षा व प्रोफेशनल शिक्षण संस्थानों का काफी अभाव है। विद्यार्थियों को लखनऊ या प्रयागराज जाना पड़ता है।

वर्षों बाद भी फोरलेन निर्माण है अधूरा

अधूरा पड़ा रायबरेली प्रयागराज फोरलेन ● जागरण

लखनऊ प्रयागराज के बीच बढ़ते यातायात को देखते हुए ही वर्ष 2016 में सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संगम नगरी से रायबरेली को जोड़ने वाले रायबरेली प्रयागराज हाइवे को फोरलेन बनाने की घोषणा की थी, लेकिन एनएचएआइ की सुस्ती के चलते काम को वह रफ्तार नहीं मिली, जो चाहिए थी। रायबरेली-प्रयागराज फोरलेन किए जाने को लेकर हाई कोर्ट ने कई बार संबंधित संस्थानों को जवाब तलब किया, फटकार लगाई। रायबरेली से प्रयागराज की दूरी 120 किमी है। केंद्र सरकार की ओर से तीन फेज के सड़क चौड़ीकरण (फोरलेन) के लिए 2636 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। कुल 120 किमी में 24 किमी का काम आरएंडसी कंपनी, 63 किमी का काम केपीसीएल और 8 .5 किमी का काम मेसर्स पीपी पांडे के जिम्मे है। हालांकि, एनएचएआइ के परियोजना निदेशक आरएस यादव का कहना है कि पहले प्रोजेक्ट में 24 किमी में चार बाइपास जगतपुर, बाबूगंज, ऊंचाहार व आलापुर का निर्माण, जिसमें 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। दूसरे प्रोजेक्ट में 63 किमी फोरलेन का निर्माण, जिसमें मात्र 25 प्रतिशत ही काम हो सका है। तीसरे प्रोजेक्ट में 8 .50 किमी का प्रयागराज के अंदर निर्माण होना है। उनका कहना है कि हाई कोर्ट की ओर से काम की निगरानी की जा रही है। काम दिसंबर 2024 में महाकुंभ से पहले पूरा करना है।

सबका सपना, आदिवासी वोटबैंक हो अपना

झारखंड में आदिवासी मतदाताओं के हाथ है सत्ता की चाबी, इनके रुख पर सभी दलों की नजर

आरपीएन मिश्र ● जागरण

- भाजपा के पास आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाने, बिरसा मुंडा और अलग झारखंड जैसे मुद्दे
- झामुमो और कांग्रेस बता रहे भाजपा को आदिवासी विरोधी, हेमंत सोरेन का दे रहे हवाला
- झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश समेत आदिवासी बहुल 17 राज्यों में मुर्मु भी मुद्दा

लोस चुनाव में आदिवासियों को लुभाने की कोशिश हो रही है। लोहरदगा की सभा में जुटीं आदिवासी महिलाएं ● जागरण

रांची: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की जनजातीय पहचान भी इस चुनाव में बड़ा मुद्दा बनी हुई है। झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश समेत आदिवासी बहुल 17 राज्यों में यह मुद्दा असर रखता है। झारखंड की बात करें तो यहां विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की ओर से आदिवासी मुख्यमंत्री रहे हेमंत सुरेन को जेल भेजने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया जा रहा है। इसके आधार पर भाजपा को आदिवासी विरोधी बताया जा है। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार ईडी व सीबीआइ का दुरुपयोग कर विपक्षियों को निशाना बना रही है और हेमंत को जेल इसलिए भेजा, क्योंकि आदिवासी सीएम इन्हें स्वीकार नहीं। हालांकि, भाजपा के तमाम नेता अपने तर्कों से इसका विरोध करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत बड़े नेताओं ने बार-बार जोर देकर अपनी सभाओं में कहा है कि जिसने भ्रष्टाचार किया है, उसकी जगह जेल में ही है। भाजपा ने कितने आदिवासियों को सीएम बनाया है, इसके उदाहरण दिए जा रहे हैं। ऐसे में झारखंड की आदिवासी सुरक्षित सीटों पर होने वाला चुनाव यह भी तय करेगा कि आदिवासी किस मुद्दे से ज्यादा प्रभावित हुए। उनके बीच राष्ट्रपति तथा पूर्व सीएम में ज्यादा असरदार कौन साबित हुआ।

मोदी और अमित शाह से लेकर भाजपा के कई बड़े नेता जनजातीय क्षेत्रों की रैलियों में इस बात को उठा रहे हैं कि भाजपा ने आदिवासी समाज की महिला को सम्मान देकर देश के सर्वोच्च पद पर बिठाया है। कांग्रेस के लोग नहीं चाहते कि कोई गरीब, आदिवासी और पिछड़ा देश में उच्च पद पर पहुंचे। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, राज्य के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा व कांग्रेस के तमाम नेता हेमंत के मुद्दे पर आदिवासियों को गोलबंद करने में जुटे हैं। कल्पना के भाषणों में हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन छाए रहते हैं। सहानुभूति के साथ ही उनकी छवि भुनाने की कोशिश होती है। यह संदेश देने की भी कोशिश हो रही है कि अगर भाजपा के लोग सत्ता और प्रभाव में रहे तो आदिवासियों की जमीन नहीं बचेगी। जंगल से भी उनका अधिकार छीन लिया जाएगा। राहुल गांधी समेत कांग्रेस के तमाम नेता मंचों से यह भी दोहराते हैं कि भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहकर इसलिए पुकारती है, क्योंकि वह इन्हें हेय दृष्टि से देखती है।

पार्टियों की रणनीति

कहां-कहां मुर्मु का उल्लेख: ओडिशा में पीएम ने चुनावी सभा में राष्ट्रपति का उल्लेख किया था। महाराष्ट्र के कांग्रेस नेता नाना पटोले की ओर से दिए गए बयान पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस के एक नेता अयोध्या के राम मंदिर के शुद्धीकरण की बात कह रहे हैं। उनका यह बयान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के राम मंदिर जाने के एक दिन बाद आया है। आदिवासी के मंदिर में प्रवेश करने पर शुद्धीकरण की बात कहकर कांग्रेस ने अपनी छोटी सोच का परिचय दिया है। यह देश का अपमान है। इसके अलावा झारखंड और ओडिशा की सभाओं में प्रधानमंत्री यह कई बार कह चुके हैं कि आदिवासियों के कल्याण के लिए उन्होंने जितनी योजनाएं बनाईं, उनमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी भूमिका निभाई है।

झारखंड में पिछली बार के नतीजे

पार्टी	सीट	मत (प्रतिशत में)
भाजपा	11	51.6
कांग्रेस	1	15.8
झामुमो	1	11.7
एजेएसयू	1	4.4

ये हैं जमीनी मुद्दे

राजनीतिक पार्टियां आदिवासियों के वोट हासिल करने को भले ही अलग-अलग मुद्दे उठाएं, लेकिन विकास में हाशिये पर खड़े इस समूह के अपने गंभीर जमीनी मुद्दे भी हैं, जिनकी चुनाव में कम चर्चा हो रही है। गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, कुपोषण, पलायन, मानव तस्करी, अंधविश्वास जैसी समस्याएं ये सदियों से झेल रहे हैं। इनके समाधान से आदिवासियों की स्थिति में सुधार होगा।

भगवान राम और बिरसा मुंडा का भी लिया जा रहा नाम

पीएम मोदी सभाओं में यह दोहराते हैं कि वनवासियों ने राजकुमार राम को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम बना दिया। झारखंड के खूंटी में जनजातीय समाज के नायक वीर बिरसा मुंडा की धरती पर पहुंचकर पीएम ने जनजातीय समाज को बड़ा संदेश दिया। वहीं से आदिवासियों के लिए 24 हजार करोड़ की पीएम जनमन योजना भी शुरू की। बिरसा मुंडा की जयंती को पहले जनजातीय गौरव दिवस और अब 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में जनजातीय गौरव वर्ष घोषित किया। आदिवासियों के बीच फैली आनुवांशिक बीमारी सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए अभियान, अलग झारखंड राज्य के निर्माण और अलग जनजातीय मंत्रालय के गठन के बाण भी भाजपा के तरकस में हैं।

जेल का ताला, नहीं झुकेगा...

झामुमो की रैलियों में नारों से भी हेमंत के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। नारे लग रहे हैं, जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा ...। नहीं झुकेगा.. का नारा झामुमो का टैगलाइन बन चुका है। इंटरनेट मीडिया पर भी इसी स्लोगन से पोस्ट हो रहे हैं। कहा जा रहा है, जेल में डालने की साजिश रची गई, पर झारखंड नहीं झुकेगा।

राज्य की पांच सीटों पर नजर

झारखंड में आदिवासी मतों का ध्रुवीकरण कई सीटों पर हार-जीत तय करता है। आदिवासियों के लिए सुरक्षित पांच सीटों पर खासतौर पर पक्ष-विपक्ष सभी की नजर आदिवासी वोटरों पर ही है। इनमें तीन सीटों पलामू, खूंटी और लोहरदगा में सोमवार 13 मई को चुनाव होना है, जबकि दुमका और राजमहल में एक जून को मतदान होगा।

कुरुक्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

अनुराग अग्रवाल ● जागरण

ग्राउंड रिपोर्ट

भाजपा के नवीन जिंदल, इनेलो के अभय चौटाला और आइएनडीआइए प्रत्याशी सुशील गुप्ता में मुकाबला

नवीन जिंदल

अभय चौटाला

सुशील गुप्ता

चंडीगढ़: हरियाणा में कुरुक्षेत्र लोस सीट चर्चित सीटों में शामिल है। यहां से उद्योगपति एवं दो बार सांसद रह चुके नवीन जिंदल भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। 2004 में नवीन से ही पराजित हो चुके इनेलो उम्मीदवार अभय सिंह चौटाला एक बार फिर उनके सामने ठोंक रहे हैं। आप ने यहां आइएनडीआइए गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में पूर्व राज्यसभा सदस्य डा. सुशील गुप्ता को चुनाव मैदान में उतारा है। यहां छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां से मौजूदा सांसद हैं। जाट, सैनी, ब्राह्मण और रोड बाहुल्य इस सीट पर सैनी ने 2019 में 56 प्रतिशत वोट हासिल कर कांग्रेस के चौधरी निर्मल सिंह को 31 प्रतिशत मतों के भारी अंतर से पराजित किया था।

2004 और 2009 में उद्योगपति नवीन जिंदल ने कांग्रेस के टिकट पर कुरुक्षेत्र से दो बार लोकसभा चुनाव जीता था, जबकि 2014 में भाजपा के तत्कालीन सांसद राजकुमार सैनी के हाथों पराजित होकर तीसरे नंबर पर खिसक गए थे। 2004 में नवीन जिंदल ने इनेलो के अभय चौटाला को 1.60 लाख मतों के अंतर से पराजित किया था। राजकुमार सैनी अब भाजपा छोड़कर अपनी स्वयं की पार्टी बना चुके हैं, जिनका कोई खास राजनीतिक अस्तित्व नहीं रह गया है। 2014 के बाद से जिंदल ने स्वयं को सक्रिय राजनीति से थोड़ा अलग कर लिया था, पर अपनी राष्ट्र प्रेम की विचारधारा के चलते वह न केवल भाजपा के संपर्क में थे, बल्कि कुरुक्षेत्र क्षेत्र के लोगों से अपना जुड़ाव कभी कम नहीं होने दिया।

2019 में नायब सिंह सैनी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लहर का लाभ मिला और वह सांसद चुन लिए गए। जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल के प्रयासों की ही देन है कि न्यायपालिका ने सभी भारतीयों के लिए वर्ष के सभी दिनों में तिरंगे को प्रदर्शित करने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित राष्ट्र के नारे और विकास की गारंटी के साथ राम मंदिर के निर्माण का लाभ नवीन जिंदल को मिलता दिखाई दे रहा है। हालांकि, वैश्यों के मत आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी डा. सुशील गुप्ता के पक्ष में बंटने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता, पर जिंदल का जुड़ाव भी पुराना है। यही वजह है कि कांग्रेस से जुड़े वैश्य भी जिंदल का साथ देते नजर आ रहे हैं। सुशील बाहरी प्रत्याशी होने का आरोप झेल रहे हैं। उनके चुनाव लड़ने का आधार भाजपा की बुराई करने के साथ हरियाणा खासकर कुरुक्षेत्र को दिल्ली की तरह विकसित करने का वादा है, जो मतदाताओं को ज्यादा प्रभावित करता दिखाई नहीं दे रहा है। जिंदल को भाजपा के मजबूत संगठन और पूर्व में सांसद रहते कराए गए कार्यों से जीत की आस है, जबकि गुप्ता के लिए आप कार्यकर्ताओं के साथ कुछ कांग्रेसी प्रयास करने की औपचारिकता निभा रहे हैं।

अभय को मिल सकता है वैश्य मतों में बिखराव का लाभ: 1998 से दो बार यह सीट इनेलो के खाते में रह चुकी है। अभय सिंह चौटाला जाट हैं। उन्हें वैश्य मतों में बिखराव का लाभ मिलने की पूरी आस बनी हुई है। 2019 में अभय ने अपने बेटे अर्जुन को कुरुक्षेत्र से लोस का चुनाव लड़वाया था, पर वह हार गए थे। हालांकि, इनेलो का संगठन पूरे प्रदेश में है, पर इनेलो व जजपा की आपसी लड़ाई ने इस परिवार को राजनीतिक बिखराव के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। अभय फिर भी हिम्मत नहीं हारे और लगातार पार्टी को संघर्ष के दौर से उबारने के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं।

किसान संगठनों के आंदोलन को भुनाने की कोशिश: कुरुक्षेत्र सीट कभी कैथल के नाम से हुआ करती थी। नफे सिंह राठी की हत्या के बाद अभय ने अपने पुराने साथी रामपाल माजरा की इनेलो में वापसी कराकर उन्हें इनेलो का प्रदेशाध्यक्ष बना दिया है, जिसका उन्हें लाभ मिलने की संभावना है। किसान संगठनों के आंदोलन को भुनाने की कोशिश कर रहे अभय भाकियू के समर्थन से मजबूत हुए हैं।

यह है जातीय समीकरण

कुरुक्षेत्र लोस सीट पर जाट 14 प्रतिशत, ब्राह्मण आठ प्रतिशत, वैश्य पांच प्रतिशत और सैनी आठ प्रतिशत होने के बावजूद ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में हो सकते हैं। ओबीसी मतदाताओं की संख्या भी अच्छी खासी है। आठ प्रतिशत सैनी समुदाय के मतदाताओं के अलावा सिख सैनी मतदाताओं की संख्या 2.3 प्रतिशत है। कंबोज 1.5 और कंबोज सिख मतदाता भी 1.5 प्रतिशत है। कश्यप राजपूत तीन प्रतिशत हैं। गुर्जर तीन, लबाना और रामगढ़िया दो प्रतिशत है, जिन्हें हर राजनीतिक दल लुभाने के प्रयासों में है।

पालघर में ही अब कोई 'मुद्दा' नहीं है दो साधुओं से उन्मादी हिंसा का मामला

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

हेमंत विष्णु सावरा, भाजपा

भारती कामडी, शिवसेना

राजेश, बहुजन विकास आघाड़ी

2020 में दो साधुओं एवं उनके वाहन चालक को ग्रामीणों ने पीट-पीटकर मार डाला था, पुलिस के रवैये से तत्कालीन उद्धव सरकार की हुई थी थू-थू

मुंबई: महाराष्ट्र में पालघर जिले के गढ़चिंचले गांव में चौपहिया वाहन से सूरत की ओर जा रहे दो साधुओं एवं उनके वाहन चालक को 16 अप्रैल, 2020 की रात को ग्रामीणों द्वारा पीट-पीटकर मार डाला गया था। इस घटना ने उस समय महाराष्ट्र में शासन कर रही उद्धव ठाकरे सरकार की पूरे देश में थू-थू करवा दी थी। बाद में भी इस को लेकर तब की एकमात्र विपक्षी पार्टी भाजपा उद्धव ठाकरे पर निशाना साधती रही थी, पर अब लोस चुनाव में महाराष्ट्र तो क्या पालघर में भी यह वारदात मुद्दा नहीं बनती नहीं दिख रही है।

जूना अखाड़ा के कल्पवृक्ष गिरि महाराज एवं सुशील गिरि महाराज के साथ-साथ उनके वाहन चालक नीलेश तेलगड़े को ग्रामीणों ने बच्चा चोर गिरोह के शक में मार डाला था। यह घटना पुलिस के सामने हुई थी। बाद में इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए इस वारदात के वीडियो में पुलिसकर्मी साधुओं को बचाने के बजाय उन्हें हिंसक भीड़ के हवाले करते दिखाई दिए थे। यह उस समय उद्धव सरकार की आलोचना का कारण बना था। तब ये आरोप लगे थे कि कांग्रेस और राकांपा के साथ सरकार चलाने के कारण उद्धव सख्त कदम नहीं उठा रहे हैं। तत्कालीन राज्य सरकार ने विपक्ष की सीबीआइ जांच की मांग नहीं मानी, पर जून 22 में बनी एक नाथ शिंदे सरकार ने इसकी सिफारिश कर दी थी। घटना के तुरंत बाद इस मुद्दे को सामने लाने वाले भाजपा नेता प्रेम शुक्ल कहते हैं कि मारे गए साधु सुशीलगिरि की बहन सपना मिश्रा सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश) जिले के अपने गांव में उनका स्मारक बनाने का प्रयास कर रही हैं, पर पालघर में दोनों साधुओं की स्मृति संजोने का कोई प्रयास किसी संगठन या दल द्वारा नहीं किया गया। हां, कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी के कुछ नेताओं ने ठाणे के मीरा रोड में उक्त दोनों साधुओं के स्वजन को बुलाकर उन्हें पांच-पांच लाख रुपये की सहायता प्रदान की थी। वाहन चालक नीलेश तेलगड़े के परिवार के लिए कुछ आर्थिक मदद जुटाने वाले भाजपा नेता अमरजीत मिश्र भी मानते हैं कि इस मुद्दे को लोग अब भुला चुके हैं, पर पालघर जिले के ही निवासी व भाजपा नेता अभिषेक मिश्र कहते हैं कि चुनाव के दौरान साधु हत्याकांड के मुद्दे को स्थानीय स्तर पर समय-समय पर उनके द्वारा सही मंचों पर उठाया जाता रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्धा की सभा में यह मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र भी अमरावती की सभा में इस मुद्दे पर बोल चुके हैं। पालघर आदिवासी बहुल जिला है। भाजपा इस समय जिले के विकास से जुड़े मुद्दे लोगों के सामने प्रमुखता से उठा रही है। रही बात चार वर्ष पहले हुए साधु हत्याकांड की, तो उसे लोग भूले नहीं हैं। उसकी प्रतिक्रिया हिंदू जरूर व्यक्त करेगा।

डाटा के जरिये बूथ तक मतदाताओं को लाने की कोशिश

राजेंद्र बी.अकलेकर ● मिडडे

- लोगों को जागरूक करने और मतदान का प्रतिशत बढ़ाने जलगांव प्रशासन ने अपनाए नए-नए तरीके
- प्रशासन ने रिकार्ड के आधार पर कम मतदान करने वाले मतदाताओं की पहचान की
- मतदान बढ़ाने के लिए ब्यूटीशियन से लेकर शुभंकर तक का किया गया उपयोग
- जनजातीय समुदाय का डर दूर करने को अधिकारियों को विनम्रता से पेश आने के निर्देश

चुनाव की तैयारी

महाराष्ट्र के जलगांव लोकसभा क्षेत्र में शादी-समारोह के दौरान नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक करता शुभंकर एक्की ● मिडडे

जलगांव: लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों को जागरूक करने और मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन ने नए-नए तरीके अपनाए हैं। लोगों को मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने को महाराष्ट्र में जलगांव जिले के अधिकारियों ने डाटाबेस (रिकार्ड) आधारित तरीका भी अपनाया है। इतना ही नहीं, ब्यूटीशियन से नेल आर्ट बनवाना हो या ब्यूटी पार्लर व शादियों में जाना, जिले के चुनाव कार्यालय के अधिकारी एक्की नाम के शुभंकर के साथ लोगों के बीच पहुंचे हैं।

जलगांव के कलेक्टर आयुष प्रसाद ने कहा कि हमारे पास डाटा है, जिसके आधार पर हमने कम मतदान करने वाले मतदाताओं की पहचान की है। प्रशासन ने इन लोगों को पोलिंग बूथ तक लाने का प्रयास किया है। इसके लिए मतदाताओं की पांच कैटेगरी बनाई गईं। ये हैं पहली बार मतदान करने जा रहे मतदाता एवं युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, जनजातीय समुदाय और शहरों में रहने वाले उदासीन मतदाता। हमने युवाओं और पहली बार मतदान करने जा रहे मतदाताओं के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया। इसे तबुला रस कहा जाता है। इसमें हमने छात्रों से कहा कि वे सादे कागज पर जो भी विचार उनके दिमाग में आ रहा है, उसे लिखें। पोलिंग बूथ पर भी यही करना करें। मतदान कितना महत्वपूर्ण है, यह संदेश पहुंचाने के लिए हमने कई कालेजों में छात्रों के बीच इस तरीके के साथ काम किया। इसके बाद आती हैं महिलाएं। हमने महिलाओं तक पहुंचने के लिए योग कक्षाओं, ब्यूटी पार्लर और शादी समारोह को माध्यम बनाया, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में महिलाएं आती हैं। हमने मतदान को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्यूटीशियन की मदद भी ली। ब्यूटीशियन ने इसके लिए नेल आर्ट बनाए। एक्की नामक शुभंकर शादी-समारोह में गया और लोगों को संदेश दिया कि चुनाव क्यों महत्वपूर्ण है और मतदान कब और कहां होना है। उन्होंने कहा कि समाचार-पत्र पढ़ने वाले वरिष्ठ नागरिकों को हमने एक पत्र के माध्यम से मतदान करने के लिए संदेश भेजा। शहरों में रहने वाले उदासीन मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। प्रसाद ने कहा कि जब हमने जनजातीय समुदायों से संपर्क किया और पूछा कि वह पोलिंग बूथ और सरकारी मशीनरी से दूरी क्यों बनाते हैं, इस पर उन्होंने कहा कि उनको डर है कि अधिकारी उनको धमकाएंगे, क्योंकि किसी ने भी उनसे सम्मान से बात नहीं की है। उनको इस बात का डर था कि अगर वे मतदान करने जाएंगे और ईवीएम को किसी तरह का नुकसान हो गया तो क्या होगा। इसके बाद मैंने टीमों को सबके साथ विनम्रता से पेश आने और सहयोग करने का निर्देश दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन तरीकों से इस बार चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ेगा।

इन पांच को किया लक्ष्य

पहली बार मतदान करने वाले मतदाता एवं युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, जनजातीय समुदाय और शहरी उदासीन मतदाता।

जलगांव लोस चुनाव में मतदान

2014	2019
58.0%	56.1%

7,13,874 मत पाकर पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने पाई थी जीत

ये है तबुला रस

तबुला रस एक सिद्धांत है, जो कहता है कि व्यक्तियों का निर्माण बिना किसी मानसिक सामग्री के होता है। इसलिए सभी ज्ञान अनुभव या धारणा से आते हैं।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

****

14 मई से दिल्ली में डेरा डालेंगे मप्र के शिवराज सिंह चौहान। वह दिल्ली में नार्थ ईस्ट दिल्ली (दो) लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे। यहां शिवराज भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में शाम पांच बजे महिला सम्मेलन और शाम सात बजे दलित सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने मप्र में 21 लोकसभा क्षेत्रों में की 66 जनसभा, 16 रोड शो किए।

वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो आज, दिखेगा 'भारत भाव'

भारतीय बसंत कुमार ● जागरण

वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार लोकसभा चुनाव में नामांकन के लिए सोमवार को वाराणसी आएंगे। जब भी उनका नामांकन हुआ पूरी प्रक्रिया में चुनावी रणनीतिक कौशल गढ़ा गया। अपने चुनाव के अलावा विधानसभा चुनावों में भी अपने क्षेत्र में उनका रोड शो वोट बटोरने के उपक्रम के रूप में छाया रहा है। प्रधानमंत्री इस बार भी नामांकन की पूर्व संध्या पर बीएचयू से विश्वनाथ धाम तक रोड शो करेंगे। गंगा तटवर्ती यह इलाका लघु भारत के रूप में जाना जाता है।

भले ही दक्षिण के राज्यों में चुनाव समाप्त हो गया हो पर अन्य राज्यों तक मोदी के बनारसी रोड शो का संदेश पहुंचता है। कोशिश है कि इस बार के रोड शो में भी 'भारत भाव' नजर आए। काशी में गंगा का किनारा लघु भारत को सहेजे हुए है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के लोग अपने-अपने प्रांतों की संस्कृतियों व संस्कारों के साथ पीढ़ियों से रहते आए हैं। रोड शो में इनकी भागीदारी विशेष होगी।

मोदी ने नवंबर, 2013 में वाराणसी से चुनाव लड़ने की पृष्ठभूमि तैयार की। यह वही समय था जब वह भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में देश में घूम रहे थे। थोड़ा समय बीता तो वह भाजपा के भावी प्रधानमंत्री के रूप में घोषित होकर वाराणसी से उम्मीदवार हो गए। वाराणसी और वडोदरा दोनों सीट से चुनाव जीतने के बाद मोदी ने वाराणसी को ही चुना और पुनः 2019 में यहां से ही चुनाव लड़े। जब भी नामांकन हुआ मोदी का रोड शो चर्चा में आया। सबसे पहले 2014 में स्थानीय प्रशासन के साथ रोड शो करने को लेकर तकरार हुई। उस समय के डीएम प्रांजल यादव ने बेनियाबाग में सभा करने की अनुमति नहीं दी। मोदी ने तब कहा था कि वह आतंकवाद और नक्सल प्रभावित इलाके में भी हो आए हैं, पर प्रशासन ने वहां नहीं रोका।

यहां रोका जा रहा है। इस निषेध को उन्होंने भुनाया और उनके समर्थन में भाजपाइयों का धरना होने लगा। अरुण जेटली धरने पर बैठ गए। अंततः मोदी ने लंका चौराहे पर मालवीय जी की प्रतिमा से यात्रा शुरू की तो जनता का साथ मिला और अघोषित रोड शो बेहद सफल रहा। ऐतिहासिक भीड़ भाजपा के रथयात्रा के पास स्थित चुनाव कार्यालय तक अटी रही। इसके बाद राज्य में भाजपा की सरकार ही बन गई। 2019 के अपने चुनाव के साथ ही 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में मोदी का संसदीय क्षेत्र में रोड शो चुनाव प्रचार का अनिवार्य हिस्सा हो गया।

- नामांकन की पूर्व संध्या पर बीएचयू से विश्वनाथ धाम तक रोड शो करेंगे मोदी
- रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ होंगे प्रस्तावक

पीएम मोदी सोमवार को वाराणसी से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस मौके पर रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन की काफी जोरदार ढंग से तैयारियां की जा रही हैं। नावों को लाइटों और उनके जगमगाते पोर्ट्रेट से सजाया गया है। प्रेट्र

नामांकन प्रक्रिया का हर कदम रणनीतिक

मोदी की नामांकन प्रक्रिया का हर कदम रणनीतिक होता है। इस बार अब तक प्रस्तावकों में जो सबसे खास नाम है वह आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ का है। दक्षिण भारत से आकर काशी में बसे आचार्य द्रविड़ ने अयोध्या में रामजन्मभूमि पर बने मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निर्धारण किया था और पूजन भी कराया था। इससे पहले कभी डोमराजा, कभी ख्यात गायक पद्मविभूषण छन्नूलाल मिश्र, कभी गिरधर मालवीय, शिक्षाविद् अन्नपूर्णा शुक्ला, नाविक भद्र प्रसाद निषाद, बुनकर अशोक कुमार को प्रस्तावक बनाकर हमेशा उन्होंने सबका साथ का ही संदेश दिया है। इस बार रोड शो के रूट पर सौ केंद्र बनाए जा रहे हैं जहां मराठी, गुजराती, बंगाली, मारवाड़ी, पंजाबी, दक्षिण भारतीय राज्यों के लोग परंपरागत स्वागत को मौजूद रहेंगे। इसके अलावा लोक नृत्य-संगीत, डमरू दल का घोष, शंख दल का निनाद, पुष्प वर्षा होगी। खिलाड़ी फुल ड्रेस में मोदी का स्वागत करेंगे। साढ़े चार किमी की यात्रा में संपूर्ण बनारस तो रहेगा ही।

सपा ने एक और टिकट बदला, अब मीरजापुर से रमेश बिंद लड़ेंगे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

- भदोही के भाजपा सांसद हैं बिंद, इस बार भाजपा ने नहीं दिया था टिकट
- राबर्ट्सगंज से भाजपा के पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार को बनाया प्रत्याशी

समाजवादी पार्टी ने रविवार को एक और लोकसभा क्षेत्र का टिकट बदल दिया है। सपा ने मीरजापुर सीट से अपने प्रत्याशी राजेन्द्र एस बिंद का टिकट काटकर रमेश बिंद को प्रत्याशी बनाया है। रमेश बिंद भाजपा के भदोही लोकसभा सीट से सांसद हैं। इस चुनाव में उनका टिकट कट गया था जिसके बाद रमेश बिंद ने सपा का दामन थाम लिया। अब पार्टी ने उन्हें मीरजापुर से प्रत्याशी बना दिया है। यहां से केंद्रीय मंत्री व एनडीए की सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल चुनाव लड़ रही हैं। राजेन्द्र बिंद को टिकट कटने की भनक कुछ दिनों पहले ही लग गई थी, यही वजह है कि वे पिछले दो-तीन दिनों से लखनऊ में सपा प्रदेश कार्यालय सहित बड़े नेताओं के चक्कर लगा रहे थे। राजेन्द्र नामांकन के लिए सिंबल फार्म लेने आए थे। रविवार को उनका टिकट काटकर अब रमेश बिंद को पार्टी ने यहां से उतार दिया है। इससे पहले भी सपा कई लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल चुकी है। वहीं, सपा ने लंबे इंतजार के बाद राबर्ट्सगंज लोकसभा सीट का प्रत्याशी घोषित कर दिया है। यहां से पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार को टिकट दिया गया है। वर्ष 2014 में खरवार भाजपा के टिकट से राबर्ट्सगंज से चुनाव जीते थे। वे करीब 15 दिन पहले ही सपा में शामिल हुए थे। सपा ने अब पूर्व सांसद को टिकट देकर राबर्ट्सगंज लोकसभा सीट का चुनाव भी रोचक बना दिया है। वर्ष 2019 में भाजपा ने यह सीट अपना दल को दे दी थी।

रमेश बिंद। फाइल

सोनिया ने सांसद निधि का 70 प्रतिशत से अधिक अल्पसंख्यकों पर खर्च किया : शाह

जनसभा ▶ जनसभा में पूछा, पांच साल में कितनी बार गांधी परिवार रायबरेली आया

कौशांबी में कहा- देश को परचून की दुकान न बनाओ राहुल बाबा

जागरण टीम, लखनऊ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायबरेली की चुनावी जनसभा में कांग्रेस पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने अपनी सांसद निधि का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अल्पसंख्यकों के लिए खर्च किया। यह भी कहा कि गांधी परिवार रायबरेली को अपना घर बताता है, लेकिन यहां के लोगों के सुख दुख में शामिल नहीं होता। इसी तरह कौशांबी की जनसभा में राहुल गांधी को घेरते हुए कहा कि देश को परचून की दुकान न बनाओ। उन्होंने मणिशंकर अय्यर के पाकिस्तान को लेकर दिए बयान के संदर्भ में कहा कि एटम बम से राहुल डर सकते हैं, भाजपा नहीं। शाह ने गोंडा में भी सभा की।

अमित शाह ने रविवार को रायबरेली के जीआइसी मैदान में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि आप रायबरेली में कमल खिलाइए, देश में भाजपा की सीटें अपने आप 400 पार हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रियंका वाड्रा यहां आकर परिवार से वोट मांगने की बात कहती हैं, लेकिन पिछले पांच सालों में सोनिया गांधी व उनका परिवार कितनी बार यहां आया, सोनिया गांधी बीमार हैं तो राहुल व प्रियंका कितनी बार यहां आए, यह बताएं। कहा, 70 साल से कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर को अटकाकर रखा। नरेन्द्र मोदी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने तो भूमि पूजन किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राममंदिर इसलिए नहीं गए क्योंकि वह अपने वोट बैंक से डरते हैं।

गोंडा में शाह ने कहा कि यह चुनाव भगवान श्रीराम का मंदिर बनवाने वाले और कारसेवकों पर गोली चलवाने वालों के बीच है। बोले, सपा व कांग्रेस वालों ने कहा है कि राम मंदिर बेकार बना है। विपक्ष ने मंदिर पर बाबरी ताला लगवाने के लिए तैयार कर रखा है। गृह मंत्री ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत अनुच्छेद 370 वापस नहीं लगा सकती। भाजपा का जब तक एक भी सांसद सदन में रहेगा, ये संभव नहीं है।

कौशांबी में कहा कि इंडी गठबंधन के पास प्रधानमंत्री पद के लिए कोई चेहरा नहीं है। देश को स्थायित्व व मजबूत सरकार चाहिए। गठबंधन पर चुटकी ली और जनता से प्रश्न किया, यदि ये सत्ता में आए तो प्रधानमंत्री कौन बनेगा? शरद पवार, उद्धव ठाकरे, स्टालिन या फिर राहुल बाबा? राहुल बाबा कहते हैं कि बारी-बारी से एक-एक वर्ष के लिए गठबंधन के नेता प्रधानमंत्री बनेंगे। अरे राहुल बाबा ये देश की सरकार है। इसे परचून की दुकान न बनाओ। गुलाम कश्मीर के मुद्दे को उठाकर कांग्रेस पर सीधा हमला बोला। कहा, मणिशंकर अय्यर और फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि पाकिस्तान का सम्मान करो क्योंकि इनके पास एटम बम है। गुलाम कश्मीर मत मांगिए। अरे राहुल बाबा, आपको एटम बम से डरना है तो डरिए, हम नहीं डरते। कश्मीर भारत का है और वो हम लेकर रहेंगे।

रायबरेली में मनोज पांडेय से बोले अमित शाह, मैं हूं न

पुलक त्रिपाठी ● जागरण

- भाजपा प्रत्याशी दिनेश सिंह की जनसभा के बाद सीधे सपा विधायक के आवास पहुंचे गृह मंत्री
- भाजपा में शामिल होने के सवाल पर मनोज ने कहा, अभी कुछ कह नहीं सकता

रायबरेली: भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में रायबरेली पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह जनसभा के बाद सीधे ऊंचाहार से सपा विधायक डा. मनोज पांडेय के आवास पहुंचे। दोनों की मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में कई चर्चाओं को हवा दे दी। गृहमंत्री ने मनोज पांडेय से मुलाकात की और करीब 55 मिनट उनके आवास पर बिताए। उनके एक ओर मनोज पांडेय बैठे थे तो दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह। गृह मंत्री ने काफी पीते हुए मुस्कान के साथ मनोज पांडेय से कहा कि आप किसी भी चीज के लिए तनिक भी परेशान न हों, मैं आपके साथ हूं। मेरा हाथ आप पर है। दिनेश प्रताप सिंह मुलाकात के दौरान कई बार मनोज पांडेय से बड़ी आत्मीयता से बात करते नजर आए।

अमित शाह का ऊंचाहार विधायक के घर जाना, परिवार के साथ भोजन करना रायबरेली के राजनीतिक समीकरण का एक बेहद अहम हिस्सा कहा जा रहा है। हालांकि मनोज पांडेय ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। भाजपा में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा, इस विषय पर मैं अभी कुछ कह नहीं सकता, भविष्य में जो होगा सबके सामने होगा।

नामांकन के बाद से ही जिस तरह भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लगातार विधायक से मिल रहा है, उससे उनकी और भाजपा की नजदीकियों का अंदाजा हर किसी को हो चुका है। यही कारण रहा कि लोगों में इस बात की चर्चा रही कि गृह मंत्री भी उनके आवास पहुंचेंगे। गृह मंत्री अमित शाह जनसभा से सीधे गोरा बाजार स्थित उनके आवास पहुंचे। उन्होंने पांडेय परिवार के साथ काफी समय बिताया। वह परिवार के हर छोटे-बड़े सदस्य से मिले और परिचय प्राप्त किया। विधायक ने अमित शाह का स्वागत करने के साथ ही उन्हें राम दरबार भेंट किया।

अपने आवास पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को राम दरबार भेंट करते ऊंचाहार विधायक डा मनोज पांडेय। साथ में उनके भाई अमिताभ पांडेय जागरण

मनोज पांडेय और दिनेश के बीच की दूरी किसी से छिपी नहीं। ऐसे में चुनाव से पहले इस दूरी को पाटना भाजपा के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। भले ही मनोज पांडेय अभी सपा के विधायक हैं, मगर उनकी नजदीकियां भाजपा से अधिक हैं। राजनीतिक समीकरण ऐसे हैं कि कद्दावर नेता मनोज पांडेय के सहयोग के बिना रायबरेली में कांग्रेस के दुर्ग को तोड़ना संभव नहीं। गृह मंत्री से पहले विधायक मनोज के घर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व दो बार डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी जा चुके हैं। मनोज ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक हैं, खास बात यह है कि उन्होंने अपनी सीट भाजपा की लहर में भी कायम रखी। सपा सरकार में मनोज कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं, उन्होंने तीन महीने पहले सपा के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दिया था। ब्राह्मणों के साथ ही रायबरेली में उनके जनाधार को देखते हुए भाजपा उनको अपने पाले में लेना चाहती है। पार्टी से विधायक होने के बावजूद मनोज पांडेय ने सपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के सनातन धर्म विरोधी बयानों, राम मंदिर दर्शन को जाने तथा अन्य मसलों पर अपनी अलग राय रखी।

गृह मंत्री बताएं कि भाजपा ने रायबरेली के लिए क्या किया : प्रियंका

जासं, रायबरेली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गांधी परिवार के रायबरेली से दूरी बनाने के सवाल पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री बताएं कि भाजपा ने अभी तक रायबरेली के लिए क्या किया है। प्रियंका गांधी ने खीरों में कहा कि कांग्रेस ने रायबरेली में गंगा ब्रिज, रेल कोच फैक्ट्री, रेल व्हील फैक्ट्री, एम्स, निफ्ट, एफडीडीआइ, पांच नेशनल हाईवे, मोटर ड्राइविंग स्कूल, आठ फ्लाईओवर, रिंग रोड, रेल लाइन डबलिंग ट्रैक, रेलवे वाशिंग, लाइन, दस रेलवे अंडरपास बनवाए। प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार है। यह दुष्कर्म करने वालों को बचा रहे है। पूरी सरकार अपराधी की मदद कर रही थी।

प्रियंका गांधी वाड्रा। एएनआइ

यूपी में दंगा करने वालों को सात पीढ़ी तक भरना होगा जुर्माना : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

- सीएम बोले, चार जून के बाद यूपी को घोषित करेंगे माफिया मुक्त राज्य
- माफिया की संपत्ति को जब्त कर गरीबों के लिए किया जाएगा आवंटित

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो भी दंगा करेगा उस पर डंडा तो चलेगा ही। यूपी में दंगा करने वालों को सात पीढ़ी तक जुर्माना भरना होगा। आज प्रदेश की बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। अब अपराधी गले में तख्ती डालकर जान की भीख मांगने पर मजबूर है। हमने प्रदेश में एक भयमुक्त वातावरण दिया है। माफिया को एक बार फिर चेतावनी देते हुए साफ-साफ कहा है कि चार जून के बाद हमारी सरकार यूपी को माफिया मुक्त राज्य घोषित करने के लिए एक निश्चित तारीख तय करेगी। एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि सभी माफिया की अर्जित संपत्ति को जब्त किया जाएगा और इसको गरीबों, अनाथों, महिला संरक्षण गृहों व दिव्यांगों के घरों के लिए आवंटित कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया की अवैध जमीनों पर अस्पताल और स्कूल बनाए जाएंगे। पहले चरण में माफिया को टारगेट किया जाएगा और दूसरे चरण में उनके गुर्गों की संपत्ति भी जब्त की जाएगी। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खां से जुड़े सवाल का भी जवाब दिया। आजम खां की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये उस महाभारत परिवार के एक और 'काका श्री' हैं। जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था, तो दुर्योधन और दुशासन के सामने हर कोई चुप था। जैसी करनी, वैसी भरनी (जैसा बोओगे, वैसा काटोगे), चाहे वह आजम खां हों या कोई माफिया सरगना। उन्होंने राज्य के विकास में बाधा डाली, इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

यह कहा था केजरीवाल ने: अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि दो महीने में योगी आदित्यनाथ को बदल दिया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। 75 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजनीति से सेवानिवृत्त होने के केजरीवाल के दावे पर योगी आदित्यनाथ ने जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी हार का एहसास है। यही वजह है कि वह उम्र का सहारा ले रहा है। योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक प्राप्त हो रहे अपार जन समर्थन के सम्मुख विपक्ष का सारा प्रोपोगैंडा विफल हो गया है। लोकसभा चुनाव में अपनी पराजय सुनिश्चित जान, हताश विपक्ष मोदी जी की आयु का बहाना बनाकर छद्म आक्रमण का निरर्थक प्रयास कर रहा है। आगे लिखा कि भारत का जन गण मन जानता है कि मोदी का हर क्षण भारत माता को परम वैभव तक ले जाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की संकल्पनाएं सिद्ध हो रही हैं। तीसरे कार्यकाल में भारत वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा। मोदी जी 140 करोड़ भारतीयों के सर्वमान्य नेता हैं और हमारे अभिभावक। हमें गर्व है कि हम मोदी जी के परिवारीजन हैं।

अमेठी के गौरीगंज में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जागरण

मातृ दिवस के अवसर पर समस्त मातृशक्ति को नमन : राहुल गांधी

राहुल गांधी। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को मातृ दिवस की शुभकामना दीं और सभी माताओं को नमन किया। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में राहुल ने एक वीडियो साझा किया जिसमें वह अपनी मां सोनिया गांधी और भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई अन्य महिलाओं के साथ आत्मीयता से मिलते दिख रहे है।

राहुल ने पोस्ट किया, मां शब्दों से परे एक एहसास है- ममता का, त्याग का, धैर्य का और शक्ति का। मातृ दिवस के शुभ अवसर पर मैं समस्त मातृशक्ति को नमन करता हूं।

बिहार में रोड शो करने वाले पहले पीएम बने मोदी

2 किमी लंबा रोड शो किया पीएम नरेन्द्र मोदी ने बिहार के पटना में

38 स्थानों पर हुआ स्वागत, शाम 7.20 बजे शुरू हुआ रोड शो

8:30 बजे तक चला रोड शो। एक घंटे 10 मिनट तक चले शो के दौरान मोदी ने किसी को निराश नहीं किया। रथ बीच-बीच में रुकवाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रहे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बिहार की राजधानी पटना में प्रचार अभियान के तहत एक घंटे 10 मिनट तक रोड शो किया। इस दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और मोदी-मोदी के नारे लगते रहे। पीएम ने लोगों का अभिवादन किया। साथ में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पटना साहिब से भाजपा के उम्मीदवार रविशंकर प्रसाद और स्थानीय नेता मौजूद रहे। प्रेट्र

टीएमसी के गुंडे संदेशखाली में महिलाओं को धमका रहे

प्रथम पृष्ठ से आगे

आरामबाग की रैली में पीएम ने संदेशखाली कांड को लेकर भी तृणमूल को घेरते हुए आरोप लगाया कि वोट बैंक के चलते टीएमसी के गुंडे दोषियों को बचाने के लिए प्रताड़ित महिलाओं को धमका रहे हैं। कहा- मोदी कहता है हर घर जल, और टीएमसी कहती है हर घर बम। माताओं, बहनों, बेटियों का यहां जीवन मुश्किल है। संदेशखाली में क्या हो रहा है उसे देश देख रहा है। संदेशखाली के गुनहगार को पहले टीएमसी की पुलिस ने बचाया, अब नया खेल शुरू किया है। गुंडे संदेशखाली में बहनों को डरा-धमका रहे हैं, इसलिए क्योंकि अत्याचारी का नाम शाहजहां शेख है। उसके घर से बम-बंदूक निकल रहे हैं, लेकिन वोट बैंक को खुश करने के लिए टीएमसी उसे क्लीनचिट दिलवाने में जुटी है।

कांग्रेस, लेफ्ट और टीएमसी ने बंगाल को तबाह कर दिया: हावड़ा के सांकराइल की रैली में पीएम ने कहा कि कांग्रेस का भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण और वाम का अत्याचार और अराजकता, इन सारी बुराइयों को इकट्ठा कर दें तब अकेली टीएमसी बनती है। पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और उसके बाद टीएमसी ने बंगाल को तबाह किया, हावड़ा इसका साक्षी है। टीएमसी ने घोटालों को अपना फुलटाइम बिजनेस बना लिया है। टीएमसी हो, कांग्रेस हो, लेफ्ट हो या इंडी गठबंधन की कोई और पार्टी, भ्रष्टाचार इनका सामान्य चरित्र है। इंडी गठबंधन की ज्यादातर पार्टियां छिपकर घोटाले करती हैं, लेकिन टीएमसी घोटालों का खुला उद्योग चलाती है।

महिलाओं का सशक्तीकरण मेरी प्रतिबद्धता : मोदी

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दोहराया कि महिलाओं की प्रगति से हमेशा देश सशक्त बनता है और महिला शक्ति के सशक्तीकरण की इस यात्रा को वह तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पटना में रोडशो से इतर एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'महिलाओं का सशक्तीकरण मेरी प्रतिबद्धता बनी हुई है। जी-20 सम्मेलन के दौरान भी मैंने महिलाओं के नेतृत्व में विकास की अगुआई की और हमें इसके लिए अवसर सृजित करते रहने होंगे। महिलाएं पारंपरिक रूप से जिन भूमिकाओं का निर्वाह करती हैं, उन्हें उससे परे कहीं बड़ी भूमिका का निर्वाह करना है।'

भाजपा ने अधीर चौधरी पर लगाया राजनीतिक जबरन वसूली का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

भाजपा ने रविवार को एक वीडियो का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी पर जबरन राजनीतिक वसूली करने का आरोप लगाया है। इस वीडियो में वह कथित तौर पर यह कहते नजर आ रहे हैं कि अगर अदाणी और अंबानी उन्हें पैसे भेजते हैं तो वह उन पर हमला बंद करने पर विचार कर सकते हैं।

बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने एक यूट्यूब चैनल से चौधरी के हालिया साक्षात्कार का वीडियो इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर साझा किया और लिखा कि उन्होंने कांग्रेस की पोल खोलते हुए कहा कि जैसे ही अदाणी-अंबानी कांग्रेस को पैसा देंगे, वे उन पर हमला करना बंद कर देंगे। मालवीय ने कहा कि कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी का यह कृत्य राजनीतिक वसूली से कम नहीं है। यह तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा के कृत्य के बराबर है, जिन्होंने भारतीय कारोबारियों पर संसद में हमला बोलने के लिए दुबई स्थित एक व्यवसायी से कथित तौर पर पैसे और महंगे उपहार लिए थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने चौधरी की कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आइएनसी (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) का मतलब 'आइ नीड करप्शन' (मुझे भ्रष्टाचार चाहिए)। उन्होंने इसे हफ्ता वसूली माडल बताया।

चौधरी ने दी सफाई

अधीर ने अपनी टिप्पणी पर सफाई देते हुए कहा कि भाजपा को चुटकुले भी समझ नहीं आते। कांग्रेस का अदाणी और अंबानी को लेकर क्या रुख है यह भी जानते हैं। राहुल गांधी ने सबसे पहले हम दो, हमारे दो का नारा दिया। अगर कोई मजाक में बोलता है, तो वे (भाजपा) उसे घुमाने की कोशिश करते हैं।

भाजपा और कांग्रेस ने देश के लिए कुछ नहीं किया : मायावती

जासं, करनाल: बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने कहा कि सत्ता में रहते हुए भाजपा और कांग्रेस ने देश के लिए कुछ नहीं किया। इस बार भाजपा का सत्ता में आना मुश्किल है। पूंजीवाद, जातिवाद और संप्रदायवाद की राजनीति करने वाली भाजपा की नाटकबाजी और जुमलेबाजी इस चुनाव में नहीं चलेगी। बसपा ही ऐसी पार्टी है, जो किसी धन्नासेठ से पैसे नहीं लेती। न ही पार्टी घोषणापत्र जारी करती है। हम कहते कम हैं और करते ज्यादा हैं। मायावती रविवार को यहां चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली। बशर्ते चुनाव निष्पक्षता से हो और ईवीएम में गड़बड़ी न की जाए। आजादी के बाद देश में कांग्रेस के अधिकतर शासनकाल में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य वर्गों के लिए कोई काम नहीं हुआ। यही रवैया भाजपा का रहा।

पीएम के रोड शो पर लालू का तंज, बोले-ई बिहार है गली-गली का चक्कर लगवा देगा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

पटना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो के बीच राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने बड़ा तंज किया। उन्होंने कहा कि तीन चरण के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री को रोड पर आना पड़ा। अगले चार चरणों के चुनाव में ई (यह) बिहार की गली-गली का चक्कर लगवा देगा। इतना ही नहीं, लालू प्रसाद ने प्रधानमंत्री के पूर्व में किए गए वादों को लेकर भी उनपर हमला बोला है।

लालू प्रसाद यादव। फाइल

रविवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने अपने एक्स पर पोस्ट डाली कि प्रधानमंत्री ने 2014 में बोला था चीनी मिल खुलवा इसी मिल की बनी चीनी की चाय पिऊंगा। दस बरस हो गए। क्या हुआ तेरा वादा? उन्होंने लिखा कि जो प्रधानमंत्री अपने वादेनुसार प्रदेश में एक छोटी सी चीनी मिल नहीं खुलवा सकता हो, जो प्रधानमंत्री विशेष राज्य के दर्जे से लेकर दस वर्षों में अपने बड़े-बड़े आसमानी वादों में से एक रत्ती भर भी वादा पूरा ना कर सका हो। जो प्रधानमंत्री भरे मंच से अपने ही सहयोगी दल के मुख्यमंत्री द्वारा हाथ जोड़ गिड़गिड़ाने पर भी सौ बरस पुरानी एवं ऐतिहासिक पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा तक ना दे सके, ऐसे प्रधानमंत्री रोड क्या चाहे गली-गली घूम नुक्कड़ नाटक करें, इससे बिहार को क्या फायदा होगा?

लालू ने तेवर दिखाते हुए कहा कि बिहारी मूर्ख नहीं है। बिहार के लोग अच्छे से जानते हैं कि बिहार से 40 में से 39 एमपी लेकर बिहार की जगह सब कुछ गुजरात में ही किया। सब निवेश गुजरात ही ले गए, जबकि लंबे समय से बिहार में एनडीए सरकार है। फिर पांच साल बाद चुनाव में बिहार घूमने आते है।

****

4 मतदान केंद्र श्रीनगर में बनाए गए हैं हिंदू कश्मीरियों के मतदान के लिए। जबकि जम्मू में 21 केंद्र और ऊधमपुर में दो विशेष मतदान केंद्र बनाए गए हैं। यह मतदान केंद्र श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए है। 13 मई को यहां मतदान है। श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में कुल 17.47 लाख मतदाता हैं। इनके लिए 2135 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

श्रीनगर सीट देगी कश्मीर की राजनीति को दिशा, मतदान आज

नवीन नवाज • जागरण

- 24 उम्मीदवार मैदान में, पहली बार अब्दुल्ला परिवार को कोई सदस्य मैदान में नहीं
- पिछले चुनाव में 14 प्रतिशत हुआ था मतदान, इस बार बंपर वोटिंग की है उम्मीद

श्रीनगर: श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए सोमवार को मतदान होगा। इस सीट के लिए होने जा रहा मतदान ही कश्मीर में अन्य दो बारामुला व अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र के वोटरों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में एक प्रेरक का काम करेगा क्योंकि यही संसदीय क्षेत्र कश्मीर में चुनाव बहिष्कार की राजधानी कहा जाता रहा है।

पांच जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तृत श्रीनगर संसदीय सीट पर 24 उम्मीदवार मैदान में हैं। मुख्य मुकाबला नेशनल कान्फ्रेंस के आगा सैयद रुहुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के वहीद उर रहमान परा के बीच है, जिसे जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर त्रिकोणीय बना रहे हैं। नेशनल कान्फ्रेंस और अब्दुल्ला परिवार का गढ़ माने जाने वाले श्रीनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में वर्ष 1989 से ही मतदान में मतदाताओं की भागीदारी निराशाजनक रही है। मतदान का प्रतिशत हमेशा कम रहा है। वर्ष 2014 में में यहां लगभग 18 प्रतिशत, वर्ष 2019 में लगभग 14 प्रतिशत और वर्ष 2017 के संसदीय उपचुनाव में मात्र सात प्रतिशत ही मतदान हुआ है। मतदाताओं में अभी तक जो रुझान देखा गया है, उसके मुताबिक सोमवार यहां बीते तीन दशकों में अब तक का सबसे ज्यादा मतदान होने की उम्मीद है। खास बात यह कि बीते 28 वर्ष में पहली बार यहां अब्दुल्ला परिवार को कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ रहा है बल्कि एक शिया नेता आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी चुनाव मैदान में हैं। सुन्नी बहुल इलाके में एक शिया उम्मीदवार को मैदान में उतार नेकां ने सभी को हैरान किया है। वह भाजपा की नीतियों और अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर काफी मुखर हैं। उनके मुकाबले में पीडीपी के वहीद उर रहमान परा हैं जो टेरर फंडिंग के आरोपों में घिरे हैं और इन दिनो जमानत पर रिहा हैं।

श्रीनगर सीट पर सबसे अधिक कश्मीरी हिंदू मतदाता, पर अपना कोई प्रत्याशी नहीं

जागरण संवाददाता, जम्मू

- 52 हजार से अधिक हैं कश्मीरी हिंदू मतदाता, 2019 में फारूक मात्र एक लाख वोट लेकर जीत गए थे
- मतदान के लिए जम्मू, ऊधमपुर और दिल्ली में विशेष केंद्र बने गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ होंगे प्रस्तावक

मतदान के एक दिन पहले कश्मीर के श्रीनगर में वितरण के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन और अन्य चुनाव सामग्री को ले जाते हुए कर्मचारी। एपी

कश्मीर संभाग में सबसे अधिक कश्मीरी हिंदू मतदाता श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में हैं, लेकिन समुदाय का अपना कोई प्रत्याशी मैदान में नहीं है। जबकि साढ़े तीन दशक से कश्मीरी हिंदू विस्थापन का दंश झेल देश के कई हिस्सों में रह रहे हैं। श्रीनगर में कुल 52100 कश्मीरी हिंदू मतदाता हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि 2019 में नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला इस सीट पर मात्र एक लाख वोट लेकर सांसद बन गए थे। विस्थापित कश्मीरी हिंदू संगठनों का मानना है कि यदि समुदाय के सभी लोग एकजुट होकर श्रीनगर सीट पर अपना प्रत्याशी उतारें तो जीत मुश्किल भी नहीं है। वहीं 13 मई को श्रीनगर सीट पर होने वाले चुनाव में 16 निर्दलीयों समेत 24 उम्मीदवार मैदान में हैं। वर्ष 1990 में जब हालात बिगड़े तो कश्मीरी हिंदुओं को कश्मीर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। श्रीनगर जिले में 52100 कश्मीरी हिंदू मतदाताओं में से 23904 हब्बाकदल क्षेत्र से हैं। विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं ने कहा कि भाजपा द्वारा कश्मीर की तीनों सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारना अजीब है।

सामान्य से कम तापमान रहने की संभावना

प्रथम पृष्ठ से आगे

मौसम विभाग ने 13 मई को बेहतर मौसम रहने की उम्मीद जताई है। साथ ही तापमान के भी सामान्य से दो डिग्री कम रहने का अनुमान जताया है। चुनाव आयोग का मानना है कि अच्छा मौसम रहने पर लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान के लिए घरों से निकलेंगे और लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा लेंगे। पहले तीन चरणों में मतदान प्रतिशत क्रमशः 66.14, 66.71 और 65.68 प्रतिशत रहा है। चुनाव आयोग का मानना है कि 2019 के संसदीय चुनावों की तुलना में पिछले तीन चरणों में कम मतदान का एक कारण हीटवेव की स्थिति है।

प्रमुख चेहरे कहां से मैदान में और कौन उनका प्रतिद्वंद्वी

- अखिलेश यादव (सपा मुखिया व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री)- कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने उनके सामने मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक को फिर मैदान में उतारा है।
- गिरिराज सिंह (केंद्रीय मंत्री)- बिहार के बेगुसराय से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने आइएनडीआइए की तरफ से भाकपा के अवधेश कुमार राय मैदान में हैं।
- अर्जुन मुंडा (केंद्रीय मंत्री और पूर्व सीएम)-झारखंड की खूंटी सीट से भाजपा उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने उनके मुकाबले कालीचरण मुंडा को मैदान में उतारा है।
- अधीर रंजन चौधरी - बहरामपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस की तरफ मैदान में हैं। टीएमसी ने इसके सामने क्रिकेटर युसूफ पठान को तो भाजपा ने निर्मल कुमार को मैदान में उतारा है।
- शत्रुघ्न सिन्हा (अभिनेता)- बंगाल के आसनसोल से टीएमसी के उम्मीदवार हैं। भाजपा ने यहां से एसएस अहलूवालिया को मैदान में उतारा है।
- असदुद्दीन ओवैसी (एआइएमआइएम प्रमुख) - हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। भाजपा ने यहां से माधवी लता को उम्मीदवार बनाया है।

56 इंच के सीने में बहस का निमंत्रण स्वीकार करने का साहस नहीं : जयराम

कटाक्ष ▶ कांग्रेस महासचिव ने मोदी पर कसा तंज, साक्षात्कारों को प्रायोजित बताया

- जस्टिस मदन लोकुर, जस्टिस अजीत शाह और एन राम ने मोदी और राहुल को बहस के लिए किया था आमंत्रित

जयराम रमेश। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र: कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राहुल गांधी के साथ बहस का निमंत्रण स्वीकार करने की अभी तक हिम्मत नहीं जुटा सके हैं। 56 इंच का सीना सार्वजनिक बहस का निमंत्रण स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा पाया है।न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मदन बी लोकुर, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अजीत पी शाह और एन राम ने पिछले सप्ताह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव के प्रमुख मुद्दों पर बहस के लिए एक मंच पर आमंत्रित किया था। राहुल गांधी ने शनिवार को मोदी के साथ बहस का निमंत्रण स्वीकार कर लिया और यह भी कहा कि देश को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इसमें भाग लेंगे।

जयराम ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री से बहस का निमंत्रण स्वीकार करते हुए राहुल गांधी द्वारा पत्र लिखे एक दिन बीत चुका है। तथाकथित 56 इंच के सीने ने अभी तक निमंत्रण स्वीकार करने की हिम्मत नहीं जुटाई। जयराम ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए जा रहे साक्षात्कारों को भी प्रायोजित बताया। कहा कि उनके द्वारा अखबारों और टीवी चैनलों को दिए जा रहे साक्षात्कार सुनियोजित हैं।

जयराम ने कहा, प्रधानमंत्री के अखबारों और टीवी चैनलों को दिए गए साक्षात्कार पूरी तरह से सफेद झूठ हैं, जिनका सामना इन दिनों हमारे देश को करना पड़ रहा है। हर छोटे से छोटे विवरण को प्रधानमंत्री द्वारा व्यवस्थित और प्रबंधित किया जाता है। उनके झूठ और नाटकीयता को छोड़कर उनके साक्षात्कार में कोई भी चीज स्वाभाविक या सहज नहीं है।

स्मृति ने पूछा, क्या राहुल पीएम पद के उम्मीदवार हैं

स्मृति इरानी। फाइल

राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी के साथ बहस का आमंत्रण स्वीकार किए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कांग्रेस नेता पर सवाल उठाया है। उन्होंने पीएम मोदी जैसे स्तर के व्यक्ति के साथ बहस करने की राहुल गांधी की योग्यता पर सवाल किया है। अमेठी से भाजपा की उम्मीदवार स्मृति इरानी ने कहा, जिस व्यक्ति में अपने तथाकथित किले में एक सामान्य भाजपा कार्यकर्ता के खिलाफ चुनाव लड़ने का साहस नहीं है, उसे शेखी बघारने से बचना चाहिए। दूसरी बात, जो व्यक्ति पीएम मोदी के साथ बैठकर बहस करना चाहता है, मैं उससे पूछना चाहती हूं कि क्या वह इंडी गठबंधन का पीएम पद का उम्मीदवार है?

2025 तक इंतजार नहीं, मोदी जून में पीएम नहीं रहेंगे : शशि थरूर

मुंबई, प्रेट्र: वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आयु पर दिए बयान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि देश को सितंबर, 2025 तक इंतजार करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। चार जून के बाद नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। थरूर ने यह भी कहा कि अगर विचारधारा एक है तो छोटे दलों को क्षमतावान कांग्रेस पार्टी में विलय कर लेना चाहिए। थरूर ने रविवार को अरविंद केजरीवाल की टिप्पणी पर कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जून में केंद्र में एक नई सरकार का गठन होगा। इसलिए सितंबर, 2025 तक इंतजार करने की कोई जरूरत नहीं होगी। रुअनंतपुरम से सांसद थरूर ने मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने संवैधानिक पदों का स्तर गिरा दिया है और उनकी ओर से इस्तेमाल की गई भाषा देश के लिए अच्छी नहीं है।

मोदी को तीसरा कार्यकाल मिला तो दलित, आदिवासी फिर से बन जाएंगे गुलाम : खरगे

- कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर झूठ फैलाने का लगाया आरोप
- कहा, कालाधन वापस लाने और नौकरियां देने के वादे को नहीं किया पूरा

मल्लिकार्जुन खरगे। फाइल

धुले, (महाराष्ट्र), प्रेट्र: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यदि तीसरा कार्यकाल मिल जाएगा तो गरीबों, दलितों और आदिवासियों के साथ गुलामों की तरह व्यवहार होगा। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले गरीबों, दलितों और आदिवासियों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार किया जाता था। यदि आप मोदी और शाह को तीसरा कार्यकाल देंगे तो वही स्थिति दोहराई जाएगी। हम फिर से गुलाम बन जाएंगे। महाराष्ट्र के धुले निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र और संविधान को बचाने की अपील की।

खरगे ने कहा कि आपको अपने लिए और अपने लोगों के लिए वोट करना होगा। हमें संविधान बचाना है। यह चुनाव देश के भविष्य को आकार देगा। यदि कोई संविधान नहीं होगा, तो आपको बचाने वाला कोई नहीं होगा। दावा किया कि राष्ट्रीय स्यंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 2015 में कहा था कि संविधान को बदला जाना चाहिए। बाद में भाजपा के कई नेताओं ने भी इसी तरह के बयान दिये। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। कहा कि मोदी ने सीना ठोक कर कहा था कि विदेश से कालाधन वापस लाएंगे, लेकिन उन्होंने अपना यह वादा पूरा नहीं किया। पीएम मोदी ने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का दावा किया था, लेकिन उनसे यह भी नहीं हो पाया। किसानों की आय बढ़ाने के बजाय उनकी गलत नीतियों के चलते किसानों की उत्पादन लागत बढ़ गई। इसलिए, मोदी को सत्ता से हटाया जाना चाहिए।

कांग्रेस का दावा, बिहार में की गई खरगे के हेलीकाप्टर की जांच

प्रथम पृष्ठ से आगे

नई दिल्ली, प्रेट्र: कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हेलीकाप्टर की बिहार के समस्तीपुर जिले में जांच की गई है। पार्टी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन अधिकारी विपक्षी नेताओं को तो निशाना बना रहे हैं, लेकिन भाजपा-राजग के नेताओं को खुलेआम घूमने की अनुमति दे रहे हैं। खरगे ने रविवार को समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। पार्टी नेता राजेश राठौर ने एक्स पर एक वीडियो संदेश में कहा कि केरल में पार्टी के नेता राहुल गांधी के हेलीकाप्टर की जांच की गई थी, अब पार्टी अध्यक्ष खरगे के हेलीकाप्टर की समस्तीपुर में जांच की गई है। पार्टी की बिहार इकाई के मुख्य प्रवक्ता राठौर ने वीडियो साझा कर यह दावा भी किया कि बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी खुद खरगे के हेलीकाप्टर की जांच की निगरानी कर रहे थे। वीडियो में हेलीकाप्टर के पास पुलिस समेत अधिकारी दिखाई दे रहे हैं। राठौर ने कहा, 'चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यह जांच रुटीन है और क्या राजग के शीर्ष नेताओं की भी इसी तरह जांच की गई थी। आयोग को ऐसे सभी रिकार्ड सार्वजनिक करने चाहिए, अन्यथा यह माना जाएगा कि वह सिर्फ विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहा है।'

चुनावी हलचल

बिट्टू को समय पर एनओसी न देने पर स्थानीय निकाय से मांगी रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

रवनीत सिंह बिट्टू फाइल

लुधियाना से भाजपा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू से नामांकन के अंतिम समय में सरकारी आवास का 1.82 करोड़ रुपये किराया वसूलने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बिट्टू की शिकायत पर मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) सिबिन सी ने स्थानीय निकाय विभाग के प्रमुख सचिव से रिपोर्ट तलब की है।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र रवनीत बिट्टू ने शिकायत में कहा था कि नगर निगम कमिश्नर ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार उनको एनओसी जारी नहीं किया। उन्होंने गत एक मई को इसके लिए आवेदन किया था। नियमानुसार, 48 घंटे में इसे जारी किया जाना होता है, लेकिन लुधियाना के म्यूनिसिपल कमिश्नर ने नौ मई तक एनओसी जारी नहीं किया। यही नहीं, नौ मई की रात को उन्हें मेल और मैसेज कर सरकारी कोठी का 1.82 करोड़ रुपये किराया जमा कराने को कहा गया, जबकि 10 मई की सुबह उन्हें नामांकन करना था। किराये का पैसा जुटाने के लिए अपनी जमीन और गहने तक गिरवी रखने पड़े। 2014 में कांग्रेस से सांसद बने बिट्टू को 2016 में निगम की कोठी अलाट की गई थी।

बाहुबली अशोक महतो के बयान के बाद सियासत गर्म, वीडियो प्रसारित

जासं, लखीसराय

अशोक महतो। फाइल

आइएनडीआइए से राजद की प्रत्याशी कुमारी अनीता के पति बाहुबली अशोक महतो के एक बयान के बाद बिहार के मुंगेर संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक तापमान गर्म हो गया है। उनका एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। कई डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से अशोक महतो ने आरोप लगाया है कि जेल से बाहर आने के बाद मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह उनके समर्थकों को धमका रहे हैं। पुलिस भी दोरंगी नीति कर रही है। यदि कुछ होता है तो वे आग लगा देंगे। वह फौलाद हैं, सरकारी गुंडागर्दी नहीं चलेगी। हालांकि प्रसारित वीडियो की पुष्टि दैनिक जागरण नहीं करता है। इस तरह के बयान आने पर प्रशासन भी चौकस हो गया है। लखीसराय के एसपी पंकज कुमार का कहना है कि चुनाव के दिन किसी भी बूथ पर यदि कोई उपद्रव या भड़काऊ बयान देने जैसी सूचना भी मिलती है तो उसे सीधे जेल भेजा जाएगा चाहे कोई भी हो। उधर स्थानीय विधायक सह राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बाहुबली अशोक महतो के बयान को हताशा और लोगों के लिए डरावना बताया है। उन्होंने कहा अब जंगलराज नहीं है। मोदी और नीतीश के राज में दादागिरी नहीं चलने वाली है। मतदाता निर्भीक होकर लोकतंत्र के महापर्व में वोट करेंगे। वहीं पूर्व विधायक अनंत सिंह ने कहा कि हार से पहले इस तरह का बयान देने का कोई मतलब नहीं है। यह सुशासन है जंगलराज नहीं। मालूम हो कि शनिवार की रात लखीसराय की पुलिस के कई होटलों में छापेमारी के दौरान राजद नेता प्रेम सागर के होटल से 15 संदिग्धों को गिरफ्तार कर केस दर्ज करते हुए उसे जेल भेजा था। इस दौरान एक लाइसेंसी मोडिफाई रायफल, 33 कारतूस और आठ खोखा भी बरामद किया गया।

तृणमूल ने महिला आयोग की चेयरपर्सन की चुनाव आयोग से की शिकायत

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन रेखा शर्मा पर संदेशखाली की महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र रचने, डराने-धमकाने व जालसाजी करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से शिकायत की है। तृणमूल ने प्रमाण के तौर पर संदेशखाली की एक महिला के साक्षात्कार के वीडियो का लिंक साझा किया है। दैनिक जागरण ने इस वीडियो की सत्यता की जांच नहीं की है। वीडियो में संदेशखाली की एक महिला कहती दिख रही हैं कि रेखा शर्मा व स्थानीय भाजपा नेत्री पियाली दास ने उनसे कोरे कागज पर हस्ताक्षर करवाए। बाद में जब पुलिस की ओर से उन्हें समन जारी हुआ तो पता चला कि उन्हें बिना बताए व उनकी सहमति के बगैर उनके हस्ताक्षर का दुष्कर्म की झूठी शिकायत दर्ज कराने में इस्तेमाल किया गया। जब उन्होंने शिकायत वापस लेने का प्रयास किया तो पियाली दास व अन्य स्थानीय भाजपा नेताओं द्वारा उन्हें डराया-धमकाया गया। तृणमूल ने शिकायत में कहा कि यह न सिर्फ कानून का उल्लंघन व सत्ता का दुरुपयोग है बल्कि आपराधिक षड्यंत्र रचने, डराने-धमकाने, जालसाजी व धोखाधड़ी का भी मामला है।

संदेशखाली को लेकर झूठ फैला रहे पीएम मोदी : ममता

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

ममता बनर्जी। फाइल

बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संदेशखाली को लेकर झूठ फैला रहे हैं। राजभवन में छेड़खानी का मामला सामने आने के बाद महिलाएं वहां जाने से डर रही हैं, क्योंकि वहां प्रधानमंत्री के एक 'लाट साहब' प्रतिनिधि बैठे हुए हैं। प्रधानमंत्री उन्हें (राज्यपाल) इस्तीफा देने के लिए कहने के बजाय संदेशखाली को लेकर गलत बयान दे रहे हैं। वे संदेशखाली की महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। उन्हें पैसे देकर दुष्कर्म के फर्जी मामले दर्ज कराने के लिए कहा जा रहा है। रविवार को आमडांगा व आमता में जनसभाओं को संबोधित करते हुए ममता ने आगे कहा-'प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि मतुआओं को नागरिकता के लिए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत आवेदन करना होगा।

'कांग्रेस ने असम को चीन को दिया था'

संवाद सहयोगी, जागरण • कुल्लू

- कहा, इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई और तानाशाही फैलाई
- राहुल गांधी कार्टून कैरेक्टर, जिन्हें हर साल लांच किया जाता है

सैंज में संबोधित करती कंगना रनौत। जागरण

मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने कहा कि कांग्रेस ने देश का विभाजन कर टुकडे टुकडे कर दिए। कांग्रेस के फैलाए भ्रष्टाचार और बदहाली को साफ करने का कार्य करते-करते हम 2024 तक पहुंच गए हैं। रविवार को कुल्लू जिला के सैंज में सभा में कंगना ने कहा कि कश्मीर में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अनुच्छेद 370 लगा दिया था और असम को भी चीन को दे दिया था। इसकी रेडियो पर घोषणा तक कर दी थी। हैदराबाद भी पाकिस्तान का हिस्सा बताया था लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसे रोक दिया। सरदार पटेल की तुलना कंगना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की।

कंगना ने कहा कि नेहरू पहले प्रधानमंत्री बन गए क्योंकि उनके पिता भी अंबानी की तरह अमीर थे। उनके बाद इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगा दी और तानाशाही फैलाई। इसके बाद राजीव गांधी व उनकी इटालियन पत्नी आई, जिन्हें हिंदी का एक शब्द तक नहीं आता है। सही बात में अगर आजादी मिली तो वर्ष 2014 में मिली क्योंकि उस समय से सनातन, विचारों, हिंदू राष्ट्र व आत्मसम्मान की हमें आजादी मिली है। भाजपा प्रत्याशी कंगना ने कहा कि राहुल गांधी कार्टून कैरेक्टर हैं। हर साल उन्हें लांच किया जाता है। कभी कहते हैं मुझे न्याय चाहिए। कांग्रेस ने 60 साल तक शासन किया तो फिर न्याय किससे चाहिए। ऐसे व्यक्ति के हाथ में देश का भविष्य नहीं दिया जा सकता है। कंगना के भाषण के दौरान बिजली चली गई लेकिन वह बोलती रहीं। बाद में उन्होंने कहा कि यह भी एक षड्यंत्र है।

मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो काले दिन देखने पड़ेंगे : उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे। फाइल

मुंबई, प्रेट्र: शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि यदि मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो देश को काले दिन देखने पड़ेंगे। अपनी पार्टी के मुखपत्र सामना को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि देश के लोग अपने नेताओं के भविष्य का फैसला करेंगे। उन्होंने दावा किया कि यदि वर्तमान सरकार को हराया जाता है तो देश का भविष्य शांतिपूर्ण होगा और लोकतंत्र फलेगा-फूलेगा नहीं तो देश को काले दिन देखने पड़ेंगे। अच्छे दिन कभी नहीं आए, लेकिन काले दिन आ जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचारियों का संरक्षण ही मोदी की गारंटी है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, शिवसेना और पूरा देश भ्रष्ट लोगों से मुक्त हो गया है, क्योंकि भाजपा ने भ्रष्ट नेताओं को पार्टी में शामिल कर सुरक्षा का आश्वासन दिया है।

मतदान केंद्र में नाबालिग को ले जाने के मामले में पूर्व मंत्री पटेल पर एफआइआर

नईदुनिया, हरदा

- मतदान कक्ष के अंदर वीडियोग्राफी करने वाले तीन अन्य पर भी केस
- पीठासीन अधिकारी निलंबित, सेक्टर व पुलिस अधिकारी पर भी होगी कार्रवाई

मतदान के दिनका फोटो जिसमें कमल पटेल वोट डालते दिख रहे हैं और उनके पैर के पास बालक के पैर नजर आ रहे हैं। इंटरनेट मीडिया

मप्र में बैतूल लोकसभा क्षेत्र के लिए सात मई को मतदान के दिन शासकीय पालीटेक्निक कालेज स्थित मतदान केंद्र (क्रमांक 107) में वोट डालने के दौरान नाबालिग बच्चे को साथ ले जाने के मामले में पूर्व मंत्री कमल पटेल पर एफआइआर दर्ज की गई है। मतदान कक्ष के अंदर वीडियोग्राफी करने वाले तीन अन्य लोगों पर भी एफआइआर दर्ज की गई है। इस मामले में पीठासीन अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है तथा सेक्टर अधिकारी व पुलिस अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। मतदान केंद्र के अंदर का फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामले ने तूल पकड़ा। शुक्रवार को कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग में शिकायत कर पूर्व मंत्री पटेल सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की थी। बता दें कि सभी पर एफआइआर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रविधानों का उल्लंघन करने पर की गई है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी हरदा कुमार सानू देवड़िया ने बताया कि पीठासीन अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है।

लोस चुनाव के पांचवें चरण में 12 प्रतिशत से भी कम महिला उम्मीदवार : एडीआर

नई दिल्ली, प्रेट्र: लोकसभा चुनावों के पांचवें चरण में 12 प्रतिशत से भी कम महिला उम्मीदवार हैं। यह जानकारी एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स या एडीआर ने विश्लेषण के आधार पर दी है। एडीआर ने कहा कि 20 मई को होने वाले पांचवें चरण के मतदान के लिए चुनाव मैदान के कुल 695 उम्मीदवारों में से केवल 82 महिलाएं हैं। 695 उम्मीदवारों में से लगभग 18 प्रतिशत (122 उम्मीदवार) पर गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं। इनमें हत्या, हत्या की कोशिश, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले हैं। भाजपा के 40 में से 12, कांग्रेस के 18 में से सात, एआइएमआइएम के चार में से दो, सपा के 10 में से चार, तृणमूल के सात में से दो उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 33 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति 3.56 करोड़ रुपये है। 50 प्रतिशत उम्मीदवारों ने स्नातक या उससे अधिक की योग्यता है। पांच उम्मीदवार निरक्षर हैं।

****

380 उड़ानों का प्रतिदिन संचालन करती है टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी एअर इंडिया एक्सप्रेस। केबिन क्रू के साथ समझौते के बाद भी रविवार को उसे 20 और उड़ानों को रद करना पड़ा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 13 मई, 2024

बदरीनाथ धाम के कपाट खुले, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी

जागरण संवाददाता, बदरीनाथ

- पूर्ण स्वरूप में आ गई चारधाम यात्रा, पहली पूजा पीएम के नाम की हुई
- पहले दिन 20 हजार से अधिक भक्तों ने की पूजा-अर्चना
- भविष्य बदरी और बंशी नारायण मंदिर के कपाट भी खुले

श्रद्धालुओं के भारी उत्साह और भगवान नारायण के जयकारों के बीच रविवार को बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए। इसी के साथ हिमालयी चारधाम यात्रा पूर्ण स्वरूप में आ गई। तीन अन्य धामों- गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ के कपाट 10 मई को खोले जा चुके हैं। कपाट खुलने पर बदरीनाथ धाम में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम की हुई। पहले दिन 20 हजार से अधिक भक्तों ने पूजा-अर्चना की। परंपरा के अनुसार, जोशीमठ से 25 किमी दूर सुभांई गांव (तपोवन) में स्थित भविष्य बदरी धाम और उर्गम घाटी में स्थित बंशी नारायण के कपाट भी बदरीनाथ धाम के साथ खोल दिए गए।

हल्की वर्षा के बीच आर्मी बैंड, पीआरडी के ढोल-नगाड़ों की धुन और भोटिया जनजाति व बामणी गांव की महिलाओं के पारंपरिक संगीत के बीच बदरीनाथ धाम के कपाट सुबह छह बजे खोले गए। कपाट खुलने की प्रक्रिया मंदिर के मुख्य पुजारी रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, वेदपाठी, हक हकूकधारी, मंदिर समिति के पदाधिकारी और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में सुबह चार बजे शुरू हो गई थी। सबसे पहले मंदिर में देवताओं के खजांची कुबेरजी, भगवान नारायण के सखा उद्धवजी और गाडू घड़ा को मंदिर में प्रवेश कराया गया। गर्भगृह के कपाट खोलते ही अखंड ज्योति के दर्शन के बाद महालक्ष्मी को उनके मंदिर में विराजमान किया गया। साथ ही, कुबेरजी और उद्धवजी को यथास्थान विराजित किया गया। अभिषेक के बाद भगवान को बाल भोग और खीर भोग अर्पित किया गया। दोपहर 12 बजे भगवान बदरी विशाल को प्रत्येक दिन लगने वाला राजभोग दाल और चावल के रूप में अर्पित किया गया और फिर उसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को दिया गया। कपाटोद्घाटन का साक्षी बनने के लिए शनिवार शाम ही पांच हजार से अधिक तीर्थयात्री धाम पहुंच गए थे। इसके अलावा 15 हजार से अधिक तीर्थयात्री विभिन्न पड़ावों पर मौजूद थे, जो सुबह होते ही धाम के लिए चल पड़े। कपाट खुलते ही बदरीशपुरी नारायण के जयकारों से गूंज उठी।

श्रद्धालुओं के भारी उत्साह और भगवान नारायण के जयकारों के बीच रविवार की सुबह बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूर्ण स्वरूप में आ गई। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने पर मंदिर परिसर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। जागरण

बड़कोट से जानकीचट्टी के बीच 24 घंटे जाम में फंसे रहे हजारों श्रद्धालु

शैलेंद्र गोदियाल ● जागरण

- यमुनोत्री और गंगोत्री जा रहे तीर्थयात्रियों को पूरी रात वाहनों में या खुले आसमान के नीचे गुजारनी पड़ी

उत्तरकाशी : यमुनोत्री और गंगोत्री धाम की यात्रा व्यवस्था कपाट खुलने के तीसरे दिन भी पटरी पर नहीं आ सकी। दोनों धाम जाने वाले नौ हजार से अधिक श्रद्धालु उत्तरकाशी में बड़कोट से जानकीचट्टी के बीच 55 किमी लंबे मार्ग पर 24 घंटे तक जाम में फंसे रहे। श्रद्धालुओं को पूरी रात अपने वाहनों में या खुले आसमान के नीचे गुजारनी पड़ी। अधिकांश श्रद्धालुओं के पास भूख मिटाने के लिए बिस्किट और पानी को छोड़कर कोई अन्य विकल्प नहीं था। इस अव्यवस्था का असर रविवार को देहरादून से लेकर मसूरी, ऋषिकेश और हरिद्वार तक दिखा। इस बीच जाम की स्थिति को देखते हुए सुबह प्रशासन की तरफ से श्रद्धालुओं से यात्रा स्थगित करने की अपील की गई। विभिन्न स्थानों और पड़ावों पर श्रद्धालुओं को रोक दिया गया, इसको लेकर उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई।

प्रशासन का अधूरा होमवर्क बना है मुसीबत : उत्तरकाशी में चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले किया गया प्रशासन का आधा-अधूरा होमवर्क तीर्थ यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया है। न तो धामों को जाने वाले राजमार्गों का चौड़ीकरण कराया गया और न यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग ही दुरुस्त है। पार्किंग सहित अन्य संसाधनों को भी आवश्यकता अनुरूप विकसित नहीं किया गया। पुलिस कर्मी पूरी रात जाम खुलवाने में जुटे रहे। हालात नहीं संभले तो रविवार सुबह पुलिस ने तीर्थ यात्रियों से यात्रा एक दिन के लिए स्थगित रखने की अपील की।

अव्यवस्था से तीर्थ यात्रियों में आक्रोश : आकोला (मध्य प्रदेश) से यमुनोत्री धाम आए तीर्थयात्री विशाल ने बताया कि शनिवार रात से परेशान हूं। रात को सड़क पर ही सोना पड़ा। बड़कोट से पालीगाड़ के बीच यातायात पूरी तरह से जाम है। न तो पीने के लिए पानी है और न आसपास कोई दुकान ही।

सचिवों के 10 समूह बना रहे नई सरकार के लिए 100 दिन का एजेंडा

नई दिल्ली, एएनआइ: देश के विभिन्न हिस्सों में भले ही लोकसभा के लिए मतदान जारी है, पर सचिवों के 10 अलग-अलग समूह चार जून के बाद गठित होने वाली नई सरकार के लिए 100 दिवसीय एजेंडे को अंतिम रूप देने का काम कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि नरेन्द्र मोदी सरकार के सचिवों के 10 अलग-अलग क्षेत्रीय समूह महत्वपूर्ण निर्णयों व परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिन्हें सरकार गठन के बाद होने वाली मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में अंतिम रूप दिया जाना है।

उन्होंने कहा, 'सरकार के एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए सचिवों के समूहों की बैठक हो रही है, जिनमें कृषि, वित्त, विदेश व रक्षा जैसे मंत्रालय शामिल हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसा जताया है कि वह तीसरी बार सरकार बनाएंगे और देश व जनता के कल्याण के लिए बड़े फैसले लेंगे। सूत्रों ने कहा कि इन समूहों में शामिल मंत्रालयों और सचिवों ने सरकार के एजेंडे के लिए बाहरी और आंतरिक दोनों कार्य योजनाओं के लिए अलग-अलग इनपुट दिए हैं।

'चीन से सामान्य संबंध शांति पर निर्भर'

जयशंकर बोले ▶ उम्मीद है पूर्वी लद्दाख सीमा पर चीन के साथ शेष मुद्दों का जल्द होगा समाधान

अतीत में विनिर्माण क्षेत्र की उपेक्षा ने समस्याएं पैदा कीं, मोदी सरकार दे रही बढ़ावा

- पश्चिम एशिया की स्थिति के मद्देनजर आइएमईसी के क्रियान्वयन में देरी पर जताई चिंता
- यह है एक बड़ी पहल, इसलिए आइएमईसी के सभी पक्षकार जहाज से लेकर रेल पारगमन नेटवर्क के लिए हैं प्रतिबद्ध

नई दिल्ली में साक्षात्कार के दौरान प्रश्नों के उत्तर देते विदेश मंत्री एस जयशंकर (फाइल)। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के पांचवें वर्ष में प्रवेश करने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत चीन के साथ शेष मुद्दों के समाधान की उम्मीद करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की वापसी सीमा पर शांति पर निर्भर करती है।

जयशंकर ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि बाकी मुद्दे मुख्य रूप से 'गश्त करने के अधिकार' और 'गश्त करने की क्षमता' से संबंधित हैं। यह पूछे जाने पर कि न्यूजवीक पत्रिका को पिछले माह दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में विवाद के समाधान की उम्मीद कब तक की जा सकती है, जयशंकर ने कहा कि उन्होंने (मोदी ने) इस मामले पर केवल एक व्यापक दृष्टिकोण साझा किया है। हमें उम्मीद है कि बचे हुए मुद्दों का समाधान हो जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं इसे प्रधानमंत्री के साक्षात्कार से नहीं जोड़ूंगा। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री एक व्यापक दृष्टिकोण पेश कर रहे थे। उनका यह दृष्टिकोण बहुत ही उचित था, क्योंकि आखिरकार हर देश अपने पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध चाहता है। लेकिन आज चीन के साथ हमारे रिश्ते सामान्य नहीं हैं, क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में शांति भंग हो गई है। इसलिए वह (प्रधानमंत्री) उम्मीद जता रहे थे कि चीनी पक्ष को यह अहसास होना चाहिए कि मौजूदा स्थिति उसके भी हित में नहीं है।

उल्लेखनीय है कि न्यूजवीक को दिए साक्षात्कार में मोदी ने कहा था कि सीमा की स्थिति का तत्काल समाधान किए जाने की जरूरत है। भारत तथा चीन के बीच स्थिर एवं शांतिपूर्ण संबंध न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बताते चलें, भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच मई 2020 से गतिरोध चल रहा है और अभी तक सीमा विवाद का पूर्ण समाधान नहीं हो पाया है। हालांकि, दोनों पक्ष टकराव के कई स्थानों से पीछे हटे हैं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति महत्वपूर्ण है।

जयशंकर ने कहा कि भारत के घरेलू विनिर्माण और समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने से आर्थिक मोर्चे पर चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने और वैश्विक स्तर पर देश के प्रभाव का विस्तार करने के मद्देनजर विदेश नीति और अधिक मजबूत होगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत पिछले 10 वर्षों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, क्योंकि 2014 से पहले इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई थी और इसने देश के लिए कई समस्याएं पैदा कीं।

उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में विनिर्माण क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिए जाने की वजह से भारत-चीन व्यापार में बढ़ोतरी हुई। विदेश मंत्री ने कहा, हमें खुद पर भरोसा करने की जरूरत है। मेरा रुख स्पष्ट है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में प्रतिस्पर्धा है। हमारा चीन जैसा पड़ोसी है और हमें प्रतिस्पर्धा करना सीखना होगा। जयशंकर से पूछा गया था कि चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार क्यों बढ़ रहा है, जबकि नई दिल्ली इस बात पर जोर दे रही है कि सीमा पर स्थिति असामान्य होने पर संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

जयशंकर ने दावा किया कि ऐसा परिदृश्य इसलिए उत्पन्न हुआ है, क्योंकि 2014 से पहले विनिर्माण क्षेत्र पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आइएमईसी) के क्रियान्वयन में देरी चिंता का विषय है और पिछले साल सितंबर में यह पहल शुरू होने के बाद से पैदा हुई उम्मीद पर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आइएमईसी के सभी पक्षकार जहाज से लेकर रेल पारगमन नेटवर्क के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि वे इसे बड़ी पहल मानते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या पश्चिम एशिया में जारी संकट से इस परियोजना में कुछ वर्षों की देरी हो सकती है, उन्होंने कहा- यह निश्चित तौर पर हमारे लिए चिंता का विषय है। सितंबर में जब समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे तो उस समय जिस तरह की उम्मीद थी, उस पर अब आगे बढ़ना होगा।

सभी सीएपीएफ अपनाएं 'सीमा की बाड़ पर मधुमक्खी के छत्ते' का माडल

- गृह सचिव अजय भल्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिए गए निर्देश
- बंगाल के नादिया में एक बीएसएफ यूनिट ने लागू किया है यह माडल

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को बंगाल में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक यूनिट द्वारा शुरू की गई 'सीमा की बाड़ पर मधुमक्खी के छत्ते लगाने' की पहल अपनाने का निर्देश दिया है। बीएसएफ की यूनिट ने यह पहल स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और सुरक्षा मजबूत करने के लिए उनके साथ सद्भाव स्थापित करने के लिए की है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि 'वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन' पर अप्रैल में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला की अध्यक्षता में नार्थ ब्लाक स्थित उनके कार्यालय में हुई बैठक में ये निर्देश दिए गए। एक वरिष्ठ सीएपीएफ अधिकारी ने बताया कि बैठक में बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ की 32वीं बटालियन द्वारा तैयार व क्रियान्वित माडल की सराहना की गई और सभी सीएपीएफ को उनके दायित्व वाले क्षेत्र में इसे अपनाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि सशस्त्र सीमा बल (नेपाल व भूटान सीमा) व भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा) जैसे सीमा की सुरक्षा करने वाले अन्य बलों- केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) व केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) जैसे सीएपीएफ और असम राइफल्स, नेशनल सिक्यूरिटी गार्ड व राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) जैसे अन्य बल अपने दायित्वों की प्रकृति के अनुसार इस माडल का इस्तेमाल कर सकते हैं। बीएसएफ के इस माडल को अपनाने का मकसद दूरस्थ स्थानों पर रोजगार पैदा करना और स्थानीय लोगों में दोस्त और साख बनाना है, क्योंकि यही लोग सुरक्षा के दृष्टिकोण से इन इलाकों में 'आंख और कान' का काम करते हैं।

अजय भल्ला। जागरण आकाईव

यह है पहल

नादिया में बीएसएफ की यूनिट ने पिछले वर्ष नवंबर में यह पहल की थी और अब तक बाड़ पर लगभग 200 मधुमक्खी के छत्ते स्थापित किए हैं। इन्हें लगाने का उद्देश्य पशु, स्वर्ण एवं नशीले पदार्थों की तस्करी और बाड़ को काटने की घटनाएं रोकना भी है। इस बटालियन के कमांडिंग आफिसर कमांडेंट सुजीत कुमार ने पूर्व में बताया था कि 'बाड़ पर मधुमक्खी के छत्ते' पहल का उद्देश्य स्थानीय लोगों को बिक्री के लिए शहद उत्पादन में लगाना, मधुमक्खियों के लिए फूल व फल देने वाले पौधे लगाना और जल भंडारण के लिए इस क्षेत्र में बनाई जा रही खाइयों के जरिये मछली पालन शामिल है। एक सीएपीएफ अधिकारी ने बताया कि उक्त माडल लांच होने के बाद से नादिया के सीमावर्ती इलाके में बीएसएफ कर्मियों, आयुष मंत्रालय और सैकड़ों स्थानीय लोगों की भागीदारी से एक लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश से लगते सीमावर्ती क्षेत्र में तस्करी एक बड़ी समस्या है और कई बार तस्करों से सुरक्षा बलों की मुठभेड़ भी होती है।

गिरफ्तारी के खिलाफ हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई आज

- झारखंड हाई कोर्ट के तीन मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी है चुनौती

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट सोमवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगा। सोरेन ने भूमि घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती दी है। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की खंडपीठ सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगी। गत तीन मई को झारखंड हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी अर्जी खारिज कर दी थी। गत 31 जनवरी को झारखंड के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद ईडी ने सोरेन को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में वह रांची में बिरसा मुंड केंद्रीय जेल में बंद हैं।

गत 10 मई को शीर्ष अदालत ने सोरेन की एक अन्य याचिका का निपटारा कर दिया था। उसमें उन्होंने ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला देने के लिए हाई कोर्ट को निर्देश देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोरेन के वकील कपिल सिब्बल से कहा था कि हाई कोर्ट तीन मई को फैसला सुना चुका है और झामुमो नेता ने पहले से ही हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दे रखी है। ऐसे में उनकी याचिका निरर्थक है। अपील में सोरेन ने कहा, हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका को निरस्त कर गलती की है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता सोरेन ने गिरफ्तारी के खिलाफ कोर्ट का फैसला आने तक लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत देने की भी मांग की थी।

हेमंत सोरेन। फाइल

सोरेन ने चुनाव प्रचार के लिए भी मांगी थी अंतरिम जमानत

हरियाणा में फ्लोर टेस्ट के लिए विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में भाजपा सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- राज्यपाल ने कांग्रेस से सभी 30 विधायकों से मांगे हस्ताक्षर
- कांग्रेस ने कहा, जजपा के साथ नहीं बनाएंगे सरकार

हरियाणा में भाजपा सरकार के अल्पमत में होने का दावा करते हुए उसे बर्खास्त करने तथा राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर कांग्रेस और जजपा बुरी तरह से फंस गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को संकेत दिए कि भाजपा सरकार लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर फ्लोर पर बहुमत साबित करने को तैयार है। इसके साथ ही, राज्यपाल ने कांग्रेस से अपने सभी 30 विधायकों के हस्ताक्षरों वाला पत्र देने को कहा है ताकि फैसला लिया जा सके कि उन्हें क्या करना है। कांग्रेस ने राजभवन से अभी इस तरह के निर्देश जारी होने की पुष्टि नहीं की है।

88 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 45 विधायकों का समर्थन हासिल होने का दावा कर रही है, जबकि जजपा व कांग्रेस अपनी पार्टी के सभी विधायकों और इनेलो के एक तथा एक निर्दलीय विधायक को जोड़ते हुए भाजपा सरकार के अल्पमत में होने का दावा कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जजपा को वैसे तो भाजपा द्वारा बहुमत साबित करने की मांग नहीं करनी चाहिए थी, लेकिन जब कर ही दी तो हम तैयार हैं। कहा कि जजपा पूरी तरह से फूट का शिकार है। उसके छह विधायक हमारे संपर्क में हैं, जो फ्लोर पर भाजपा का साथ देंगे। इसी तरह, कांग्रेस ने भी अपने साथ 30 विधायक होने का दावा किया है, जबकि उसके भी पांच-छह विधायक हमारे संपर्क में हैं, जो सरकार को अस्थिर करने के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं। मनोहर लाल ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा की ओर से राज्यपाल को दिया गया पत्र कोई अधिकृत पत्र नहीं है। उस पर हुड्डा के कार्यालय सचिव के हस्ताक्षर हैं, जिसका कोई महत्व नहीं है। हरियाणा भाजपा की चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक एवं राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने दावा किया कि प्रदेश की भाजपा सरकार को कोई संकट नहीं है। भाजपा को बहुमत के आंकड़े से ज्यादा विधायकों का समर्थन है। भाजपा की रणनीति में घिरी कांग्रेस ने कहा है कि वह जजपा के साथ मिलकर सरकार नहीं बनाएगी। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया का कहना है कि हम जजपा के साथ सरकार बनाने के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं। हमने सरकार बनाने का दावा भी पेश नहीं किया है। भाजपा सरकार अल्पमत में है और बहुमत खो चुकी है, इसलिए सरकार को बर्खास्त करते हुए राष्ट्रपति शासन लगाकर विधानसभा चुनाव कराए जाने चाहिए।

धीरे-धीरे उड़ानें बहाल कर रही एअर इंडिया एक्सप्रेस

- छुट्टी लेने वाले सभी केबिन क्रू सदस्य ड्यूटी पर लौटे
- लेकिन रविवार को रद करनी पड़ी 20 और उड़ानें
- कल तक परिचालन सामान्य होने की संभावना

मुंबई, प्रेट्र : एअर इंडिया एक्सप्रेस धीरे-धीरे अपनी उड़ानों को बहाल और नेटवर्क को सामान्य कर रही है। केबिन क्रू यूनियन ने जोर देकर कहा है कि बीमारी की सूचना देकर छुट्टी लेने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर लौट चुके हैं। यूनियन ने कहा कि हाल में शुरू किए गए कंपनी के शेड्यूलिंग साफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण अभी भी उसमें कुछ कर्मचारियों द्वारा बीमारी की सूचना दिया जाना प्रदर्शित हो रहा है।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली यह एयरलाइन प्रतिदिन लगभग 380 उड़ानों का संचालन करती है, लेकिन रविवार को उसे 20 और उड़ानों को रद करना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि उड़ानों का परिचालन मंगलवार सुबह तक पूरी तरह सामान्य होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि कथित कुप्रबंधन के विरुद्ध विरोध जताने के लिए केबिन क्रू के एक वर्ग ने गत मंगलवार रात से बीमारी की सूचना देकर छुट्टी लेना शुरू कर दिया था। इस वजह से एयरलाइन को सैकड़ों उड़ानें रद करनी पड़ीं। गुरुवार को मुख्य श्रमायुक्त द्वारा बुलाई गई सुलह बैठक के बाद एयरलाइन ने 25 केबिन क्रू के बर्खास्तगी पत्र वापस ले लिए थे और छुट्टी पर गए केबिन क्रू सदस्यों ने भी ड्यूटी पर लौटने की घोषणा कर दी थी। बैठक में केबिन क्रू का प्रतिनिधित्व एअर इंडिया एक्सप्रेस एंप्लाई यूनियन (एआइएक्सईयू) ने किया था। रविवार को जारी बयान में यूनियन ने कहा कि बीमारी की सूचना देकर छुट्टी पर गए सभी केबिन क्रू सदस्य ड्यूटी (11 मई तक) पर लौट चुके हैं।

जागरण विशेष

संस्कारयुक्त शिक्षा संग बेहतर भविष्य की नींव गढ़ रहे बीएचयू के पूर्व छात्र

लखनऊ स्थित महामना शिक्षण संस्थान में आर्थिक रूप से कमजोर मेधावियों के स्वप्न हो रहे पूरे, उच्च शिक्षा की फीस भी देता संस्थान

विवेक राव ● जागरण

लखनऊ : रायबरेली के गरीब किसान की बेटी दिव्या त्रिवेदी आज एनआइटी श्रीनगर से बीटेक कर रही है। अंबेडकरनगर की नीतू कानपुर से इंजीनियरिंग कर रहीं हैं। फतेहपुर के श्रमिक की बेटी प्रिया ने अभी जेईई मेन में 98.04 परसेंटाइल हासिल की है। सुल्तानपुर के गरीब किसान के बेटे कार्तिकेय ने जेईई मेन में 98.3 परसेंटाइल ली है। ऐसे कई मेधावी, जिनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि वह अपने बेटे और बेटियों को इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी कराने और उसमें प्रवेश दिलाने के विषय में सोच नहीं सकते थे। उनके बच्चों को मंजिल तक पहुंचाने की कोशिश लखनऊ के महामना शिक्षण संस्थान में हो रही हैं। यहां मेधावी 11वीं और 12वीं की संस्कार युक्त शिक्षा के साथ निश्शुल्क इंजीनियरिंग और मेडिकल की कोचिंग भी लेते हैं। संस्थान के बालक और बालिका प्रकल्प में देश भर के ऐसे मेधावियों सफल बनाकर मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) के कुछ पूर्व छात्र, जिसमें कई इंजीनियर, डाक्टर, प्रशासनिक अधिकारी, प्रोफेसर आदि कई प्रोफेशन से जुड़े लोगों ने महामना शिक्षण संस्थान को स्थापित कर संस्कारयुक्त शिक्षा देने और इंजीनियरिंग, मेडिकल की परीक्षाओं की निश्शुल्क तैयारी कराने की शुरुआत की है। भाऊराव देवरस सेवा न्यास से संचालित अर्जुनगंज में संस्थान के बालक प्रकल्प में छात्रों और माल एवेन्यू में बालिका प्रकल्प में छात्राओं को निश्शुल्क आवास, आइआइटी-जेईई और नीट- मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग की सुविधा दी गई है। यहां रहते हुए छात्र-छात्राएं 11वीं और 12वीं की पढ़ाई के साथ मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर रहे हैं। इन बच्चों को बीएचयू के पूर्व छात्र इंजीनियर आदित्य और विशेषज्ञ निश्शुल्क कोचिंग देते हैं।

मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करते हैं विद्यार्थी: संस्थान के सचिव रंजीव तिवारी बताते हैं कि 10वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले बच्चों को यहां प्रवेश दिया जाता है। इसके लिए उनकी एक कोर टीम भी है जो बच्चे की प्रतिभा का आकलन भी करती है, साथ ही उस परिवार की आर्थिक स्थिति भी एक टीम देखती है। जो बेहद गरीब परिवार के मेधावी बच्चों को चुनते हैं। संस्थान में निश्शुल्क कोचिंग के साथ निश्शुल्क भोजन, आवास और कंप्यूटर, इंटरनेट और कक्षा 11वीं और 12वीं की संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ निश्शुल्क कोचिंग की सुविधा है। आइआइटी, मेडिकल के पूर्व सफल विद्यार्थियों, विषय विशेषज्ञों और प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी भी बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं। मोबाइल इस्तेमाल करने पर भी रोक रहती है।

अर्जुनगंज महामना शिक्षण संस्थान के बालक प्रकल्प में अभ्यास के लिए बैठे विद्यार्थी ● जागरण

अच्छा है संस्थान की सफलता का प्रतिशत

अभी तक चार बैच यहां से निकल चुके हैं। सफलता का ग्राफ देखें तो वर्ष 2021 में सात विद्यार्थियों में पांच, वर्ष 2022 में 13 में से 10, वर्ष 2023 में 14 में से 13 और इस बार वर्ष 2024 में 18 में से 15 विद्यार्थियों ने पहले प्रयास में जेईई मेन क्वालीफाई किया। कई छात्र देश के अलग- अलग आइआइटी में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनका पूरा खर्च संस्थान के सदस्य उठाते हैं। एक अभिभावक की तरह उनके परिवार के साथ भी जुड़े हुए हैं। पिछले तीन वर्ष में संस्थान से निकले 30 से अधिक विद्यार्थी देश और प्रदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से बीटेक, एमबीबीएस की उच्च डिग्री ले रहे हैं। विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की फीस की व्यवस्था संस्थान समाज के सहयोग से करता है।

चार जून तक आवेदन

सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू है। प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन वेबसाइट www.mahamanasansthan.org पर किया जा सकता है। 10वीं 80 प्रतिशत से उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी 11वीं में प्रवेश चाहते हैं, तो यहां के लिए आवेदन कर सकते हैं। परिवार की वार्षिक आय दो लाख 50 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि चार जून, 2024 है। प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा के लिए योग्य विद्यार्थियों की सूची संस्थान की वेबसाइट पर छह जून को जारी होगी।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

झारखंड के पलामू में कबाड़ में विस्फोट से चार की मौत

जागरण संवाददाता, मेदिनीनगर (पलामू) : झारखंड के पलामू जिले में कबाड़ में विस्फोट होने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। चार अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। विस्फोट की घटना रविवार देर शाम नौडीहा गांव में इश्तियाक अंसारी के घर घटी। इश्तियाक गांव-गांव घूमकर आइसक्रीम के बदले कबाड़ की खरीद करता था। रविवार शाम वह कबाड़ की खरीदारी कर घर आया था। कबाड़ में डीजल पंप सेट का एक सेक्शन पाइप था। संभवतः उसमें बम था। उसको जैसे ही तौलने के लिए तराजू पर चढ़ाया, विस्फोट हो गया। जिसमें इश्तियाक अंसारी और तीन बच्चों की मौत हो गई। मृतक के पिता अकबर ने बताया कि इश्तियाक आइसक्रीम बेचता था। शाम को लौटने पर वह बच्चों को बची हुई आइसक्रीम देता था। इसलिए उसके आने पर बच्चे चले जाते थे।

****

मतदान बने मौलिक अधिकार

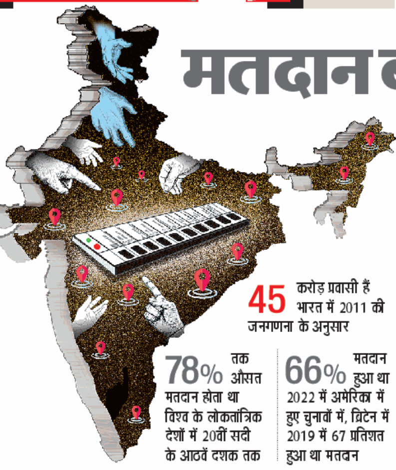

चुनाव आयोग के एक अनुमान के अनुसार पिछले लोकसभा चुनाव में 30 करोड़ ऐसे लोग मतदान नहीं कर सके, जो रोजी-रोटी के लिए अपने लोकसभा क्षेत्र से बाहर थे। भारत में कम मतदान के पीछे इसे भी एक बड़ी वजह माना जा रहा है। भारत में प्रवासियों की संख्या अमेरिका की कुल आबादी से भी अधिक है। ज्यादातर प्रवासी असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और उनकी आय भी बहुत कम है। उनके लिए अपने लोकसभा क्षेत्र पहुंच कर मतदान करना चुनौतीपूर्ण होता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के सेक्शन 19 के तहत मतदाता जिस क्षेत्र का निवासी है, वहां उसका नामांकन जरूरी है। रोजगार के लिए पलायन करने पर प्रवासी को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना होता है और अपने मूल निवास स्थान की सूची से नाम हटवाना होता। यह एक मुश्किल काम है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि चुनाव आयोग ऐसा रास्ता निकाले जिससे प्रवासी जहां रहे रहे हैं, वहीं मतदान कर सकें। ऐसे में यह पड़ताल का मुद्दा है कि क्या मतदान को मौलिक अधिकार बनाना चाहिए, इससे सरकार के लिए यह जरूरी होगा कि वह हर व्यक्ति का मतदान सुनिश्चित कराने के लिए कदम उठाए।

प्रवासियों के लिए हो रिमोट वोटिंग की व्यवस्था

डा. एके वर्मा
राजनीतिक विश्लेषक

प्रत्येक जिला-मुख्यालय या बड़े-शहर में एक मतदान केंद्र बनाया जा सकता है, जहां किसी भी राज्य का मतदाता अपने निर्वाचन-क्षेत्र के लिए तय तिथि पर मतदान कर सके। इससे प्रवासियों की समस्या का समाधान होगा और मतदान की गोपनीयता भी बनी रहेगी।

लोकसभा चुनावों में गिरते मतदान प्रतिशत से चुनाव-आयोग, मीडिया, सरकार और जनता चिंतित है। लोकतंत्र में लोगों की दिलचस्पी घट तो नहीं रही? राजनीतिक-दल इसलिए चिंतित हैं कि घटता मतदान कहीं उनको नुकसान तो नहीं पहुंचा रहा? लोकतांत्रिक देशों में घटता मतदान वैश्विक समस्या है।

सोवियत-संघ के अवसान और अफ्रीकी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अभ्युदय से विश्व में लोकतंत्रों और वयस्क-मताधिकार प्राप्त मतदाताओं की संख्या काफी बढ़ी है।'इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फार डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल एसिस्टेंस' के अनुसार ब्रूनेई, सऊदी अरब, ईरिट्रिया, वैटिकन-सिटी और चीन को छोड़ सभी देशों में राष्ट्रीय-संसद के प्रत्यक्ष-चुनाव होते हैं। विश्व के विभिन्न लोकतंत्रों में 1980 के दशक तक 76-78 प्रतिशत औसत मतदान होता था जो 1990 के दशक में 70 प्रतिशत और 2011 के बाद 66 प्रतिशत पहुंच गया। वर्ष 2022 में अमेरिका में राष्ट्रपति, संसदीय, प्रांतीय और स्थानीय चुनावों में केवल 66 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट दिया। ब्रिटेन के 2019 संसदीय चुनावों में 67 प्रतिशत मतदान हुआ। यदि भारत में मतदान इसके आस-पास है, तो क्यों इसे एक समस्या माना जा रहा है?

विभिन्न देशों में कम मतदान के भिन्न-भिन्न कारण होते हैं। भारत में एक कारण मतदाता-सूची में ऐसे नामों की भरमार होना है जो 'मृत, डुप्लीकेट या स्थानांतरित' मतदाता हैं। लोकसभा-चुनाव 2024 में निर्वाचन-आयोग ने केवल हैदराबाद जिले की 15 विधानसभा मतदाता सूचियों से 5.4 लाख ऐसे 'बोगस' मतदाताओं के नाम हटाए हैं। इसके अलावा चुनाव-आयोग मानता है कि घर से दूर, असंगठित-क्षेत्रों में मज़दूरी करने वाले 30-40 करोड़ प्रवासी-श्रमिकों का मतदान न कर पाना भी कम मतदान का कारण है। तो क्या कोई तरीका है जिससे प्रवासी-श्रमिक जहां है, वहीं से अपने निर्वाचन-क्षेत्र में मतदान कर सकें? मतदान बढ़ाने हेतु एक सुझाव यह दिया जाता है कि मतदान को 'मौलिक-अधिकार' बना दिया जाए। भारत में मतदान 'विधिक-अधिकार' है, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 से निर्देशित है। संविधान नागरिकों को केवल 'वयस्क-मताधिकार' देता है, लेकिन वयस्कता की आयु संसद निर्धारित करती है जो पहले 21वर्ष और बाद में 18 वर्ष कर दी गई। संविधान किसी नागरिक को मतदाता के रूप में केवल 'पंजीकृत' होने का अधिकार देता है। पंजीकृत होने के बावजूद मतदाता 'मतदाता-सूची' में नाम न होने, पहचान-पत्र न दिखा पाने, या जेल में बंदी होने पर मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता। संविधान का अनुच्छेद 32 मौलिक-अधिकारों के हनन पर सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है, लेकिन यदि मताधिकार-हनन पर सभी लोग सर्वोच्च न्यायालय जाने लगे, तो सम्पूर्ण निर्वाचन-प्रणाली ध्वस्त हो जाएगी।

द्वितीय, कुछ विद्वान मतदान को अनिवार्य बनाने की वकालत करते हैं, लेकिन वे इसके व्यावहारिक पहलू की अनदेखी करते हैं। अपने अधिकारों का प्रयोग करना या न करना दोनों ही स्वतंत्रता की परिधि में आता है। मतदान को बाध्यकारी बनाना क्या स्वतंत्रता के विरुद्ध नहीं? संसद ने 42वें संशोधन 1976 से संविधान में मौलिक-कर्तव्य जोड़ा था, लेकिन आज 50 वर्षों बाद भी क्या वह लागू हो सका? जिन देशों में अनिवार्य-मतदान है, वे बहुत छोटे हैं जैसे ऑस्ट्रेलिया जिसकी कुल जनसंख्या 2.6 करोड़ है, जो केवल असम की जनसंख्या जितनी है। किसी बड़े लोकतंत्र में अनिवार्य-मतदान नहीं होता। अनिवार्य-मतदान वाले देशों में अन्य देशों की तुलना में केवल 7-8 प्रतिशत मतदान बढ़ पाता है, और मतदान न करने वालों पर कोई कठोर दंडात्मक-कार्यवाही भी नहीं होती। यदि भारत में इसे लागू किया जाए तो मतदान न करने वालों पर क्या अर्थ-दण्ड लगेगा, कारावास होगा, या उनको सरकारी सेवाओं और लाभों से बंचित किया जायेगा? और क्या ऐसा करना संभव और उचित होगा? हमें मतदान बढ़ाने के कुछ अन्य तरीके सोचने होंगे। अमेरिका में मतदान-तिथि से पहले भी मतदान किया जा सकता है। मिनिसोटा-राज्य में 46 दिन और न्यूयार्क-राज्य में 10 दिन पूर्व मतदान किया जा सकता है। हम भी व्यवस्था कर सकते हैं कि प्रत्याशी द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम-तिथि के बाद कोई मतदाता 'पूर्व-मतदान' कर सके जिससे मतदान के दिन अनुपस्थित रहने के बावजूद उसका वोट व्यर्थ न हो। दूसरा, 'रिमोट-वोटिंग' की व्यवस्था हो सकती है जिसमें चुनाव-आयोग प्रत्येक जिला-मुख्यालय या बड़े-शहर में एक मतदान-केंद्र बना सकता है, जहां किसी भी राज्य का मतदाता अपने निर्वाचन-क्षेत्र की मतदान-तिथि को अपना मतदान कर सके। इससे प्रवासियों की निर्वाचन-क्षेत्र से दूर रहने की समस्या का समाधान होगा और मतदान की गोपनीयता भी बनी रहेगी। मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा।

बदलते भारत के साथ नियमों में बदलाव जरूरी

त्रिलोचन शास्त्री
चेयरमैन एडीआर और प्रोफेसर आइआइएम बेंगलुरु

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के बनने के बाद से अब तक भारत बहुत बदल गया है। वहीं वोट देने का अधिकार अब भी संवैधानिक अधिकार बना हुआ है। हमें इस बदलाव के अनुरूप लोगों को सक्षम बनाना होगा जिससे वे वोट के अधिकार का इस्तेमाल आसानी से कर सकें।

वर्तमान में जारी लोकसभा चुनाव में करोड़ों प्रवासी श्रमिक शायद वोट न डाल पाए हों। इसके बारे में कोई विश्वसनीय आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं है लेकिन कई अनुमान में कहा गया है कि 30 करोड़ से 45 करोड़ लोग काम की तलाश में ग्रामीण इलाकों से शहरी इलाकों में गए हैं। यह संख्या अमेरिका और सभी यूरोपीय देशों की मतदान करने के लिए पात्र आबादी से अधिक है। इनमें से ज्यादातर वयस्क और पुरुष हैं। प्रवासी श्रमिक इसलिए वोट नहीं डाल पाए क्योंकि उनके लिए वापस अपने गांव जाकर वोट देने की लागत बहुत अधिक है। प्रवासी श्रमिक अपने गांव में ही मतदाता के तौर पर पंजीकृत हैं। इसका मतलब है कि दूसरे देशों की मतदान के लिए पात्र आबादी से कहीं अधिक लोग भारत में वोट नहीं डालते।

उदाहरण के लिए असम, बंगाल, ओडिशा, बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों के श्रमिकों की बेंगलुरु की आबादी में हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक है। ये ज्यादातर झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। इसी तरह से दूसरे मेट्रो शहर जैसे नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और दक्षिण के गैर मेट्रो शहरों में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक काम करते हैं। प्रवासी श्रमिकों के अलावा कालेज में पढ़ने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो पढ़ाई के लिए अपना घर छोड़ कर दूसरे शहरों या दूसरे राज्यों में जाते हैं। इसके अलावा पेशेवर भी प्रवासी हैं।

सैद्धांतिक तौर पर यह सच है कि अगर आपके पास एड्रेस प्रूफ है तो आप नई जगह पर मतदाता के तौर पर अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। लेकिन प्रक्रिया के तौर पर यह काम इतना आसान नहीं है। ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। चुनाव आयोग ने भी इस समस्या को स्वीकार किया है और कहा है कि प्रवासियों की बड़ी संख्या भी कम मतदान की एक वजह हो सकती है। अब प्रवासी टेक का इस्तेमाल आसानी से करते हैं और अपनी दैनिक जरूरतों की चीजें जैसे खाने और चाय के लिए मोबाइल एप्स से आनलाइन पेमेंट करते हैं। वे अपने मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए पैसे भी भेजते हैं। ऐसे में वे सवाल करते हैं कि वे जहां रहते हैं, वहां से अपना वोट क्यों नहीं डाल सकते। उनको इसके लिए घर जाने की जरूरत क्यों होनी चाहिए? इसके अलावा सिर्फ मतदान के लिए समय और संसाधन खर्च करके अपने गृहक्षेत्र जाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होता है।

वहीं दूसरी तरफ, सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराए बिना आप चुनाव नहीं पड़ सकते हैं। वहीं, अगर आप जेल में हैं तो चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन वोट नहीं दे सकते। यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर आरोपों का सामना कर रहा व्यक्ति भी चुनाव लड़ सकता है। दोषी करार दिए जाने के बाद ही वह चुनाव नहीं लड़ सकता है। यहां सवाल उठता है कि क्या हम चुनाव लड़ने के अधिकार को वोट देने के अधिकार से अधिक महत्व दे रहे हैं।

रिमोट वोटिंग पर बात करने से पहले देखते हैं कि मतदाता के अधिकार के बारे में संविधान क्या कहता है? 2003 में, सुप्रीम कोर्ट ने मतदान को संवैधानिक अधिकार घोषित किया था। तकनीकी तौर पर यह वैधानिक अधिकार है और संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का हिस्सा नहीं है। ऐसे में हमारे देश में विचित्र स्थिति है, जहां बड़ी संख्या में लोग अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे है, हलांकि, उनको किसी मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा रहा है।

बहुत से देशों में, मतदान न सिर्फ एक अधिकार है, बल्कि यह एक अनिवार्य कर्तव्य भी है। यूरोपीय संघ में अनुच्छेद 39 के तहत मतदान को मौलिक अधिकार बनाया गया है। ज्यादातर देशों में भारत की तरह ही यह संवैधानिक अधिकार है। भारत को मतदान को मौलिक अधिकार बनाने के लिए संविधान में संशोधन करना होगा। हालांकि संशोधन के बिना भी सुप्रीम कोर्ट मौलिक अधिकारों में वोट देने के अधिकार को भी शामिल कर सकता है। उदाहरण के लिए, अनुच्छेद 15 में कहा गया है कि जन्म की जगह के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता है। उसे सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग के लिए मना नहीं किया जा सकता है। कोर्ट यह कह सकता है कि अगर कोई व्यक्ति आजीविका के लिए पलायन के लिए मजबूर होता है तो वह वोट देने के अधिकार को छोड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट एडीआर की याचिका पर कह चुका है कि वोट देने के संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल मौलिक अधिकार 19 पर आधारित है। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तौर पर जाना जाता है। इसका मतलब है कि मतदाता वोट देते हुए अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करता है। कोर्ट आगे यह फैसला कर सकती है कि क्या पलायन की वजह से मौलिक अधिकार के इस्तेमाल में बाधा डाली जा सकती है।

अप्रवासी भारतीय दूसरे देशों से मतदाता के तौर पर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। प्रवासी श्रमिकों को भी ऐसा करने की अनुमति देनी चाहिए। वर्तमान में अगर वे उत्तर भारत से दक्षिण भारत जाते हैं या दक्षिण भारत से उत्तर भारत आते हैं तो उनको नई भाषा से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसे सरल बनाए जाने की जरूरत है। अब बात करते हैं रिमोट वोटिंग के तकनीकी सवाल की। पोस्टल बैलेट की अनुमति विशेष क्लास के लिए है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम (ईटीपीबीएस) तैयार किया है और मौजूदा पोस्टल बैलेट सिस्टम के साथ जोड़ा है। पोस्टल बैलेट को इलेक्ट्रानिक साधनों के जरिये मतदाताओं तक पहुंचाया जाएगा। यह मतदाताओं को इलेक्ट्रानिक साधनों से मिले पोस्टल बैलेट पर उस जगह से वोट करने में सक्षम बनाएगा, जो उनके मतदान क्षेत्र से बाहर है। मतदाता वोट देने के बाद पोस्टल बैलेट को पोस्ट के जरिये वापस भेज सकते है। इसका मतलब है कि इस प्रविधान को प्रवासियों के लिए भी लागू किया जा सकता है। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि भारत उस समय से आज बहुत बदल गया है, जब लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 बनाया गया था। बढ़ते पलायन और डिजिटल क्रांति ने भारत को बदल दिया है। हालांकि वोट देने का अधिकार संवैधानिक अधिकार बना हुआ है। हमें इस बदलाव को समझते हुए लोगों को वह सुविधाएं देनी होंगी, जिससे वे वोट देने के अधिकार का इस्तेमाल आसानी से कर सकें। इससे प्रवासियों की एक बड़ी आबादी की चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी। वहीं, राजनीतिक दल भी प्रवासियों की समस्याओं पर गौर पर करते हुए समाधान के लिए काम करेंगे।

आपकी आवाज

प्रवासियों का मतदान में भाग न लेना भी कम मतदान का एक कारण हो सकता है। एक राज्य से दूसरे राज्य और विदेशों में जाने वाले बहुत से लोग ऐसे लोग भी हैं जिनका अपने गृहक्षेत्र में मतदाता सूची में नाम तो शामिल है, लेकिन चुनाव में आकर मतदान नहीं कर पाते होंगे। इसलिए अब चुनाव आयोग को कोई व्यवस्था करनी चाहिए जिससे मतदाता दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो वहां से अपने कीमती मत का प्रयोग करके हर चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।
राजेश कुमार चौहान

हमारे बेटा- बहू कैलिफोर्निया में रहते हैं, मन भी होता है पर मतदान करने के लिए आ नहीं सकते। प्रवासियों के लिए मतदान की आनलाइन व्यवस्था होनी चाहिए।
संजय भाटिया

वोट देना हर भारतीय का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन देखा जा रहा है कि दूसरे शहर या राज्य में काम कर रहे लोग मतदान नहीं कर पाते हैं क्योंकि वे अपने क्षेत्र से बाहर हैं। यह संख्या करोड़ो मे है। एक लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। चुनाव आयोग को दिशा में जरूरी कदम उठाने चाहिए।
अशोक शर्मा

91 प्रतिशत शहरी प्रवासी जहां रहते हैं, वहां वोट देने के लिए पंजीकृत नहीं हैं। हालांकि 75 प्रतिशत प्रवासी वोट देना चाहते हैं। दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में किए गए अध्ययन में यह बात कही गई है। अध्ययन 1,100 शहरी प्रवासियों पर किया गया है।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया कठिन

अध्ययन करने वाले रेंटल हाउसिंग पोर्टल नेस्टावे के मुताबिक सर्वेक्षण में शामिल किए गए ज्यादातर लोग 20 से 30 वर्ष की उम्र के नौकरी करने वाले पेशेवर हैं। नेस्टावे के को फाउंडर और सीईओ अमरेन्द्र साहू ने कहा' ज्यादातर शहरी प्रवासियों ने अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने का प्रयास किया। लेकिन प्रक्रिया काफी कठिन है। विशेष रूप से अगर आप किसी दूसरे राज्य से आए हैं। कर्नाटक में भाषा एक बड़ी बाधा है।'

मतदान के लिए नाम पंजीकृत कराने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी का अभाव

ज्यादातर शहरी प्रवासी (73 प्रतिशत) यह नहीं जानते हैं कि जिस शहर में वह अब रह रहे हैं वहां अपना नाम मतदाता के तौर पर कैसे पंजीकृत कराएं। साहू ने कहा ' चौंकाने वाली बात यह है कि 60 प्रतिशत प्रवासी मानते हैं कि अगर वे नए शहर जाते हैं तो वे वोट नहीं कर सकते हैं। सिर्फ 40 प्रतिशत प्रवासी जानते हैं कि वे जहां रहे रहे हैं, वहां की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि मतदाता पहचान पत्र होने से वे कहीं भी वोट डाल सकते हैं। अपना नाम दूसरे शहर मे में वोट देने के लिए कैसे पंजीकृत कराएं इस बारे में जानकारी का अभाव, निवास का प्रमाणित करने के लिए जरूरी दस्तावेज न होना और राजनीति में दिलचस्पी न होना जैसे कुछ प्रमुख कारण हैं, जिनकी वजह से प्रवासी वोट नहीं करते हैं। बेंगलुरु में प्रवासी अपना मतदाता पहचान पत्र हासिल करने में दिल्ली, मुंबई और पुणे की तुलना में ज्यादा सजग हैं। बेंगलुरु में सर्वेक्षण में जवाब देने वालों में से करीब 53 प्रतिशत के पास वैध मतदाता पहचान पत्र था, जबकि मुंबई-पुणे और दिल्ली में क्रमशः 52 प्रतिशत और 47 प्रतिशत लोगों के पास वैध मतदाता पहचान पत्र था। लेकिन बेंगलुरु में सिर्फ 20 प्रतिशत प्रवासी मतदाता के तौर पर नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया से परिचित थे वहीं मुंबई-पुणे और दिल्ली में ऐसे प्रवासियों की संख्या क्रमशः 27 प्रतिशत और 29 प्रतिशत थी। दिल्ली में सर्वेक्षण में जवाब देने वालों में से करीब 67 प्रतिशत लोग मानते हैं कि जिस शहर में वे काम कर रहे हैं, वहां वोट नहीं दे सकते हैं।

73% प्रवासी नहीं जानते मतदाता के तौर पर कैसे कराएं पंजीकरण

60% प्रवासी मानते हैं कि दूसरे शहर में रहते हैं तो नहीं दे सकते वोट

40.0% मानते हैं कि मतदाता पहचान पत्र होने से कहीं भी दे सकते हैं वोट

67.4% मतदान हुआ था 2019 के लोकसभा चुनाव में

मतदान को लेकर सकारात्मक रवैया

अच्छी बात यह है कि ज्यादातर लोगों ने मतदान करने को लेकर सकारात्मक रवैया दिखाया है। बेंगलुरु में सर्वेक्षण में जवाब देने वाले 77 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे वोट देना चाहते हैं और इसके लिए काम करेंगे। वहीं दिल्ली में ऐसे लोगों की संख्या 69 प्रतिशत और मुंबई-पुणे में 70 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में जवाब देने वालों में लगभग 34 प्रतिशत की उम्र 18-25, 44 प्रतिशत की उम्र 25-30, 14 प्रतिशत की उम्र 30-35 वर्ष थी। जवाब देने वालों में 80.5 प्रतिशत पुरुष और 19 प्रतिशत महिलाएं थीं।

राष्ट्रीय फलक

तमिलनाडु यूट्यूबर सावुक्कू शंकर पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई

चेन्नई, प्रेट्र : कोयंबटूर सेंट्रल जेल में बंद यूट्यूबर सावुक्कू शंकर के ऊपर अब गुंडा एक्ट लगाया गया है। शंकर को इस मामले में चार मई को गिरफ्तार किया गया था। चेन्नई पुलिस के अनुसार, शंकर के खिलाफ केंद्रीय अपराध शाखा में कई मामले लंबित हैं, जिनमें से तीन की जांच चल रही है। दो में आरोपपत्र दायर किए गए हैं। ज्ञात हो, कोयंबटूर पुलिस ने सावुक्कू को चार मई को एक यूट्यूब चैनल को दिए गए साक्षात्कार में महिला पुलिसकर्मियों व अफसरों के बारे में अपमानजनक बयान देने के लिए गिरफ्तार किया गया था। पुलिस वैन से कोयंबटूर लाया जा रहा था तो रास्ते में वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इससे उसमें सवार लोग घायल हो गए थे। इस मामले में यूट्यूब चैनल प्रमुख फेलिक्स गेराल्ड को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। शंकर पर दर्ज अन्य मामलों में गांजा रखने का मामला भी शामिल है। यूट्यूबर ने अदालत में कहा था कि जेल में उस पर हमला किया गया था। अन्नाद्रमुक प्रमुख के. पलानीस्वामी ने यह पता लगाने के लिए एक न्यायाधीश द्वारा जांच की मांग की थी कि क्या जेल के अंदर शंकर पर हमला किया गया था।

बीएसएफ ने बंगाल में बांग्लादेश से बड़ी घुसपैठ को किया नाकाम

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता

> चुनाव को प्रभावित करने के लिए घुसपैठ की फिराक में थे बांग्लादेशी

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ की बड़ी कोशिशों को नाकाम कर दिया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी व डीआइजी एके आर्य ने रविवार को बताया कि यह घटना बल की 68वीं वाहिनी की सीमा चौकी रनघाट इलाके की है, जब 11-12 मई की मध्यरात्रि में बांग्लादेश से भारत में दो बार बड़ी संख्या में अवैध घुसपैठ की कोशिश की गई। सतर्क जवानों ने अवैध बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ दिया।

आर्य ने कहा,जवानों को बड़ी संख्या में घुसपैठ की खबर मिली थी। इसके बाद जवान सतर्क थे। पहली घटना में देर रात अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ बहती कोडलिया नदी में बांग्लादेश की ओर से 18 से 20 लोगों के समूह को भारत की ओर आते देखा गया। जैसे ही उन्होंने नदी को पार किया, बीएसएफ जवानों ने उन्हें वापस लौटने के लिए कहा, लेकिन चेतावनी को अनसुना कर उन्होंने आगे बढ़ना जारी रखा। इसके बाद घुसपैठियों को रोकने के लिए जवानों ने गैर घातक हथियार से हवाई फायर किया। इससे डरकर सभी घुसपैठिए वापस बांग्लादेश की ओर भाग गए। दूसरी घटना में रविवार तड़के सीमा चौकी रनघाट के जवानों ने 15 से 16 लोगों के एक समूह को कोडालिया नदी को पार कर बांग्लादेश से आने की कोशिश करते देखा। जवानों ने उन्हें भी वापस लौटने की चेतावनी दी, लेकिन इसका उनपर कोई असर नहीं हुआ। इस पर जवानों ने हवाई फायरिंग की, जिसके बाद सभी घुसपैठिए वापस भाग गए।

उन्होंने कहा, दोनों ही घटनाओं में जवानों की मुस्तैदी के चलते घुसपैठियों के मंसूबे को विफल कर दिया गया। वहीं, जवानों की फायरिंग में किसी भी प्रकार के जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। आर्य ने बताया कि चुनाव से पहले इस घटना (घुसपैठ की बड़ी कोशिश) को लेकर बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ फ्लैग मीटिंग किया जाएगा और कड़ा विरोध नोट दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बीएसएफ किसी सूरत में भारत में घुसपैठ नहीं होने देगी।

पर्यावरण मंत्रालय ने कहा, भारत में 15 वर्षों में वन क्षेत्र में सतत वृद्धि हुई

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत के वन क्षेत्र में गत 15 वर्षों में लगातार वृद्धि हुई है। यह वन संरक्षण व टिकाऊ प्रबंधन में देश के अहम योगदान के कारण संभव हो सका। यह बात भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव जितेंद्र कुमार ने हाल ही में अमेरिका में संपन्न हुए वनों के संयुक्त राष्ट्र फोरम (यूएनएफएफ) में कही। यूएनएफएफ का 19वां संस्करण गत छह मई से 10 मई तक न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पर आयोजित किया गया था।

जितेंद्र कुमार ने बताया कि 2010-20 के बीच औसत वार्षिक वन क्षेत्र की वृद्धि के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर रहा। जैव विविधता व वन्यजीव संरक्षण भारत के लिए उच्च प्राथमिकता है। इसे संरक्षित क्षेत्रों के एक हजार से अधिक वन्यजीव अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, बाघ अभ्यारण्यों व अन्य वन्यजीव आवासों के विस्तारित क्षेत्र के रूप में देखा जा सकता है। हाल ही में देश ने 'प्रोजेक्ट टाइगर' के 50 वर्ष और 'प्रोजेक्ट एलिफेंट' के 30 वर्ष पूरे किए हैं।

****

मणिपुर में हिंसा से पहले चिह्नित किए गए थे 2480 अवैध प्रवासी : बीरेन सिंह

> अवैध प्रवासियों पर जंगल काट नए गांव बसाने का लगाया आरोप
>
> आइसीजे द्वारा निर्वासन पर रोक लगाने के आदेश पर जताई नाराजगी

इंफाल, प्रेट्र: मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि गत वर्ष राज्य में हिंसा से पहले 2480 अवैध प्रवासियों को चिह्नित किया गया था। हालांकि गत तीन मई को हिंसा शुरू होने के बाद उन्हें निर्वासित करने का अभियान बंद कर दिया गया। इस दौरान उन्होंने अवैध प्रवासियों द्वारा जंगल को काटने और नए गांवों के निर्माण पर चिंता जाहिर की।

एन. बीरेन सिंह। फाइल

सिंह ने पत्रकार वार्ता में कहा, फरवरी 2023 में कुकी समुदायों के दो मंत्रियों लेतपाओ हाओकिप एवं नेमछा किपगेन की मौजूदगी में आयोजित कैबिनेट की बैठक के बाद उप समिति बनाई गई थी। अवैध प्रवासियों को चिह्नित करने के लिए बनाई गई उपसमिति का प्रमुख हाओकिप को बनाया गया था। बायोमीट्रिक लिए जाने के दौरान, चंदेल के दस गांवों में 1165, तेंगनोपोल जिले के 13 गांवों में 1147, चूड़चंदपुर में 154 और अन्य प्रवासी कामजोंग जिले में मिले थे। हालांकि इस आंकड़े में कामजोंग जिले में प्रवेश करने वाले अतिरिक्त 5457 अवैध प्रवासी शामिल नहीं है। इस दौरान सिंह ने जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय कोर्ट (आइसीजे) द्वारा भारतीय अधिकारियों को मणिपुर से निर्वासन रोकने का आदेश देने पर कड़ी निराशा व्यक्त की।

हिंसा में क्षतिग्रस्त स्कूल के प्रबंधन ने मांगा मुआवजा: गत वर्ष हुई जातीय हिंसा में इंफाल स्थित 25 वर्ष पुराने सेंट पीटर्स स्कूल को भी आग के हवाले कर दिया गया। स्कूल की प्रधानाचार्य खुपखोमन ने बताया कि गत चार मई की अलसुबह भीड़ ने हमला कर स्कूल को आग लगा दी। इस स्कूल का प्रबंधन करने वाले कुकी-जो समुदाय वाले परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मुआवजे की मांग की है। स्कूल प्रबंधन ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसे 14 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति का नुकसान हुआ है। स्कूल का प्रबंधन करने वाले परिवार ने मानसिक आघात के लिए भी मुआवजे की मांग की है।

फरार शूटर सर्वजीत के विदेश भागने की आशंका

जागरण संवाददाता, रुद्रपुर : उत्तराखंड के नानकमत्ता में डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या कर फरार एक लाख का इनामी शूटर सर्वजीत सिंह डेढ़ माह बाद भी पुलिस के हाथ नहीं लग सका है। शूटर के नेपाल के रास्ते बांग्लादेश भागने की आशंका जताई जा रही है। बावजूद इसके पुलिस टीम उसकी धरपकड़ के लिए पंजाब, हरियाणा के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में डेरा डाले हुए है। 28 मार्च को बाइक सवार शूटरों ने नानकमत्ता में बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने दोनों शूटरों पंजाब के अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टू और सर्वजीत सिंह (सरबजीत सिंह) की पहचान कर एक लाख का इनाम घोषित किया था। अमरजीत बिट्टू को हरिद्वार में पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। कई अन्य आरोपितों को गिरफ्तार भी किया है, लेकिन सर्वजीत हत्थे नहीं लगा। आशंका जताई जा रही है कि सर्वजीत को नेपाल के रास्ते बांग्लादेश भगा दिया गया है। इसमें उसकी मदद हत्या के षड़यंत्र में शामिल लोगों ने की है। हालांकि पुलिस अधिकारी यह स्वीकार करने से बच रहे हैं। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि सर्वजीत के पास पासपोर्ट नहीं है। पुलिस हर बिंदु पर काम कर रही है। जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 13 मई, 2024

दैनिक जागरण

छोटे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी बड़े जतन करने पड़ते हैं

दायित्व निर्वहन का अवसर

लोकसभा चुनाव में मतदान के चौथे चरण को लेकर यह जानने की प्रतीक्षा है कि मतदान प्रतिशत कितना रहता है। इसका कारण यह है कि पहले और दूसरे चरण में 2019 की तुलना में कम मतदान हुआ। तीसरे चरण में भी मतदान प्रतिशत पिछले आम चुनाव के मुकाबले तो कम रहा, लेकिन अंतर कुछ घटा। देखना यह है कि चौथे चरण के मतदान प्रतिशत में कुछ बढ़ोतरी होती है या नहीं। मतदान प्रतिशत कम रहने के कई कारण हैं। इनमें मतदाता सूचियों का सही तरह से तैयार न होना, सभी मतदाताओं का उनमें नाम न होना और एक बड़ी संख्या में मतदाताओं का अपने काम-धंधे के सिलसिले में अपने गांव और शहर से दूर रहना शामिल है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए इन कारणों का निवारण किया जाना चाहिए, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि मतदाताओं में जो उदासीनता देखने को मिल रही है, उसके लिए एक हद तक वही उत्तरदायी हैं। विडंबना यह है कि यह उदासीनता शहरी क्षेत्रों में अधिक देखने को मिल रही है। इसका अर्थ है कि पढ़ा-लिखा और विभिन्न विषयों को लेकर मुखर रहने वाला वर्ग भी मतदान के प्रति उत्साहित नहीं रहता। यह भी देखने को मिल रहा है कि देश के कुछ हिस्सों में तो मतदान प्रतिशत संतोषजनक रहता है, लेकिन कुछ हिस्सों में वह अपेक्षा से कहीं अधिक कम रहता है।

मतदान केवल इसलिए नहीं किया जाना चाहिए कि यह एक अधिकार है, बल्कि इस दायित्व का निर्वहन इसलिए भी किया जाना चाहिए कि इससे सरकार गठन में लोगों की भागीदारी बढ़ने से लोकतंत्र को बल मिलता है और साथ ही राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों का निर्धारण करने में मदद भी मिलती है। मतदान न करने वाले लोग केवल जिम्मेदार नागरिक होने के दायित्व की पूर्ति में ही पीछे नहीं रह जाते, बल्कि शिकायत करने के अधिकारी भी नहीं रह जाते। मतदान में भाग लेना एक तरह से राष्ट्र निर्माण में हिस्सेदारी करना है। निःसंदेह अपेक्षित संख्या में लोगों के मतदान के लिए न निकलने के पीछे एक कारण प्रतिकूल मौसम है और इसीलिए यह कहा जा रहा है कि चुनाव ऐसे मौसम में कराए जाने चाहिए जब इतनी अधिक गर्मी न पड़ रही हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि लोग प्रतिकूल मौसम के बावजूद अपनी तय दिनचर्या पूरी करते हैं और गर्मी के बावजूद अपने काम-धंधे के सिलसिले में घर से बाहर निकलते हैं। स्पष्ट है कि प्रतिकूल मौसम के स्थान पर लोगों की अनिच्छा ही पर्याप्त मतदान न होने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। इस अनिच्छा के कारणों की पहचान राजनीतिक दलों को भी करनी चाहिए और साथ ही स्वयं लोगों को इसके लिए प्रेरित होना चाहिए कि लोकतंत्र को मजबूती देने में वे कैसे भागीदार बनें, क्योंकि केवल इसी तरीके से वे राजनीतिक दलों को अपनी अपेक्षाओं के प्रति सजग-सचेत कर सकते हैं।

ठगी के तरीके

इंटरनेट की दुनिया ने जीवन को बहुत आसान बना दिया है। घर बैठे ही कई सुविधाएं कुछ ही क्षण में उपलब्ध हो जाती हैं। पैसे के लेन-देन की बात हो या पढ़ाई सबकुछ इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध हो जाता है, लेकिन लोगों की छोटी सी भूल से बड़ी क्षति हो सकती है। इस बीच इंटरनेट पर शातिर भी सक्रिय हैं जो लोगों को मिलने वाली सुविधाओं में ही ठगी के तरीके भी ढूंढ लेते हैं। शातिर अभी तक लोगों को बैंक का कर्मचारी बताकर लोगों के खाते की जानकारी लेते थे या ओटीपी लेकर उनके खाते में सेंध लगाते थे। बैंक प्रबंधन एवं पुलिस के निर्देशों के बाद लोग सतर्क हुए तो शातिर ने ठगी के और माध्यम ढूंढ़ लिए। हिमाचल प्रदेश में भी अब लोगों को ईमेल के माध्यम से ऐसे संदेश भेजे जाते हैं कि लोग उनके झांसे में आ जाते हैं। शातिर लोगों के रिश्तेदार या बच्चों की जानकारी भी जुटा लेते हैं। इसके बाद उन्हें टेलीफोन करते हैं कि उनका बच्चा किसी गंभीर मामले में फंस गया है, उसे बचाने के लिए पैसे की मांग की जाती है। लोग उनकी बातों में आ जाते हैं और अपनी मेहनत की कमाई उन्हें दे देते हैं। उन्हें बाद में धोखाधड़ी का पता चलता है। ऊना पुलिस के पास एक महिला ने शिकायत की है कि उसे फोन आया कि इंग्लैंड में रहने वाले उसके भाई को पुलिस ने पकड़ लिया है और उसे बचाने के लिए 80 हजार रुपये लगेंगे। महिला ने उसे पैसे दे दिए। बाद में उसे पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। कुछ दिन पहले कांगड़ा में एक महिला को फोन आया कि उसका बच्चा कहीं फंस गया है। जब महिला ने पता किया तो पता चला कि बच्चा स्कूल में उपस्थित है। तकनीक के विकास के साथ लोगों का जागरूक रहना आवश्यक है।

> इंटरनेट से जीवन जितना सुगम हुआ है उससे अधिक इसके जरिये लोगों को ठगने वाले भी सक्रिय हो गए हैं

आर्थिक-सामाजिक अवसरों के द्वार

विवेक देवराय

युवा आबादी का लाभ उठाने के लिए भारत को शिक्षा सुधार, आर्थिकी को संगठित रूप देने के साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण के समावेशन वाली रणनीति बनानी होगी

आदित्य सिन्हा

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार चीन को पीछे छोड़कर भारत विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है। इसके साथ ही भारत एक अनूठी जनसांख्यिकीय लाभांश की स्थिति में आ गया है। देश की करीब 65 प्रतिशत आबादी कामकाज योग्य है जो केवल भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के लिए विपुल आर्थिक एवं सामाजिक संभावनाओं के द्वार खोलती है। इन संभावनाओं को प्रभावी रूप से भुनाने के लिए भारत को मानव पूंजी में रणनीतिक निवेश करना होगा। उसे सुनिश्चित करना होगा कि इस राह में कोई कसर शेष न रह जाए। जनसांख्यिकीय लाभांश जनसंख्या की आयु के स्तर में परिवर्तन पर झलकता है। जब 15 से 64 वर्ष के आयुवर्ग वाले लोगों की संख्या 14 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक की आयु वाले लोगों की संख्या से अधिक हो जाए तो इस प्रकार के लाभांश की स्थिति बनती है, क्योंकि इससे आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग उपलब्ध होते हैं। इतिहास साक्षी है कि जिन देशों ने भी ऐसी स्थिति को भुनाने के लिए समय से उपाय किए तो उन्होंने प्रगति के नए मापदंड स्थापित किए। इस लाभांश के पहले चरण में कामकाजी आबादी में भारी बढ़ोतरी से रोजगार, बचत एवं आर्थिक विकास और पारिवारिक कल्याण में निवेश बढ़ता है। परिणामस्वरूप इससे प्रति व्यक्ति जीडीपी में वृद्धि की राह खुलती है। हालांकि ऐसे लाभांश की स्थिति अमूमन पांच दशकों तक ही चलती है, जिसके बाद उसका दूसरा चरण आरंभ होता है। दूसरे चरण में वृद्ध होती आबादी के लिए सेवानिवृत्ति की तैयारी में संसाधन जोड़ने होते हैं, जिसमें पुनः निवेश के माध्यम से राष्ट्रीय आय में बढ़ोतरी का रुख नजर आता है। चूंकि जनसांख्यिकीय लाभांश के ये दोनों चरण स्वतः स्फूर्त रूप से आकार नहीं लेते तो उन्हें साकार करने के लिए प्रभावी नीतिगत कदम अपरिहार्य होते हैं।

इस समय भारत की आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है और जल्द ही कामकाजी आबादी एक अरब का आंकड़ा पार कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक पत्र के अनुसार जनसंख्या के मोर्चे पर लाभ की यह स्थिति भारत की जीडीपी को हर साल दो प्रतिशत तक बढ़ाने की क्षमता रखती है। हालांकि इससे जुड़े अवसरों को भुनाने की राह में तमाम चुनौतियां विद्यमान हैं, जिन्हें दूर करना ही होगा। सबसे पहली चुनौती तो उद्योग जगत की अपेक्षाओं और शिक्षण संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाने वाले कौशल के स्तर पर भारी विसंगति की है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि रोजगार के लिए आवश्यक कौशल और उसकी पूर्ति में शिक्षण संस्थानों की अक्षमता के बीच 2030 तक 2.9 करोड़ का अंतराल उत्पन्न हो सकता है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से इस स्थिति को सुधारने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन यह नाकाफी लगते हैं। कारण यही है कि सभी स्कूल इस प्रकार का प्रशिक्षण नहीं दे रहे और शिक्षा की गुणवत्ता में भी भिन्नता दिखती है।

अवधेश राजपूत

रोजगार का विषय भी कई बिंदुओं से जुड़ा हुआ है। यह भी देखने में आता है कि उच्च शिक्षित लोगों की अपने करियर को लेकर विशेष आकांक्षाएं होती हैं और वे उन नौकरियों के लिए प्रयास नहीं करते, जिसमें वे अपने कौशल का सदुपयोग होता न देखते हों। इससे रोजगार प्रतीक्षा की अवधि लंबी खिंच जाती है। उदाहरण के रूप में नेशनल करियर सर्विस पर वित्त वर्ष 2024 के दौरान जहां नौकरियों की संख्या में 214 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, लेकिन नौकरी के लिए पंजीकरण कराने वालों का आंकड़ा केवल 53 प्रतिशत बढ़ा। यह रोजगार बाजार से जुड़ी विसंगतियों एवं जागरूकता के अभाव को दर्शाता है। इस मोर्चे पर मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन कायम है। यह स्थिति तकनीकी एवं वैश्विक आर्थिक ढांचे में आ रहे तेज परिवर्तनों से और प्रभावित हो रही है, जो कुछ पारंपरिक कौशलों को अप्रासंगिक बनाने पर तुली है। ऐसे में, उच्च शिक्षा कई बार ऐसे हालात बना देती है, जहां उपलब्ध रोजगारों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कामकाजी आबादी के पास आवश्यक अर्हता के स्तर पर असंगति देखने को मिलती है।

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट, 2023 कुछ सुधार के संकेत करती है, जिसमें रोजगार की स्थिति 50.3 प्रतिशत बढ़ी हुई दिखती है। इसके बावजूद आधुनिक अर्थव्यवस्था की मांग की पूर्ति के लिहाज से यह पर्याप्त नहीं। भारत के लिए फिनलैंड के अनुभव से सीखना कुछ उपयोगी हो सकता है, जहां शिक्षण संस्थानों, सरकार और निजी क्षेत्र के बीच इस प्रकार से तालमेल बना होता है, जहां श्रम बाजार की मौजूदा एवं भविष्य की मांग को ध्यान में रखकर शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त फिनलैंड में जीवनपर्यंत सीखने पर जोर दिया जाता है जो भारत के लिए और भी अहम रणनीति हो सकती है ताकि वह समय के साथ अपनी कामकाजी आबादी को सही दिशा में उन्मुख करता रह सके।

भारतीय अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से का असंगठित रूप में होना भी एक बड़ी चुनौती है। असंगठित क्षेत्र में एक बड़ी भागीदारी गैर-कृषि कामगारों की है, जिनके पास सीमित रोजगार संभावनाएं एवं सामाजिक सुरक्षा के अवसर उपलब्ध होते हैं। इससे भी जनसांख्यिकीय लाभांश की संभावनाओं पर ग्रहण लग सकता है। सतत आर्थिक लाभ के लिए इन कामगारों एवं उनके उद्यमों को उचित नीतियों के माध्यम से संगठित स्वरूप देना होगा। अतीत में बाल शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश की अनदेखी की स्थिति को अब सुधारा जा रहा है। इस दिशा में की जा रही नई पहल का उद्देश्य जन्म के समय से स्कूल पहुंचने तक बच्चों की सेहत और व्यापक क्षमताओं को सुधारने पर केंद्रित है। पोषण अभियान और मिशन पोषण 2.0 जैसे कार्यक्रमों का लक्ष्य आरंभिक जीवन के पड़ाव पर कुपोषण को दूर करना है, जो भावी आर्थिक गतिविधियों और समग्र बेहतरी के लिए अच्छी बुनियाद रखने का काम करेगा। यदि भारत जनसांख्यिकीय लाभांश की संभावनाओं को पूरी तरह भुनाना चाहता है तो उसे समग्रता से भरी ऐसी रणनीति बनानी होगी, जिसमें शिक्षा सुधार, असंगठित क्षेत्र को संगठित स्वरूप देना और स्वास्थ्य एवं पोषण समृद्धि से जुड़े कार्यक्रमों का भलीभांति समावेश हो। इस दृष्टिकोण से अपेक्षित कौशल की कमी की पूर्ति के साथ ही सतत आर्थिक वृद्धि एवं जीवनस्तर में सुधार के द्वार खुलेंगे।

(देवराय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के प्रमुख और सिन्हा परिषद में ओएसडी-अनुसंधान हैं)

response@jagran.com

राष्ट्रवाद के लिए खतरा वोटबैंक राजनीति

नीरजा माधव

भारत की पहचान और अस्मिता के प्रति जागरूकता की भावना ही वास्तव में राष्ट्रवाद को परिभाषित करती है

इस लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवाद की खूब चर्चा हो रही है। राष्ट्र प्रेम की भावना एक सहजात भावना है। यह किसी पार्टी की मान्यताओं या सिद्धांतों से उद्भूत नहीं होती है। हां, यह हो सकता है कि किसी पार्टी में ऐसे लोगों की संख्या अधिक हो, जो राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हों। उसके प्रति रागात्मक भाव रखते हों। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी ऐसी राष्ट्रवादी पार्टी का समर्थन करना ही राष्ट्रवादी होना नहीं है, अपितु व्यक्ति के भीतर अपने देश, उसके प्राकृतिक परिवेश, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक मान्यताओं, भौगोलिक सीमाओं, इतिहास, साहित्य, कला आदि के प्रति एक स्वाभाविक प्रेम और निष्ठा उत्तराधिकार में प्राप्त होती है। खेतों में अन्न उपजाता और राष्ट्र के लोगों को भोजन देने वाला किसान भी उतना ही राष्ट्रवादी है जितना सीमा पर सुरक्षा के लिए हर परिस्थिति में खड़ा हमारा भारतीय सैनिक राष्ट्र प्रेमी होता है। यह अतिशय राष्ट्रवाद की भावना ही थी जिसने अनगिनत बलिदानों और कठिन संघर्षों के बाद भारत को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाई। निःसंदेह उस समय भारत छोटे-छोटे राज्यों और रियासतों में बंटा हुआ था, परंतु स्वाधीनता के संग्राम में सब एक हो गए थे। यह एकता की भावना ही राष्ट्रवाद की भावना थी। यह राष्ट्रवाद का ही परिणाम था कि भारत एक राष्ट्र के रूप में विश्व के सामने फिर से तनकर खड़ा हो गया। वह निरंतर सफलता एवं प्रगति के पथ पर अग्रसर भी है।

कुछ लोग राष्ट्रवाद को अति राष्ट्रवाद की सीमा तक ले जाकर आलोचना करने की कोशिश करते हैं। जबकि अति राष्ट्रवाद का तात्पर्य ही इस बात में निहित है कि कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह अपने राष्ट्र को सर्वोच्च मानने लगता है। उसे अपने देश, वहां के नागरिकों, इतिहास, संस्कृति, परिवेश और भूखंड को लेकर अत्यधिक गर्व की अनुभूति होती है और वह इस पर किसी भी प्रकार का आघात सहन नहीं कर सकता। इसे स्थूल रूप में अति राष्ट्रवाद कह सकते हैं, परंतु इसी राष्ट्रवाद को अपने ढंग से परिभाषित करने वाले कम्युनिस्ट विचारकों, लेखकों आदि के अलग ही विचार होते हैं। वे जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर से प्रारंभ कर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तक की नीतियों को अति राष्ट्रवाद की संज्ञा देते हैं और इसे मानवता के लिए घातक बताते हैं। उनके अनुसार अति राष्ट्रवाद किसी देश की सरकार को अधिनायकवादी बना देता है। उनका मानना है कि सांस्कृतिक एकरूपता के आह्वान के बीच हम आज अति राष्ट्रवाद के समय में जी रहे हैं, जहां स्वघोषित राष्ट्रवादियों और एक संस्कृति का उन्माद सामाजिक बनावट को टुकड़ों में बांटने का खतरा पैदा कर रहा है। वे यह भी मानते हैं कि यह अति राष्ट्रवाद वैश्विक चलन में आ गया है। ट्रंप से लेकर ब्रेक्जिट और यूरोप के अधिकांश अतिवादी दक्षिणपंथी समूह दूसरों के प्रति घृणा को बढ़ावा दे रहे हैं। इन अति राष्ट्रवादियों ने मुसलमानों, वामपंथियों को अपना शत्रु मान लिया। वे यह भी कहते हैं कि पिछली सदी के नौवें दशक तक भारत में राष्ट्रवाद उन्माद रहित था। यह न तो आक्रामक था और न ही विरोधात्मक।

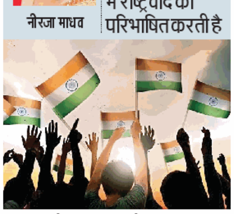

सहअस्तित्व की भावना से भरा भारतीय राष्ट्रवाद। फाइल

सवाल है कि क्या राष्ट्र मात्र उन्हीं लोगों तक सीमित है, जिनके बारे में ये चिंतक अपनी दुश्चिंता प्रकट कर रहे हैं? राष्ट्रवाद की इस परिकल्पना में समस्त उत्तेजना राजनेताओं या उनके प्रशंसकों के इर्द-गिर्द ही घूमती नजर आती है। इसमें उन करोड़ों लोगों के दर्शन नहीं होते, जिनके कारण यह देश सांस्कृतिक है, धार्मिक है, दार्शनिक है, सामाजिक है और इतिहास से भी पुराना ऐतिहासिक है। राष्ट्रवाद एक भावना है, राष्ट्र के प्रति प्रेम है। भारत के भीतर और बाहर भी राष्ट्र को तोड़ने की कोशिश करने वाली अलगाववादी ताकतें सदा से सक्रिय रही हैं। बाहरी शत्रुओं के साथ-साथ भारत को अपने आंतरिक शत्रुओं से भी बराबर मुठभेड़ करनी पड़ी, परंतु भारत में अंधेरे से जूझने का संकल्प बहुत पुराना है। यहां सूरज के ढलते ही दीप प्रज्वलित कर घर के बाहर देहरी पर रख देने की परंपरा रही है। सहअस्तित्व भारत की प्रधान सांस्कृतिक चेतना रही है जिसने इसे सहिष्णु और उदार बनाया। इसलिए भारत सभी प्रकार के विचारों को महत्व देता है। इसके दर्शन में आस्तिकतावादी भी हैं तो चार्वाक जैसे भोगवादी या नास्तिकतावादी भी भारतीय दर्शन ही कहलाते हैं। संकट तब खड़ा होता है जब आक्रमणकारी इस सहिष्णु संस्कृति की जड़ों पर प्रहार करते हैं। वहीं सावधान होना है। इस सावधान होने की प्रक्रिया को ही कभी-कभी इस तरह के छद्म विचारक नकारात्मक अर्थों में अति राष्ट्रवाद का नाम देने लगते हैं।

भारतीय संस्कृति मरणधर्मा संस्कृति नहीं है। यहां के लोग अमृतपथ के यात्री हैं। चेतना के सतत ऊर्ध्वारोहण के प्रति समर्पित। पश्चिम की तरह प्रकृति को जीतने की पागलपन वाली भाषा भारत नहीं बोलता। इसके लिए अपने भूखंड के हर प्राकृतिक पदार्थ-नदी, पेड़, पहाड़, जीव-जंतु, बादल और अग्नि आदि सभी पूजनीय हैं। उसके साथ ही पूरी सतर्कता और सतत सजगता के साथ वह जगत के धर्म का भी निर्वाह करता है। आपात स्थिति में आत्मरक्षा के लिए शौर्य के धर्म का पालन भी करता है। प्राणी मात्र को गले लगाना, स्नेह देना हमारा भारतीय धर्म है तो वहीं यह राष्ट्र प्रेम हमें किसी भी षड्यंत्र से सावधान रहने की शिक्षा भी देता है। कहीं हमारे प्रमाद का लाभ उठाकर हमारा ही कोई मित्र हमारे घर-परिवार पर आधिपत्य न जमा ले। वोट बैंक की राजनीति ने भारत के सांस्कृतिक आत्मा पर जितने प्रहार किए हैं, उससे सावधान रहने की आवश्यकता है। इस प्रकार भारत की पहचान और अस्मिता के प्रति जागरूकता की भावना ही वास्तव में राष्ट्रवाद है, जिसे जगाने का काम इस चुनाव में किया जाना चाहिए।

(लेखिका साहित्यकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

आनंद

आनंद हमारे जीवन का मुख्य लक्ष्य है, पर यह हमारा अंतिम गंतव्य नहीं, बल्कि एक यात्रा है। जीवन आनंदमय हो और सतत आगे बढ़ता जाए, इसी कामना में तो सभी जिए जा रहे हैं। जीवन की यह यात्रा चार स्तरों से गुजरती है। हर स्तर पर विशिष्ट कार्यशैली की आवश्यकता होती है। हम प्रयास कर सकते हैं, पर सफलता ईश्वर की कृपा पर निर्भर है।

प्रथम स्तर है, ईश्वर की पहचान। इस स्तर पर हमारा प्रयास अधिक से अधिक लोगों को, विशेष रूप से आध्यात्मिक साधकों को, इस शुभ कर्म पथ पर साथ लाने का होना चाहिए। दूसरा स्तर है, सृष्टि से एकात्मता। इस स्तर पर चुनौतियां न केवल हमारी मानवीय और जैविक प्रवृत्तियों से आती हैं, बल्कि अजैविक शक्तियों से भी आती हैं। इस स्तर पर हमें सृष्टि की हर चीज के साथ एकात्मता का अनुभव करना होगा। हमें समझना होगा कि इस अस्तित्व का हर कण, हर परमाणु उसी परम सत्ता का अंश है। तीसरा स्तर है, मानसिक अनुभव और सिद्धियां। इस स्तर पर विकास की गति तेज होती है और साधक कुछ सिद्धियों को प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन यहां खतरा भी अधिक है। साधक को इन सिद्धियों का दुरुपयोग करने का प्रलोभन हो सकता है। इसलिए इस स्तर पर ईश्वर की कृपा और मजबूत मानसिक शक्ति की आवश्यकता होती है। इस स्तर पर परमात्मा परम गुरु बन जाते हैं, जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। साधक को अनुभव करना होगा कि वह ईश्वर की इच्छा से ही इस धरती पर आया है और उनकी इच्छा की प्राप्ति के लिए ही प्रयास कर रहा है। चौथा स्तर है, मन का एकाग्र होना। इस स्तर पर सभी लक्ष्य, पदार्थ, अहसास एक बिंदु में समाहित हो जाते हैं। मन एकाग्र हो जाता है और यही आनंद प्राप्ति का मार्ग है। इस स्तर पर साधक को पूर्ण आत्मज्ञान और आनंद की प्राप्ति होती है।

ईश्वर में विश्वास, समर्पण और सही मार्गदर्शन के साथ हम सभी आनंद के इस पथ पर आगे बढ़ सकते हैं और जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

श्री श्री आनंदमूर्ति

एकाकीपन की त्रासदी, घुट रहा आदमी

सोनम लववंशी

हम बचपन से यह सुनते आए हैं कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, लेकिन अब यह परिपाटी बदल रही है। आधुनिकता की चकाचौंध में इंसान न केवल स्वार्थी, बल्कि आत्मकेंद्रित भी हो गया है। मैं, मेरा और सिर्फ मेरी जिंदगी को ही जीवन का ध्येय बना लिया है। मानव स्वार्थ के मोह में अंधा हो गया है जिसकी कीमत अब एकाकीपन के दर्द से चुकानी पड़ रही है। भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अधिकांश लोग एकाकीपन के दर्द से जूझ रहे है। अकेले अमेरिका में ही करीब 61 प्रतिशत लोग एकाकीपन की पीड़ा का दंश झेल रहे हैं। मतलब हर 10 में से छह आदमी अपने जीवन में खुद को अकेला महसूस कर रहा है। आश्चर्य की बात है कि सबसे ज्यादा तादाद उन लोगों कि है जो घंटों इंटरनेट मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। विडंबना देखिए कि सोशल लाइफ का आकार तो बढ़ गया, लेकिन करीबियों का साथ छूट गया। पुरुषों में आत्महत्या और नशाखोरी के बढ़ते मामले के पीछे की वजह कहीं न कहीं बढ़ता एकाकीपन ही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया की एक चौथाई आबादी से ज्यादा आबादी को प्रभावित करने वाले एकाकीपन को जन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना है।

> लोगों में आत्महत्या और नशाखोरी के बढ़ते मामले के पीछे की वजह कहीं न कहीं बढ़ता एकाकीपन ही है

एकाकीपन इंसान को जीते-जी मार देता है। बर्नार्ड शा के मुताबिक 'लोग मरते तो बहुत पहले हैं, लेकिन दफनाए बहुत बाद में जाते हैं। मरने और दफनाते के बीच का यह फासला ही अकेलेपन की त्रासदी है, जिसमें आदमी घूट-घूट कर जी रहा है।" आज पूरी दुनिया यह मान रही है कि परिवार कितना जरूरी है। बिखरते परिवारों की कीमत हमारा समाज चुका रहा है। आज भले ही फेमिनिस्ट अकेली स्त्री को आजाद और आधुनिक बताकर उसका महिमा मंडन कर रहे हों, लेकिन कड़वी सच्चाई यही है कि जब कोई मुसीबत आती है तो परिवार के सदस्य ही दुख-दर्द बांटने आते हैं। आज हमारे समाज में तलाक का ग्राफ बढ़ गया है। आज का युवा भले ही इसे चिंतामुक्त जीवन का नाम दे रहा हो, पर इसकी कीमत भावनात्मक लगाव की कमी के रूप में चुकानी पड़ रही है।

अभी चंद दिनों पहले कानपुर से एक खबर आई थी कि एक इकलौते बेटे ने कनाडा से वीडियो काल के जरिये अपने पिता को अंतिम संस्कार कर विदाई दी। सोचिए हमारा समाज किस दिशा में बढ़ चला है। जिस पिता ने अपने बेटे की सफलता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, वही जीवन के अंतिम समय में एकाकीपन और घुटन भरी जिंदगी जीने के लिए मजबूर हो गया। आज हमारे समाज का यही कड़वा सच हो चला है। जो मानवीय मूल्यों के ह्रास का जीता-जागता उदाहरण है। इसे जितनी जल्दी हो सके बचाने का सामाजिक मुहिम शुरू होनी चाहिए, वरना समाज में एकाकीपन का रोग किसी महामारी से कम नहीं होगा।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

विपक्ष के पास एक मजबूत नेता का अभाव

'विपक्ष की रणनीतिक दुर्बलता' शीर्षक से लिखे आलेख में डा. एके वर्मा ने विपक्ष के महत्वहीन, भ्रामक एवं कमजोर चुनावी मुद्दों पर प्रकाश डाला है, जो कि सत्य है। विपक्ष ने 18वीं लोकसभा के इस चुनाव में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों, विदेश, प्रतिरक्षा, शिक्षा, कृषि एवं आर्थिक गतिविधियों से संबंधित स्पष्ट नीतियों को जनता के सामने नहीं रखा है। और न ही अपने सभी सहयोगी दलों की सहमति से अपने राष्ट्रीय नेता का चेहरा स्पष्ट किया है। इन सबके बीच राहुल गांधी अपनी छवि एक सशक्त, मजबूत और राष्ट्रहित में कड़े निर्णय लेने वाले नेता के रूप में अभी तक नहीं बना पाए हैं। भारतीय जनता के मानस पटल पर अभी भी उनकी छवि एक अपरिपक्व, स्वयं की कोई राष्ट्रीय विचारधारा न होना, किसी भी राष्ट्रीय, सामाजिक, आर्थिक एवं वैश्विक परिदृश्य की चुनौती से न निपट पाने वाले नेता की ही है। विपक्ष के अन्य दलों के नेताओं की स्थिति भी ज्यादा मजबूत नहीं है। कुल मिलाकर कर विपक्ष जनता को भाजपा के मुकाबले एक राष्ट्रीय नेता और वैकल्पिक नीति नहीं दे पाया है। इसके उलट वे अनुच्छेद-370 को वापस लाने, जीएसटी को खत्म करने जैसे औचित्यहीन मुद्दों को लेकर जनता के बीच घूम रहे हैं। अगर विपक्ष के पास इस आम चुनाव में एक सर्वमान्य राष्ट्रीय नेता होता, महंगाई नियंत्रण की सुस्पष्ट नीति होती, रोजगार सृजन का रोडमैप होता, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने का विजन होता, पुरातन पड़ चुकी स्कूली एवं उच्च शिक्षा नीति, राष्ट्रीय चिकित्सा नीति, राष्ट्रीय कृषि नीति को वर्तमान जरूरतों के अनुसार बदलने की मंशा होती, समावेशी विकास को विस्तार देने की इच्छाशक्ति होती तो वह भाजपा को जरूर इस बार कड़ी टक्कर दे सकता था।

धीरेंद्र उत्तम, उन्नाव

मेलबाक्स

विपक्ष की दुर्बलता

लोकतंत्र को जीवन शक्ति प्रदान करने वाले चुनाव अब चरम सीमा पर हैं। भाजपा के 'चार सौ पार' वाले विश्वसनीय आह्वान से विपक्ष तितर-बितर होता नजर आ रहा है। 'मोदी हटाओ' की ललकार अब ठंडी पड़ गई है। अंततः विपक्ष को राष्ट्रीय मुद्दों से परहेज हो गया है। मुख्य धारा को छोड़कर केवल सत्ता के लालच में अपने दायित्व से मुखर जाने वाली सियासत से मतदाता को प्रभावित करना मुश्किल है। विपक्ष के पास रेवड़ियां बांटने के अलावा कोई स्पष्ट नीति नहीं है। न तो उनके पास शिक्षा, आरोग्य, कृषि, विदेश, विकास, आर्थिक, रोजगार, उद्योग नीतियों की निश्चित रूपरेखा का कोई रोडमैप है। विपक्ष का संगठन भी मजबूत नहीं है और यह सबसे बड़ी कमजोरी है। आइएनडीआइए के सभी घटक दल कभी भी बिखर जाने की आशंका से भयभीत हैं। जातीय ध्रुवीकरण की बात करने वाले विपक्ष को समझना होगा कि सभी जाति-पंथ के लोग भाजपा से जुड़ गए हैं। विपक्ष को मजबूत संगठन के साथ, दलगत राजनीति से ऊपर उठना होगा तभी राष्ट्रीय राजनीति के द्वार खुल पाएंगे वरना सत्ता का सिंहासन एक स्वप्न बनकर रह जाएगा।

नूतन कुमार, नोएडा

अनावश्यक संदेह

संदेह का कोई इलाज नहीं है, बल्कि विश्वास करना ही इसका उपयुक्त विकल्प है। शिकवे-शिकायत में संदेह की कहीं जगह नहीं है। बेशक इसका निपटारा करने के लिए उसके साथ अकाट्य सुबूतों की जरूरत होती है। न्यायालय भी दुर्लभ से दुर्लभ केसों में संदेह के आधार पर आरोपियों को बरी कर देता है। चुनाव आयोग ने जिस मजबूती के साथ विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया है, उससे अब लगता है कि खासकर कांग्रेस को अब चुनाव आयोग पर अंगुली उठाने से पहले जरूर विचार करना होगा। कांग्रेस को चुनाव आयोग में जाने के पूर्व उच्चतम न्यायालय के उस आदेश का अध्ययन कर लेना चाहिए था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने शत-प्रतिशत वीवीपैट के मिलान की मांग खारिज करते हुए ईवीएम पर भरोसा जताया है। हालांकि अब तक राज्यों के निर्वाचन विभागों और केंद्रीय निर्वाचन आयोग को कांग्रेस के मुकाबले भाजपा ने अधिक संख्या में शिकायतें की हैं।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

51 हजार रुपये है एक साल में एक सांसद पर सरकारी स्वास्थ्य सेवा का खर्च, जबकि एक आम आदमी पर यह खर्च केवल 1,800 रुपये ही है।

डा. अजय खेमरिया
लोकनीति विश्लेषक

आजकल

स्वास्थ्य का अधिकार और चुनावी शोरगुल

अक्सर उपचार के खर्च को लेकर निशाने पर रहने वाले निजी अस्पतालों पर उच्चतम न्यायालय इस साल दो बार सख्त टिप्पणी कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें यदि निजी अस्पतालों में एकरूपता के साथ उपचार की दरें तय नहीं कर पाती हैं तो कोर्ट स्वयं सीजीएचएस यानी केंद्रीय कर्मचारियों के लिए निर्धारित दरों को देश भर में लागू करने के आदेश दे देगा। लिहाजा जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में कायम विसंगतियां भी चुनावी मुद्दे बनने चाहिए

स्वास्थ्य क्षेत्र में कायम विसंगतियों को दूर करने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। फाइल

देश में हर साल 6.3 करोड़ लोग महंगे इलाज के चलते गरीबी के दलदल में फंस जाते हैं, लेकिन देश के आम चुनावों में यह मुद्दा कहीं भी सुनाई नही दे रहा है। आरक्षण, संविधान बदलने और धार्मिक तुष्टीकरण, जातिगत जनगणना जैसे मुद्दे इस लोकसभा चुनाव में विमर्श का केंद्रीय बिषय बने हुए हैं, जबकि जनसरोकार की राजनीति के लिए यह जरूरी था कि पक्ष-विपक्ष जनस्वास्थ्य पर भी अपनी चिंताओं को लेकर वोटरों के बीच जाते। कोरोना काल में निजी अस्पतालों ने जिस तरह मनमाना उदाहरण जनता के सामने प्रस्तुत किया था, उसके बाद यह आशा जगी थी कि सरकारें इस महत्वपूर्ण मसले पर नीतिगत रूप से आगे बढ़ेंगी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के ताजा रुख से स्पष्ट है कि देश में निजी अस्पतालों पर किसी तरह का अंकुश नहीं है।

स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए इस मामले में जवाबदेह राज्य सरकारें ही हैं। 15 साल पहले क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट बनाया गया जिसमें निजी अस्पतालों के लिए विनियमित करने के प्रविधान थे, लेकिन अभी तक केवल 15 राज्यों ने ही इसे अपने यहां लागू किया है। परिणामस्वरूप देश की राजधानी दिल्ली से लेकर हरियाणा, और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में निजी अस्पताल आम आदमी के लिए लूट के अड्डे बन गए हैं। भारत को दुनिया का फार्मा हब कहा जाता है, लेकिन इसके बावजूद देश के लोग ब्रांडेड दवाओं के नाम पर महंगी दवाओं पर निर्भर हैं। इस मामले में एक पूरा इकोसिस्टम काम करता है, क्योंकि भारत में दवाओं का कारोबार दो लाख करोड़ रुपये का है। बड़ी कंपनियां पे रोल पर बड़ी संख्या में डाक्टरों को अपने यहां रखती हैं जो रिसर्च के नाम पर अलग अलग बीमारियों के लिए ब्रांडेड दवाओं के लिए वातावरण बनाने का काम करते हैं। नतीजतन मोदी सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद जन औषधि केंद्रों के जरिये सस्ती दवाओं की उपलब्धता का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि देश के कुल पंजीकृत एलोपैथी डाक्टरों का केवल 20 प्रतिशत ही सरकारी सेवाओं में है यानी 80 प्रतिशत डाक्टरों पर सरकार का कोई सीधा नियंत्रण नहीं है। जाहिर है सस्ती दवाओं को प्रचलन में लाया जाना बगैर डाक्टरों के संभव नहीं है। दूसरी तरफ लगभग 800 ब्रांडेड दवाओं की कीमत पिछले दो साल में ही 15 प्रतिशत तक बढ़ गई है। केंद्र सरकार के अधीन दवा मूल्य नियंत्रण प्राधिकरण ने ही दाम बढ़ाने की अनुमति दी है। कारपोरेट इंडिया की हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश में स्वास्थ्य संबंधी महंगाई पिछले पांच साल खासकर कोरोना के बाद 14 प्रतिशत बढ़ गई है। यह बढ़ोतरी सामान्य मुद्रास्फीति के दोगुने के बराबर है। वैश्विक रूप से देखें तो भारत में 63 प्रतिशत लोगों का खर्चा अपनी आमदनी के अनुपात में इलाज पर ज्यादा होता है। यानी लोग बगैर सरकारी मदद के अपना इलाज कराते हैं। इसमें खास बात यह है कि इस खर्च में 72 प्रतिशत खर्चा दवाओं और उपकरणों का होता है। यह तब है जब भारत विश्व में दवाओं के निर्माण में अग्रणी देश है।

आयुष्मान भारत : देखा जाए तो सरकारें आज भी आम आदमी के स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार की मान्यता देने में बहुत ही पीछे हैं। संसद में सरकार ने स्वयं बताया कि भारत में एक साल में एक आदमी पर एक साल में सरकारी खर्च महज 1,800 रुपये है, जबकि एक सांसद के ऊपर यह 51 हजार आता है। नेशनल हेल्थ अकाउंट्स की रिपोर्ट बताती है कि विगत वर्ष कुल 5.96 लाख करोड़ रुपये जनस्वास्थ्य पर खर्च हुए जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर 2.42 करोड़ ही खर्च किए, शेष राशि देश के नागरिकों ने अपनी जेब से खर्च की है। बेशक मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत जैसी अच्छी योजना आरंभ कर करीब 11 करोड़ परिवार और 50 करोड़ लोगों को पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि 50,409 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद महज 4.3 करोड़ लोग ही इसके जरिये प्रत्यक्ष लाभार्थियों में शामिल हुए हैं।

स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम की आवश्यकता है। आज भी निजी क्षेत्र के 71 प्रतिशत कर्मचारियों को अपने इलाज के लिए अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है, केवल 15 प्रतिशत कंपनियां ही अपने कर्मचारियों को बीमा कवरेज देती हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि 2023 में कामकाजी लोगों की संख्या 52.2 करोड़ है जो 2030 में बढ़कर 56.9 करोड़ हो जाएगी। स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का प्रीमियम भी इस बीच बढ़ रहा है। कोरोना के बाद से इसमें 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का दावा है कि उपचार की लागत के साथ बीमा दावे भी बढ़ रहे हैं। इसलिए बढ़ते प्रीमियम ऐसे वर्ग की पहुंच से दूर हो रहे हैं जो आयुष्मान जैसे कवरेज में नहीं आते हैं।

स्वास्थ्य बीमा : वर्ष 2023 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, बीमा पहुंच में 2.7 प्रतिशत से बढ़कर चार पर आ गई है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में भारत में स्वास्थ्य बीमा की पहुंच आज भी बहुत कम है। भारत विश्व में दूसरा सबसे कम बीमा कवरेज वाला देश है। एक महत्वपूर्ण पक्ष निजी बीमा कंपनियों की यह भी है कि लगभग 70 प्रतिशत क्लेम के मामले कंपनियों द्वारा खारिज कर दिए जाते हैं या विवादित होकर वे अलग अलग उपभोक्ता आयोग के पास पहुंचते हैं। हालांकि अधिकतर बीमा धारक तो विवाद की स्थिति में कानूनी सहायता से ही परहेज करते हैं। ऐसे में एक देशव्यापी स्वास्थ्य बीमा या गारंटी की आवश्यकता है जो लोगों को अपनी जेब से खर्च को कम कर एक समावेशी स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करती हो। वर्ष 2022 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार अगर कोई व्यक्ति केवल बुखार से पीड़ित होकर सरकारी अस्पताल में भर्ती होता है तो उसे 2,845 रुपये खर्च करने पड़ते हैं, वहीं निजी अस्पताल में यह खर्च 15,513 रुपये हो जाता है। अन्य बीमारियों के इलाज पर आने वाले खर्च का अंदाजा इससे सहज ही लगाया जा सकता है। देश में स्वास्थ्य पर जीडीपी का खर्च दो प्रतिशत ही है। यह खर्च यदि चार प्रतिशत तक बढ़ा दिया जाता है तो लगभग 45 प्रतिशत गरीब लोगों को बेहतर जीवन मुहैया करा सकता है।

सरकारी स्वास्थ्य खर्च का बड़ा हिस्सा आज भी बिल्डिंग, उपकरणों और अन्य अनुत्पादकीय मदों में होता है। हालांकि मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में नए मेडिकल कालेजों की संख्या दोगुनी से ज्यादा करके डाक्टरों की उपलब्धता को बढ़ाने का प्रयास किया है। वह डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कालेज की योजना से दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ रही हैं, लेकिन क्या इन कालेजों से निकलने वाले डाक्टर सार्वजनिक सेवाओं को अपनाने के लिए तैयार होंगे? साथ ही, आम आदमी के लिए सरकारी अस्पताल आज भी विश्वसनीय सेवाओं के केंद्र नहीं हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि देश में आम आदमी के लिए स्वास्थ्य का अधिकार कैसे संभव होगा? आम चुनाव में इसकी कहीं कोई चर्चा नहीं है।

भ्रष्टाचार के चंगुल में सरकारी अस्पताल

दीपिका शर्मा

राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में भ्रष्टाचार के बड़े मामले का सीबीआइ ने राजफाश किया है। आरोप है कि इस अस्पताल के कुछ डाक्टर मरीजों को विशेष दुकान से ही सर्जिकल उपकरणों को खरीदने का दबाव बनाते थे। साथ ही अस्पताल में भर्ती करवाने के नाम पर पैसा वसूलते थे। यह मामला पहला नहीं है, बल्कि इससे पहले दिल्ली के ही एक अन्य अस्पताल में भी पिछले वर्ष एक न्यूरो सर्जन और उसके चार साथियों को सीबीआइ ने गिरफ्तार किया था। आरोप था कि वह जल्दी अप्वाइंटमेंट व सर्जरी के बदले रिश्वत लेते थे। सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण खरीदने के लिए विशेष दुकान पर भेजा जाता था। इस रिश्वतखोरी के धंधे को सहजता से चलाने के लिए उसने एक बिचौलिया भी रखा था, जो न्यूरो सर्जन के निर्देश पर मरीजों के परिजनों से संपर्क करता था।

सोचने वाली बात यह है कि निजी अस्पतालों में यदि यह धंधा चलता है तो सरकार तक बात पहुंचने में समय लग सकता है, लेकिन सरकारी अस्पताल जिनके प्रबंधक स्वयं सरकारी विभाग के उच्च अधिकारी हैं, उन्हें इस तरह के भ्रष्टाचार की खबर क्यों नहीं लग सकी? चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति और उनके उपयोग पर नजर रखने के लिए क्या वहां कोई व्यवस्था नहीं है? आम तौर पर ऐसा देखा जाता है कि लगभग हर विभाग में शिकायत दर्ज कराने के लिए जनता को एक नंबर उपलब्ध कराया जाता है। क्या इस नंबर पर कोई शिकायत नहीं आती? क्या ये नंबर केवल औपचारिकता निभाए जाने के लिए हैं, जोकि शिकायत करने पर औपचारिक रूप से अक्सर बंद ही मिलते हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों में गरीब या मध्यम वर्ग का व्यक्ति ही इलाज के लिए जाता है। यदि इस तरह के भ्रष्ट डाक्टर संस्थानों का हिस्सा रहेंगे तो गरीब व्यक्ति कहां अपना इलाज कराएगा? कहने को जब सरकारी अस्पताल सिर्फ नाम को सरकारी रह जाएंगे, तो फिर आम मरीज कहां जाएगा अपना इलाज करवाने के लिए। लिहाजा जिस तरह की परिस्थितियां आज उत्पन्न हो गई हैं, ऐसे में जरूरी है कि सरकार को इस मामले को पूर्ण गंभीरता से लेना होगा। इसके लिए सबसे पहले तो ऐसे भ्रष्ट डाक्टर्स का लाइसेंस रद करने के साथ ही संलिप्त चिकित्सकों व कर्मचारियों को जेल की सजा भी दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह का कृत्य करने से पहले कोई सौ बार सोचे। इसके अलावा, सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि समय समय पर सरकारी अस्पतालों का गोपनीय निरीक्षण किया जाए, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी का पता समय रहते लगाया जा सके। वर्तमान में चुनावी दौर में जनता को भी इसके लिए सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाना होगा।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

खरी-खरी

निष्ठा का करवट लेना

रेखा शाह आरबी

अपने देश में चुनाव के साथ ही बहुत कुछ आता है। बहुत कुछ से तात्पर्य है वादे-इरादे, झूठ-सच, छल-कपट और साथ ही निष्ठाओं की बाढ़ सी आ जाती है। कोई नेता अच्छा भला रात को खा-पीकर चैन से सोता है। अपनी पार्टी के लिए अच्छी-अच्छी बातें और योजनाओं आदि के बारे में सोच कर सोता है। उस समय उसकी निष्ठा पूरी तरह उसकी पार्टी के प्रति समर्पित होती है। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि सुबह उठता है तो उसकी निष्ठा कहीं और के लिए फुर्र हो जाती है। बता दे कि हिंदू दर्शन में निष्ठा का अर्थ है। बहुत समर्पित, विश्वासी, भक्त व्यक्ति से है। सोचिए, रातों-रात यह फुदक कर और कहीं फुर्र हो जाती है। आजकल की निष्ठाओं के पंख होते हैं, जहां उड़ने को आकाश मिला, वहीं पर उड़ जाते हैं।

कुछ इस टाइप के एक नेता हैं मांगी लाल जी। दरअसल मांगी लाल जी अपने क्षेत्र के लोगों के लिए अपने नेता हैं। उनकी पहुंच ऊपर से नीचे तक सिस्टम में है। और सिस्टम में पहुंच होने का मतलब है कि छोटे-मोटे कर्मकांड में पुलिस का आंख मूंद लेना या छूने की हिमाकत न करना। मांगी लाल दरिया दिल इंसान हैं, उनके ही दम से उनको जानने वाले रंगबाजी बतियाते हैं। अर्थात मांगीलाल पूरी तरह से जमीनी स्तर के नेता हैं। एक तरह से देखा जाए तो इनके इलाके के सारे लोग ही उनके समर्थक हैं। मांगी लाल चुनाव में अपनी अलाना पार्टी के लिए घनघोर प्रचार कर रहे थे। मांगी लाल की निष्ठाएं अपनी पार्टी के लिए एकदम समर्पित थीं। उनसे ज्यादा समर्पित कार्यकर्ता पूरी पार्टी में कोई नहीं था। उनकी पार्टी भक्ति पर रत्ती मात्र संदेह की गुंजाइश नहीं थी। अपनी पार्टी की तरफ से घूम घूम कर बहुत सारे वादे सपने उन्होंने जनता को दिखा दिए थे।

उस दिन भी मांगी लाल जी ने दिन भर प्रचार किया और शाम को घर आए, फिर सोने चले गए। पता नहीं, रातों-रात कौन से ग्रह नक्षत्र बदले, क्या हुआ। अगले दिन उनकी निष्ठा फलाना पार्टी के लिए समर्पित हो गई। उस पार्टी की ओर से टिकट भी मिल गया। माल वही था, बस रैपर बदल गया। कंपनी की क्वालिटी बदल गई। लोग कहते हैं कि मांगी लाल की निष्ठा ने करवट ले ली।

X पोस्ट

इतनी लंबी चुनाव प्रक्रिया के बीच एक सुझाव यह भी दिया जा रहा है कि जिन राज्यों में चुनाव निपट चुके हों, वहां आचार संहिता हटाना कैसा रहेगा? लोग शिकायत कर रहे हैं कि अधिकारीगण संहिता के बहाने से काम टालने में लगे हैं।
लाला @Lala_The_Don

केकेआर बनाम मुंबई इंडियंस मैच के परिणाम में केकेआर की जीत और मुंबई की हार की आदत नजर आई। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या दोनों का फार्म चिंता का सबब बन गया है।
सुशील दोशी @RealSushilDoshi

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को इस तरह समझें कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल न्यायिक हिरासत में ही हैं, जबकि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिली है।
कमलेश सिंह @kamleshksingh

केजरीवाल को जिन कारणों और शर्तों पर जमानत मिली है, वह हेमंत सोरेन पर भी लागू होती हैं। हालांकि कोर्ट ने उन्हें कानूनी पेचीदगियों में उलझाया हुआ है। आशा है कि उन्हें भी जमानत मिलेगी। अन्यथा एक गलत संदेश जाएगा।
द सोशल साइंटिस्ट @socially321

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या टी-20 विश्व कप में विराट कोहली को ओपनिंग करना चाहिए?

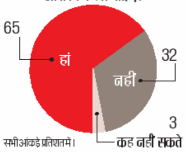

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि प्लेआफ से पहले आइपीएल से किनारा करने वाले खिलाड़ियों की फीस काटी जानी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

मंत्री थे इक पाक के श्री 'चौधरी मवाद',
फोड़ा फूटा हो गए बेचारे वह बाद।
बेचारे वह बाद उन्हें याद आते राहुल,
जिनकी बत्ती आज दिख रही है चहुंदिश गुल।
मणिशंकर अरु सैम बने हैं जिनके तंत्री,
बन पाएंगे आप किस तरह प्रधानमंत्री!
– ओमप्रकाश तिवारी

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

छत्तीसगढ़ डायरी

चर्चा में चुनाव परिणाम बाद की रणनीति

चुनावी भागदौड़ और आरोप-प्रत्यारोप की होड़ पर प्रदेश में विराम लग चुका है। लोकसभा चुनाव के लिए पहले तीन चरणों में ही प्रदेश की सभी 11 संसदीय सीटों पर मतदान हो चुका है। अब तो भविष्य की चर्चा का समय है। जनता के बीच चिंतन-मनन का दौर है। यह होगा तो वह होगा, ऐसा होगा तो वैसा होगा। जमकर कयास लगाए जा रहे हैं। इन सबके बीच पक्ष-विपक्ष के नेता और समर्थक भी मान रहे हैं कि अगली सरकार भाजपा की ही होगी। सीटों की संख्या पर मतभेद अवश्य है। मुख्य विषय केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ के सांसदों को स्थान, प्रदेश के मंत्रिमंडल में बदलाव और विधानसभा उपचुनाव के भावी उम्मीदवार हैं। यद्यपि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रदेश में 45 दिनों में रिकार्ड 106 सभाओं के बाद अब ओडिशा, झारखंड और अन्य प्रदेशों में चुनावी अभियान में जुट गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेता भी दूसरे प्रदेशों में तय जिम्मेदारियों के अनुसार प्रवास पर हैं। दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई कांग्रेसी नेताओं ने रायबरेली में राहुल गांधी के लिए डेरा डाल चुके हैं।

आकलन, संभावनाओं और दावेदारों पर चर्चाओं का दौर जारी है। वर्ष संसदीय चुनाव में जीत के आकलन का दायरा भाजपा के पक्ष में 11-0 से लेकर सात-चार तक ऊपर-नीचे हो रहा है। वर्ष 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में नौ-दो से बढ़त ली थी। अब सभी चार जून के इंतजार में हैं। इधर विधायकों को इंतजार है मंत्री पद का। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 80 में से 54 सीटों पर विजयी भाजपा रही। वर्तमान में 12 मंत्री हैं तथा एक पद रिक्त है। सबको उम्मीद है कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के साथ एक और मंत्री पद रिक्त हो जाएगा। मंत्री के दो पदों के लिए 42 दावेदार हैं। अब विष्णुदेव साय भी मुख्यमंत्री के रूप में छह महीने के अनुभवी हो चुके हैं। भाजपा की सरकार में केंद्रीय नेतृत्व, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रदेश नेतृत्व की भूमिका से भी सभी अवगत हैं। इसलिए सोचते-समझते हुए कदम बढ़ा रहे हैं। धरमजीत सिंह, धरमलाल कौशिक, रेणुका सिंह, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, लता उसेंडी और विक्रम उसेंडी सहित कई विधायकों को उम्मीद है कि उनके अनुभव और वरिष्ठता का ध्यान रखते हुए मंत्रिमंडल में स्थान दिया जाएगा।

ओडिशा के कालाहांडी में एक चुनावी सभा में विष्णुदेव साय। सीएम के एक्स-पोस्ट से

विधानसभा उपचुनाव : प्रदेश में चर्चा का दूसरा विषय विधानसभा उपचुनाव है। कांग्रेस ने तीन तो भाजपा के एक विधायक संसदीय चुनाव मैदान में हैं। सभी मानकर चल रहे हैं कि रायपुर संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी के बृजमोहन अग्रवाल रिकार्ड मतों से विजयी होंगे। उधर कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, बस्तर में पूर्व मंत्री कवासी लखमा और बिलासपुर में पूर्व संसदीय सचिव देवेंद्र यादव की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। कांग्रेसी बघेल के क्षेत्र पाटन और लखमा के क्षेत्र कोंटा में उलट-पुलट की स्थिति में विधानसभा उपचुनाव की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

चर्चा का अगला मुद्दा केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान पाने से संबंधित है। केंद्रीय नेताओं के साथ सरोज पांडेय का तालमेल भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहते हुए कुछ इस तरह मजबूत हुआ है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोरबा में मंच से घोषणा कर दी कि वह बिना बुलाए प्रचार करने आए हैं। इधर विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल को चुनौती देने वाले निवर्तमान सांसद विजय बघेल लगातार दूसरी बार दुर्ग सीट से मैदान में हैं। चुनाव जीतने की स्थिति में राजनांदगांव सीट से लगातार दूसरी बार चुने जाने पर संतोष पांडेय भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान के दावेदार होंगे। कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी में आए चिंतामणि महाराज भी केंद्रीय मंत्रिमंडल के लिए दावेदारों की सूची में हैं।

यह भी सत्य है कि भाजपा में कोई भी नेता अंतिम तौर पर ठोक बजाकर दावा करने की स्थिति में नहीं है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्रियों के नामों की घोषणा ने इसे स्थापित भी कर दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भले ही सार्वजनिक तौर पर यह स्वीकार कर सकते हैं कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के दिशानिर्देश में पार्टी में निर्णय लिए जाते हैं, परंतु भाजपा में तय करना मुश्किल है कि कौन सा फैक्टर कहां काम करता है। ऐसे में केंद्रीय मंत्रिमंडल से लेकर प्रदेश के मंत्रिमंडल तक की बातें केवल बतकही तक ही मानी जा रही हैं, अभी तो सबका ध्यान केंद्र में एनडीए सरकार की वापसी और प्रदेश की 11 सीटों के चुनाव परिणाम पर ही लगा हुआ है।

मंथन

शुभम केवलिया
असिस्टेंट प्रोफेसर, शहीद भगत सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

भोजशाला का सनातन वैभव

मध्य प्रदेश के धार में स्थित भोजशाला के वैभव को एक बार फिर से स्थापित करने के लिए वहां उत्खनन कार्य जारी है। अब तक प्राप्त तमाम साक्ष्य इसके हिंदू मंदिर होने की पुष्टि करते हैं

मध्य प्रदेश में धार स्थित भोजशाला में मंदिर के स्तंभ। सौजन्य : लेखक

भारतीय इतिहास में परमार वंशीय राजाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। वे अपनी राजनीतिक उपलब्धियों के लिए ही नहीं, अपितु कला व स्थापत्य के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए भी प्रसिद्ध हैं। वर्तमान संवत की 10वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी तक मध्य भारत के बड़े भूभाग पर शासन करने वाले इन शासकों की राजधानी मध्य प्रदेश में स्थित धार नामक नगरी थी। इस वंश के सर्वाधिक प्रतापी राजा जिन्हें हम राजा भोज के नाम से जानते हैं, अत्यंत कला प्रेमी थे। 11वीं शताब्दी के प्रारंभ से मध्य तक शासन करने वाले राजा भोज ने अपनी राजधानी में ज्ञान की देवी मां सरस्वती या वाग्देवी के लिए एक मंदिर का निर्माण करवाया। यह मंदिर उस काल में शिक्षा ग्रहण करने का एक महत्वपूर्ण केंद्र भी था। उस काल में दूरस्थ स्थानों से हिंदू जन मां वाग्देवी के दर्शन करने आते थे। परंतु मध्यकाल में हुए मुस्लिम आक्रमण में अन्य हिंदू मंदिरों की तरह ही भोजशाला का वैभव भी नष्ट कर दिया गया।

पुनर्जागरण के इस काल में हिंदू जनमानस अपने उस धूमिल कर दिए गए गौरवशाली अतीत को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देता है। 'प्रत्नकीर्तिमपावृणु', इस ध्येय वाक्य का अनुसरण करने वाले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के द्वारा किए गए पुरातात्विक उत्खनन ने हाल ही में यह सिद्ध किया है कि काशी विश्वनाथ के पास खड़ा ढांचा, एक हिंदू मंदिर को विध्वंस कर बनाया गया है। इसी कड़ी में धार स्थित भोजशाला के सत्य को जानने के लिए ही माननीय उच्च न्यायालय ने भोजशाला के पुरातात्विक सर्वेक्षण का आदेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को दिया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की वार्षिक पत्रिका इंडियन आर्कियोलाजिकल रिव्यू 1984-1985 (आइएआर 1984-1985) में यह लिखा है कि धार स्थित भोजशाला मूल रूप से मां सरस्वती के लिए बनाया गया एक मंदिर है, जिसका निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा भोज द्वारा किया गया था। भोजशाला के पश्चिम व उत्तर में मंदिर के अधिष्ठान के चिह्न विद्यमान हैं, जिसका उल्लेख भी उसमें किया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के द्वारा मुद्रित कार्पस इंस्क्रिप्शन इंडिकेरम, खंड सात में भी इस बात का उल्लेख है कि एक ब्रिटिश अधिकारी को भोजशाला के अवशेषों के पास ही से एक सरस्वती (वाग्देवी) की मूर्ति प्राप्त हुई थी जो वर्तमान में ब्रिटिश संग्रहालय में है। पुस्तक में दिए विवरण के अनुसार यह प्रतिमा मां वाग्देवी की है तथा इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा भोज द्वारा करवाया गया था। उपरोक्त जानकारी का आधार मां वाग्देवी की प्रतिमा पर अंकित अभिलेख है। भोज द्वारा निर्मित भोजशाला में यह प्रतिमा स्थापित की गई होगी, इसका उल्लेख भी उस पुस्तक में किया गया है। वर्ष 1987 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किए गए उत्खनन में भोजशाला से हिंदू धर्म से संबंधित 32 मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। विभिन्न शोध कार्य यह दर्शाते हैं कि भोजशाला हिंदू मंदिर ही है।

पुरातत्व विभाग का एक दल भोजशाला व उसके निकट स्थित कालांतर में बनाई गई दरगाह में प्रस्तर पर अंकित शिलालेखों के छापे (स्टांपेज) लेगा। इनके आधार पर इनकी प्राचीनता का आकलन किया जाएगा। पुरातत्वविद केके लेले के अनुसार भोजशाला के दो स्तंभों पर अंकित कुछ अभिलेख इस ओर संकेत करते हैं कि इन्हें व्याकरण के किसी आचार्य द्वारा लिखवाया गया था। उनके अनुसार छात्रों के ज्ञानार्जन के लिए इनका उपयोग होता होगा। पुरातत्व के क्षेत्र में अभिलेखों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है, ऐसा प्रतीत होता है कि भोजशाला में मिलने वाले अभिलेख उसके पुराने वैभव को पुनः प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उत्खनन से यह स्पष्ट हो जाएगा कि क्या धरती के भीतर मंदिर के अवशेष विद्यमान हैं या नहीं। वैसे तो पूर्व में ही भोजशाला के पश्चिम व उत्तर में अधिष्ठान (नागर शैली में बनने वाले मंदिरों का सबसे निचला भाग) के अवशेष देखे गए थे। यह अवशेष स्वतः इस बात को सिद्ध कर देते हैं कि मंदिर का विध्वंस कर नवीन ढांचे का निर्माण किया गया है। उत्खनन में मिलने वाले मंदिर के अधिष्ठान की बनावट के आधार पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि इसका निर्माण किस काल में किया गया था। भोजशाला में हो रहे सर्वेक्षण एवं उत्खनन से संबंधित एक और कौतूहल का विषय कार्बन डेटिंग प्रविधि है। यहां यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि इस प्रविधि का उपयोग कर केवल जैविक पदार्थों की ही उम्र ज्ञात की जा सकती है। उत्खनन में यदि राख या कोयला आदि के अवशेष मंदिर के मूल अधिष्ठान व भवन के बीच से प्राप्त होते हैं तो ये उस काल में मंदिर के हुए विध्वंस की घटना को सिद्ध करने में सहायक होंगे। कार्बन डेटिंग से जले हुए उन जैविक पदार्थों की उम्र ज्ञात करने से स्पष्ट होगा कि मंदिर का विध्वंस कब किया गया था। आम जनमानस में यह भ्रम विद्यमान है कि पत्थर की कार्बन डेटिंग की जा सकती है, जो तथ्यहीन है। पूर्व में हुए उत्खनन से भी हिंदू धर्म से संबंधित मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। आशा है कि वर्तमान में किए जा रहे उत्खनन में भी ऐसे अवशेष पुनः प्राप्त होंगे।

****

नए संयंत्रों पर 4,500 करोड़ का निवेश करेगी एस्कार्ट

नई दिल्ली : कृषि और निर्माण उपकरण बनाने वाली कंपनी एस्कार्ट कुबाटा लिमिटेड नए मैन्यूफैक्चरिंग संयंत्रों पर 4,500 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) भरत मदान ने कहा कि यह निवेश अगले 3-4 वर्षों के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम इस वर्ष जमीन खरीदे जाने की उम्मीद कर रहे हैं, जिस पर चालू वित्त वर्ष के अंत तक निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। (प्रेट्र)

हम बिक्री बुकिंग के मामले में शीर्ष बिल्डर बनने की दौड़ में नहीं है। कंपनी उच्च लाभ मार्जिन के साथ लगातार और अनुमानित विकास हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

— अभिषेक लोढ़ा, सीईओ, मैक्रोटेक डेवलपर्स

एक नजर में

मारुति को छह लाख सीएनजी कार बेचे जाने की उम्मीद

नई दिल्ली : देश की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने उम्मीद जताई है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सीएनजी कारों की बिक्री 30 प्रतिशत बढ़ सकती है। कंपनी में कारपोरेट मामलों के कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने कहा कि पिछले वर्ष हमने 4.5 लाख सीएनजी कारें बनाई थीं। इनकी संख्या इस वर्ष छह लाख तक पहुंच सकती है। (प्रेट्र)

बीते वित्त वर्ष में कोयला आयात आठ प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली: गर्मियों के दौरान बिजली की ज्यादा मांग रहने के चलते वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश का कोयला आयात आठ प्रतिशत बढ़ा है। बी2बी ई-कामर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, पिछले वर्ष कुल कोयला आयात 26.82 करोड़ टन रहा है। इससे पहले 2022-23 के दौरान कुल कोयला आयात 24.90 करोड़ टन रहा था। (प्रेट्र)

80 हजार करोड़ का निवेश करेगी अदाणी एंटरप्राइजेज

नई दिल्ली : अदाणी एंटरप्राइजेज चालू वित्त वर्ष में 80 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रही है। कंपनी के डिप्टी मुख्य वित्तीय अधिकारी सौरभ शाह ने कहा कि यह निवेश नवीन ऊर्जा और एयरपोर्ट कारोबार में किया जाएगा। 80 हजार करोड़ रुपये में से एयरपोर्ट और अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड में 50 हजार करोड़ का निवेश होगा। (प्रेट्र)

सरकारी कंपनियों ने किया 50 हजार करोड़ का निवेश

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी कंपनियों का अप्रैल में पूंजीगत व्यय 50 हजार करोड़ रुपये रहा है। यह पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के कुल लक्ष्य 7.77 लाख करोड़ का 6.46 प्रतिशत है। हालांकि, यह अप्रैल 2023 के 54,177 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से कम है। एक अधिकारी ने कहा कि पूंजीगत व्यय में आने वाले समय में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा, अप्रैल के आंकड़े प्रारंभिक हैं और अंतिम आंकड़ों में इसमें वृद्धि होगी। (प्रेट्र)

अमेरिका को खूब बढ़ा निर्यात, चीन रहा सबसे बड़ा साझेदार

पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत से अमेरिका को निर्यात 48 प्रतिशत तो चीन से आयात में 44 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी

रिपोर्ट

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार 118.4 अरब डालर रहा
- अमेरिका के साथ द्विपक्षीय कारोबार बीते वित्त वर्ष के दौरान 118.3 अरब डालर रहा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका सबसे आकर्षक बाजार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय कारोबार 118.3 अरब डालर रहा है। इसके बावजूद अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार नहीं है। बीते वर्ष चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार रहा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 118.41 अरब डालर रहा है। यह बात वैश्विक कारोबार पर शोध करने वाली एजेंसी जीटीआरआइ की नई रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, बीते पांच वर्षों के दौरान अमेरिका को भारत से होने वाला निर्यात 47.9 प्रतिशत बढ़कर 77.52 अरब डालर हो चुका है। कारोबार संतुलन पूरी तरह से भारत के पक्ष में (36.74 अरब डालर) है। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में चीन से होने वाला आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डालर से 101.72 अरब डालर हो गया है। जबकि इस दौरान चीन को होने वाला निर्यात लगभग उसी स्तर पर है। वित्त वर्ष 2018-19 में भारत ने चीन को 16.8 अरब डालर का निर्यात किया था, जो वर्ष 2023-24 में 16.66 अरब डालर रहा है। पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत से निर्यात में 2022-23 के मुकाबले 8.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार रहा है। अमेरिका को जिन उत्पादों का निर्यात किया गया है उनमें लौह अयस्क, कपास, हैंडलूम उत्पाद, मसाले, फल व सब्जियां और प्लास्टिक उत्पाद शामिल हैं।

यह रिपोर्ट भारत के मौजूदा आयात-निर्यात परिदृश्य को लेकर कुछ रोचक तथ्य सामने रखता है। दुनिया में सिर्फ दो देशों के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार 100 अरब डालर से ज्यादा है। इसमें चीन और अमेरिका ही शामिल हैं। चीन से इसलिए ज्यादा है कि हम वहां से ज्यादा आयात कर रहे हैं, जबकि अमेरिका को भारत से निर्यात लगातार बढ़ रहा है, इसलिए वहां कारोबार बढ़ रहा है। एक तरफ अमेरिका के सैन्य उपकरणों का भारत एक बड़ा बाजार बनता जा रहा है, तो दूसरी तरफ भारत निर्मित उत्पादों का प्रसार अमेरिकी बाजार में बढ़ रहा है।

चीन से आयात में कमी नहीं होने के कारण

रिपोर्ट में चीन से आयात में कमी नहीं आने के कारण भी बताए गए हैं। इसके मुताबिक, भारत ने 2023-24 में चीन से 4.2 अरब डालर का टेलीकाम व मोबाइल फोन आयात किया है, जो इस वर्ग में कुल आयात का 44 प्रतिशत है। इसी तरह, भारत ने कुल कंप्यूटर व प्रौद्योगिकी आयात का 77 प्रतिशत, नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के आयात का 65.5 प्रतिशत, ईवी बैटरी के कुल आयात का 75 प्रतिशत हिस्सा चीन से मंगाया है। यानी हम आवश्यक व रणनीतिक तौर पर बेहद जरूरी सेक्टर में भी चीन से आयातित उत्पादों पर काफी निर्भर है। साफ है कि कोरोना महामारी के बाद रणनीतिक क्षेत्र में सप्लाई चेन के विस्तार करने की जो बातें हुई हैं, उसका अभी जमीनी तौर पर असर नहीं दिखा है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 के बाद से चीन पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उसका असर संभवत: आने वाले दिनों में दिखेगा।

83.6 अरब डालर के साथ यूएई तीसरा बड़ा साझेदार

61.44 अरब डालर पर पहुंचा रूस के साथ द्विपक्षीय कारोबार

रूस के साथ तेजी से बढ़ा कारोबार

बीते पांच वर्षों के दौरान रूस के साथ भारत का कारोबार राकेट की रफ्तार से बढ़ा है। इस दौरान भारत और रूस का द्विपक्षीय कारोबार 8.23 अरब डालर से बढ़कर 61.44 अरब डालर हो गया है। इसमें रूस से आयात का हिस्सा ज्यादा (57.14 अरब डालर) है, जबकि निर्यात सिर्फ 5.84 अरब डालर है। वजह यह है कि भारत ने रूस से फरवरी, 2020 के बाद से काफी ज्यादा कच्चे तेल की खरीदा है। 2023-24 के दौरान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तीसरा बड़ा कारोबारी साझेदार रहा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच 83.6 अरब डालर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ है।

2025 में चौथी बड़ी आर्थिकी होगा भारत

नई दिल्ली, एएनआइ: जी-20 में भारत के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत का कहना है कि सभी आर्थिक मानकों के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत भारत 2025 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत अभी दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और इससे आगे जापान, जर्मनी, चीन और अमेरिका हैं।

एक दशक पहले भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी। अभी भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3.7 ट्रिलियन डालर है। कांत के अनुसार, रिकार्ड जीएसटी संग्रह, बीती तीन तिमाहियों में आठ प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि, विभिन्न देशों के साथ भारतीय मुद्रा में व्यापार और प्रबंधन योग्य मुद्रास्फीति जैसे कई प्रमुख कारक हैं जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था अगले वर्ष जापान को पछाड़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने 2024 में भारत के सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी में शामिल रहने का अनुमान जताया है। आइएमएफ ने 2024 में भारत की विकास दर अनुमान को भी 6.8 प्रतिशत कर दिया है।

आसियान से कारोबार समझौते में बदलाव पर वार्ता में आई तेजी

समझौते में संशोधन पर सुझाव के लिए आठ उप-समूहों का गठन, अगले बैठक जुलाई में इंडोनेशिया में होगी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन आसियान और भारत के बीच उत्पादों में कारोबार समझौते (एआइटीआइजीए) पर गठित संयुक्त समिति की चौथी बैठक पिछले हफ्ते मलेशिया में संपन्न हुई है। इसमें भारत के अलावा आसियान के सभी दस सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सरकार ने बताया कि यह एआइटीआइजीए की चौथी बैठक थी।

भारत और आसियान ने कारोबार समझौते में संशोधन पर सुझाव देने के लिए कुल आठ उप-समूहों का गठन किया है। इनमें से पांच उप-समूहों के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है। इनकी रिपोर्ट अगले कुछ महीनों में तैयार हो जाएगी। संयुक्त समिति की अगली बैठक जुलाई में इंडोनेशिया के बाली में होगी। आसियान के साथ भारत का कारोबार समझौता काफी पुराना है। लेकिन भारत मानता है कि इस समझौते से उसको बहुत फायदा नहीं हुआ है। सिर्फ पिछले पांच वर्षों के डाटा को देखें तो भारत से आसियान को होने वाले निर्यात में सिर्फ 9.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह पिछले वित्त वर्ष के दौरान बढ़कर 41.21 अरब डालर का हो गया है। इस दौरान आसियान क्षेत्र से भारत को होने वाले निर्यात में 34.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब यह 79.37 अरब डालर हो गया है। भारत लंबे समय से आसियान देशों के बाजार में अपने उत्पादों के लिए ज्यादा प्रोत्साहन की मांग कर रहा है।

दहाई अंक में वृद्धि के लिए बाजार सुधार पर ध्यान दे भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र: एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री एल्बर्ट पार्क का कहना है कि भारत को दहाई अंक में विकास दर हासिल करने के लिए जमीन और श्रम जैसे बाजार सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक साक्षात्कार में पार्क ने कहा, इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि भारत में बेरोजगारी के औपचारिक क्षेत्र में भूमि और श्रम जैसे बुनियादी कारक बाजार का आकार अभी भी छोटा है।

एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि रेगुलेटरी और कारोबारी सुगमता तथा शुल्क को आसान व कम करके भारत वैश्विक सप्लाई चेन में हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। इसके अलावा मानव पूंजी में अधिक निवेश होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को इलेक्ट्रानिक्स, कपड़ा जैसे सघन मैन्यूफैक्चरिंग वाले क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने की जरूरत है।

मुनाफावसूली के चलते गोल्ड ईटीएफ से 12 माह बाद निकासी

- 396 करोड़ रुपये निकाले निवेशकों ने अप्रैल 2024 के दौरान
- 31,224 करोड़ रुपये हुआ गोल्ड ईटीएफ का एयूएम पिछले माह
- पिछले महीने गोल्ड ईटीएफ फोलियो में एक लाख से ज्यादा की वृद्धि

नई दिल्ली, प्रेट्र: मुनाफावसूली के चलते गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) से अप्रैल में 12 महीने बाद 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई है। गोल्ड ईटीएफ से मार्च 2023 के बाद यह पहली निकासी है। इससे पहले मार्च 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 373 करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ था। मार्च 2023 में गोल्ड ईटीएफ से 226 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एमएफएफआइ) के डाटा के अनुसार, शुद्ध निकासी के बावजूद अप्रैल में गोल्ड फंड्स का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये रहा है जो इसी वर्ष मार्च के अंत में 31,224 करोड़ रुपये था। डाटा के अनुसार, पूरे कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 2,920 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था, जो 2022 के 459 करोड़ के मुकाबले काफी ज्यादा था। पिछले महीने गोल्ड ईटीएफ के फोलियो (खातों) की संख्या में भी एक लाख से ज्यादा की वृद्धि रही है। अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने वाले फोलियो की संख्या 51.84 लाख रही है जो मार्च के अंत में 50.61 लाख थी।

मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के विश्लेषक मेल्विन सेंटारिटा का कहना है कि पिछले एक वर्ष के दौरान सोने ने भारतीय रुपये के संदर्भ में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, यह इक्विटी के मुकाबले कम रहा है। इसको देखते हुए इक्विटी के सापेक्ष गोल्ड ईटीएफ में निवेश कुछ हद तक कमजोर रहा है। निवेशकों ने इस निवेश श्रेणी में कुछ मुनाफा बुक करने का विकल्प चुना है। इसका परिणाम यह है कि कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद शुद्ध निकासी दर्ज की गई है। जेरोधा फंड हाउस के सीईओ विशाल जैन का कहना है कि गोल्ड ईटीएफ में निवेश से लिक्विडिटी, लागत-प्रभावशीलता और सुरक्षा जैसे लाभ मिलते हैं।

दिसंबर 2019 के मुकाबले छह गुना बढ़ा एयूएम

गोल्ड ईटीएफ के एयूएम में दिसंबर 2019 के मुकाबले करीब छह गुना की वृद्धि रही है। दिसंबर 2019 में इसका एयूएम 5,528 करोड़ रुपये था, जो अप्रैल 2024 में बढ़कर 31,224 करोड़ रुपये हो गया है। दिसंबर 2023 में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 25,959 करोड़ रुपये था।

शीर्ष-10 में से छह कंपनियों का पूंजीकरण घटा

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के चलते बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.73 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 60,678.26 करोड़ रुपये की कमी हुई है। इसके अलावा एलआइसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआइ और आइटीसी का पूंजीकरण भी घटा है। दूसरी ओर एचयूएल, टीसीएस, भारती एयरटेल और इन्फोसिस का पूंजीकरण बढ़ा है।

राष्ट्रीय फलक

जम्मू के रियासी के जंगल में नौ आइईडी समेत हथियारों की बड़ी खेप बरामद

जागरण टीम, श्रीनगर

- आतंकी षड्यंत्र के खिलाफ बड़ी सफलता, बांडीपोरा में आतंकी मददगार दबोचा
- बुधन के जंगल में चट्टान के पीछे छिपाए थे विस्फोटक-हथियार

फोटो रियासी के बुधन क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकी ठिकाने से बरामद विस्फोटक व हथियार।

लोकसभा चुनाव के बीच सुरक्षाबलों को जम्मू-कश्मीर में आतंकी षड्यंत्र के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। जम्मू संभाग के रियासी के बुधन के जंगल में रविवार को नौ आइईडी समेत भारी संख्या में हथियार और गोलाबारूद बरामद किया गया तो उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा क्षेत्र में आतंकी मददगार को हथियारों व गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। बुधन के जंगल को सुरक्षाबल घेर कर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान छेड़े हुए हैं। साथ सटे रिहायशी क्षेत्रों को भी खंगाला जा रहा है। बता दें कि श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में 13 मई को मतदान होने जा रहे हैं। मौजूदा समय में पूरे प्रदेश में सुरक्षाबल अलर्ट पर हैं।

पुख्ता सूचना पर सुबह सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने माहौर क्षेत्र के कोट बुधन जंगल में तलाशी अभियान छेड़ा। सुरक्षाबल पूरी एहतियात से आगे बढ़कर झाड़ियों, नालों, प्राकृतिक गुफाओं व अन्य जगहों को खोज रहे थे। इसी दौरान एक चट्टान के पीछे विस्फोटक तथा हथियारों को सुरक्षाबलों ने ढूंढ निकाला। मौके से इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के साथ नौ आइईडी, तीन पिस्तौल, पिस्तौल की तीन मैगजीन, पिस्तौल 20 के राउंड, एक किलो विस्फोटक पाउडर, एके-47 के 25 राउंड, नौ वोल्ट की आठ डीसी बैटरी, लिथियम-आयन 12 वोल्ट की तीन बैटरी, तीन बंडल में 50 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, 10 एए बैटरी (1.2 वी), छह बड़े मैग्नेट, सात विस्फोटक सुरक्षा फ्यूज, एक कंबल, दो सीरिंज, आठ मीटर रस्सी और सिगरेट के दो पैकेट शामिल हैं। टीम ने आसपास घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले के जंगलों में आतंकियों के होने की सूचना मिली। पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना के जवानों ने तलाशी अभियान चलाया। क्षेत्र में एक ठिकाने से आतंकी मददगार को हथियारों व गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया।

मनोबल से चुनौतियों के विरुद्ध अभियान जारी रखें जवान : थल सेना प्रमुख

राज्य ब्यूरो, जागरण, जम्मू : थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि सेना की उत्तरी कमान के अधिकारी व जवान उच्च मनोबल के साथ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सभी चुनौतियों को खत्म करने के लिए अभियान जारी रखें। जनरल पांडे इस माह की 31 तारीख को सेवानिवृत हो रहे हैं और वह लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के दो दिन के दौरे पर पहुंचे थे। रविवार को सुबह उन्होंने उत्तरी कमान मुख्यालय ऊधमपुर का दौरा किया। उन्होंने लद्दाख ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर का भी दौरा किया। उन्होंने सेना की उत्तरी कमान के अधिकारियों व जवानों के साथ वायुसेना, आइटीबीपी और सीमा सड़क संगठन के कर्मियों से मुलाकात कर दुर्गम क्षेत्र में देश सेवा के उनके जज्बे की सराहना की।

जनरल पांडे ऊधमपुर स्थित उत्तरी कमान के अस्पताल भी गए। यहां उन्होंने मरीजों और पैरामेडिकल स्टाफ से बातचीत की। यहां उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाएं जांचीं। बता दें कि थल सेना प्रमुख ने गत 10 अप्रैल को ही इस अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का आनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया था।

हरियाणा में रिकार्ड बना दसवीं का नतीजा, 55 वर्ष में पहली बार 95.22% पास

जागरण संवाददाता, भिवानी

- सात विषयों का परिणाम 100 प्रतिशत तो 23 विषयों का 99 प्रतिशत से अधिक रहा

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने नए पास फार्मूला से इतिहास बनाते हुए दसवीं कक्षा का अब तक का सबसे बेहतर परिणाम घोषित किया है। 95.22 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। बोर्ड के 55 साल के इतिहास में ऐसा परिणाम कभी नहीं रहा।

बोर्ड अध्यक्ष डा. बीपी यादव ने बताया कि इस बार 10वीं में नया पास फार्मूला अपनाया गया, जिसके तहत इंटरनल असेसमेंट और थ्योरी पेपर के अंक जोड़कर 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले पास किए गए। छात्राओं का पास प्रतिशत छात्रों से 2.10 प्रतिशत ज्यादा रहा। राजकीय विद्यालयों में 93.19 प्रतिशत और निजी स्कूलों में 97.80 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 95.24 और शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 95.18 रही है। पंचकूला जिला टाप और नूंह सबसे फिसड्डी रहा। सात विषयों का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, होम साइंस, पंजाबी, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा समेत 23 विषयों का परिणाम 99 प्रतिशत से अधिक है। सबसे कम परिणाम अंग्रेजी का 96.82 प्रतिशत रहा। 10वीं में नया पास फार्मूला अपनाया गया, जिसके तहत इंटरनल असेसमेंट o थ्योरी पेपर के अंक जोड़कर 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले पास किए गए।

अंक तालिका में नहीं होंगे फेल-पास या कंपार्टमेंट

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने इस बार एक और बड़ा बदलाव किया है। इस बार किसी परीक्षार्थी को फेल, पास या कंपार्टमेंट नहीं। बल्कि उनकी अंक तालिका में पास की जगह क्वालीफाई, कंपार्टमेंट की जगह जगह इलीजिबल फार इंप्रूवमेंट आफ परफोर्मेंस (ईआइओपी) और फेल की जगह एसेंशियल रिपीट शब्द रखा गया है।

विमान का रूट दो बार बदलने पर 20 हजार जुर्माना लगाया

जासं, गाजियाबाद : विमान का रूट दो बार बदलने पर गाजियाबाद जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने स्पाइसजेट एयरलाइंस पर जुर्माना लगाया है। रूट बदलने से यात्रा का समय बढ़ गया है और यात्री को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुनवाई करते हुए आयोग ने एयरलाइंस पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया, पांच हजार रुपये परिवाद व्यय और पीड़ित को हुए मानसिक कष्ट के लिए देने का निर्णय दिया है। 45 दिन के अंदर भुगतान न करने पर स्पाइसजेट एयरलाइंस को आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर से राशि देना होगा।

बुद्ध रत्न मौर्य ने दिल्ली से चेन्नई जाने के लिए स्पाइसजेट एयरलाइंस में तीन हवाई टिकट 17 फरवरी, 2022 को बुक किए थे। इनका विमान पांच मार्च को आइजेआइ के टर्मिनल-1 से सुबह पांच बजकर 45 मिनट पर थी और आठ बजकर 40 मिनट पर चेन्नई पहुंचना था। यात्रा से पहले दो बार रूट बदलने का मैसेज आया। पीड़ित ने एयरलाइंस के टोल फ्री नंबर पर प्रतिनिधि से बात की, लेकिन संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया।

मुठभेड़

चार माह में 109 नक्सली मारे गए, इनमें डिविजनल कमेटी स्तर के नक्सल नेता भी शामिल, पांच बार नक्सल कंपनी से मुठभेड़ में पीएलजीए के 50 से अधिक लड़ाके हुए हैं ढेर

विकास की धार से टूटा नक्सलियों का कवच, निशाने पर आए लड़ाके

अनिमेष पाल ● नईदुनिया

जगदलपुर : नक्सलियों के कवच बनकर खड़े रहने वाले संघम सदस्य और मिलिशिया सदस्य का नक्सलतंत्र से भरोसा टूटता जा रहा है। इससे नक्सली लड़ाके अब सीधे सुरक्षा बलों के निशाने पर आ गए हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि बीते कुछ महीनों में सुरक्षा बल के साथ मुठभेड़ में 50 से अधिक पीपुल्स लिब्रेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के लड़ाकों सहित 70 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। इसमें कई डिविजनल कमेटी स्तर के नक्सल नेता भी हैं। बड़े नक्सली नेताओं और सुरक्षा बल के बीच बफर का काम करने वाले संघम और मिलिशिया सदस्यों के मुख्य धारा में शामिल होने का परिणाम यह भी है कि पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा बलों की नक्सल कंपनी से सीधी मुठभेड़ हुई है।

सुरक्षा बलों के अनुसार, इस वर्ष अब तक 200 से अधिक नक्सली मुख्य धारा में लौट चुके हैं। नक्सल संगठन के सदस्य लगातार कम हो रहे हैं। वहीं, चार माह में जवान 109 नक्सलियों को ढेर कर चुके हैं।

उठने लगा है खोखली विचारधारा से भरोसा : कुआकोंडा क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों के मिलिशिया कमांडर बामन करटाम ने पिछले सप्ताह 35 साथियों के साथ दंतेवाड़ा पुलिस के सामने बंदूक त्याग कर लोकतंत्र का रास्ता अपनाया। बामन कहते हैं कि अंदरूनी क्षेत्रों में सुरक्षा बल के कैंप स्थापित होने के बाद सरकार की विकासपरक योजनाओं का लाभ अब ग्रामीणों को मिलने लगा है, जिससे लोगों का भरोसा नक्सलवाद की खोखले विचारधारा से उठने लगा है।

कमजोर पड़ रहा संघम-मिलिशिया तंत्र : नक्सल क्षेत्र में कार्य कर चुके सेवानिवृत्त आइपीएस आरके विज कहते हैं कि सलवा जुडूम आंदोलन के बाद नक्सल संगठन में भर्ती तेजी से बढ़ी थी। शासन-प्रशासन की सीमित पहुंच का लाभ उठाकर स्थानीय आदिवासियों को बहला-फुसलाकर मिलिशिया, संघम सदस्यों का एक कवच नक्सलियों ने तैयार कर लिया था, जिससे सुरक्षा बल की गतिविधियों की सूचना उन्हें मिलती थी। अंदरूनी क्षेत्र में जब सुरक्षा बल आपरेशन के लिए पहुंचते तो यही संघम सदस्य, मिलिशिया हार्डकोर नक्सलियों के कवच बनकर खड़े हो जाते थे।

इनका काम सुरक्षा बल के मूवमेंट की सूचना नक्सलियों तक पहुंचाने के साथ बंदूक लेकर युद्ध लड़ना है। इससे सुरक्षा बल के लिए एंबुश लगाने या भाग निकलने का अवसर नक्सलियों को मिलता था। विगत कुछ वर्षों में सुरक्षा बल के नए कैंपों की स्थापना से अंदरूनी क्षेत्रों में शासन की विकास योजनाओं से ग्रामीणों को जोड़ा जा रहा है, जिससे नक्सलियों का आधार क्षेत्र घटा है और संघम और मिलिशिया तंत्र पहले की अपेक्षा कमजोर पड़ा है। सफल आपरेशन की संख्या बढ़ने के साथ नक्सल भर्ती में कमी, फंड वसूली में गिरावट और आत्मसमर्पण बढ़ेगा। इससे ग्रामीणों के साथ साथ प्रशासन को लाभ मिलेगा।

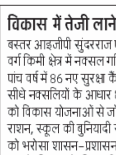

सुंदरराज पी., आइजीपी बस्तर

विकास में तेजी लाने अब नियद नेल्ला नार

बस्तर आइजीपी सुंदरराज पी. ने बताया कि सुरक्षा कैंप खोलने से 100 वर्ग किमी क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों में कमी देखी गई है। बस्तर में बीते पांच वर्ष में 86 नए सुरक्षा कैंप खोले गए हैं, जिनमें 20 नए कैंप इस वर्ष सीधे नक्सलियों के आधार क्षेत्र में खोले गए हैं। सुरक्षा के साथ ग्रामीणों को विकास योजनाओं से जोड़कर सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, राशन, स्कूल की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को भरोसा शासन-प्रशासन पर बढ़ा है। प्रदेश सरकार ने संवेदनशील गांव के विकास के लिए 'नीयद नेल्ला नार' शुरू की है, जो इस लड़ाई में सहायक सिद्ध होगी।

छत्तीसगढ़ में कांस्टेबल दूल्हे को मंडप से उठा ले गई प्रेमिका

नईदुनिया, कांकेर

- फेसबुक से दोस्ती, तीन साल प्रेम संबंध के बाद कर रहा गुपचुप शादी
- देर रात तक गांव में चली सामाजिक बैठक में शादी को किया गया रद

फेसबुक पर दोस्ती, तीन साल प्रेम संबंध फिर चुपके से शादी की कोशिश करने वाले पुलिस आरक्षक दूल्हे को प्रेमिका मंडप से ही उठा ले गई। यह रोचक घटना 10 मई को छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर ग्राम कोकपुर में हुई। दूल्हे की हरकत पता चलने पर बैठक के बाद समाज ने शादी को रद कर दिया और वर पक्ष को शादी का पूरा खर्च वधु पक्ष को देने का निर्णय दिया।

ग्राम कोकपुर में मगरलोड तहसील के ग्राम साजाडीह से एक पुलिस आरक्षक की बारात आई थी। शाम को टिकावन का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद शादी के अन्य रस्मों को पूरा करने दूल्हा और दुल्हन को मंडप में बिठाया गया। सभी रस्मों को पूरा करते हुए जब दूल्हा-दुल्हन भांवर घूमने के लिए उठे तो इसी दौरान दूल्हे की प्रेमिका पहुंची और दूल्हे का हाथ पकड़कर वहां से ले जाने लगी। लोगों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन युवती नहीं मानी और दूल्हे को अपने साथ ले जाने की जिद पर अड़ी रही। युवती ने बताया कि तीन साल पहले फेसबुक के माध्यम से उसकी दोस्ती युवक से हुई थी जो प्रेम संबंध में बदल गई। अब वह बिना कुछ बताए उसे अंधेरे में रखकर शादी कर रहा है, जो सही नहीं है। देर रात तक और दूसरे दिन चली रिश्तेदारों व समाज की बैठक में दोनों पक्षों को सुनने के बाद विवाह को रद कर दिया गया।

****

7 सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में। दूसरी ओर, सुरक्षा बलों ने लाहौर में प्रतिबंधित टीटीपी के चार आतंकियों को मार गिराया।

पूरे गाजा में इजरायली सेना के ताबड़तोड़ हमले

सात महीने बाद भी हमास कर रहा मुकाबला

इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 35 हजार हुई

यरुशलम, एपी: सात महीने के युद्ध के बाद भी इजरायली सेना पूरे गाजा में फलस्तीनी लड़ाकों से लड़ रही है। सेना ने जबालिया शरणार्थी क्षेत्र में फिर से बड़े हमले किए हैं, जिसमें 19 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त रफाह के बाहरी हिस्से में भी लड़ाई जारी है। अभी तक करीब तीन लाख लोगों ने रफाह छोड़ दिया है और सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा के लिए अमेरिका की युद्ध उपरांत योजना को अस्वीकार कर दिया है। इस योजना में गाजा में अरब व मुस्लिम देशों के सहयोग से फलस्तीनी प्राधिकार को सत्ता संभालनी थी।

गाजा में हमास लड़ाके फिर से संगठित हो रहे हैं और इजरायली सेना पर हमले कर रहे हैं। उन्हें जवाब देने के लिए इजरायल के लड़ाकू विमानों ने शनिवार-रविवार की रात जबालिया शरणार्थी क्षेत्र, दीर-ए-बलाह और उत्तरी गाजा के कस्बों में भीषण बमबारी की। गाजा सिटी में भी टैंकों द्वारा गोलाबारी की सूचना है। दीर-ए-बलाह में इजरायली हमले में दो डाक्टर मारे गए हैं। जबालिया के रहने वाले 48 वर्षीय आब्देल करीम रादवान के अनुसार, यह बहुत मुश्किल रात थी। कई घंटे लगातार बमबारी होती रही। यह इजरायल का पागलपन है। इजरायली हमलों में गाजा में अभी तक 35 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ कर दिया है कि इजरायल अगर रफाह पर जमीनी हमला करता है तो उसे वहां पर कार्रवाई के लिए अमेरिकी हथियार नहीं मिलेंगे।

हमास का इजरायली शहर पर राकेट हमला, तीन घायल : इजरायली सेना के सात महीने से हमले झेल रहा हमास अभी भी इजरायल की भूमि पर हमला करने की स्थिति में है। शनिवार को मध्य रात्रि के बाद गाजा के उत्तरी भाग से इजरायल के समुद्र तटीय शहर अश्केलान पर राकेट हमला किया गया, जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। अश्केलान गाजा से दस किलोमीटर दूर इजरायल का शहर है। इसी के साथ इजरायल की गाजा से संपर्क वाली केरेम शेलोम क्रासिंग को हमास ने शनिवार को एक बार फिर से निशाना बनाया। पिछले हफ्ते यहां पर हुए हमास के हमले में चार इजरायली सैनिक मारे गए थे। (आइएएनएस)

इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजरायली हमले में मारे गए युवक के विलाप करते स्वजन। रायटर

नेतन्याहू ने कोलंबिया के राष्ट्रपति को यहूदी विरोधी कहा

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को यहूदी विरोधी और हमास समर्थक करार दिया है। हाल ही में पेट्रो ने इजरायल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाते हुए उसके साथ कोलंबिया के कूटनीतिक रिश्ते खत्म करने का एलान किया था। (एएनआइ)

उत्तरी कैरोलिना से लेकर कैलिफोर्निया तक के कालेजों में प्रदर्शन

- फलस्तीन के समर्थन में अमेरिकी कालेजों में किए गए प्रदर्शन
- विश्वविद्यालयों और कालेजों में दीक्षा समारोह आयोजित किए गए थे

वाशिंगटन, एपी: उत्तरी कैरोलिना से लेकर कैलिफोर्निया तक के कालेजों व विश्वविद्यालयों में शनिवार को दीक्षा समारोह आयोजित किए गए। इस दौरान फलस्तीन के समर्थन में छिटपुट प्रदर्शन हुए। वर्जीनिया कामनवेल्थ यूनिवर्सिटी में छात्रों ने फलस्तीनियों को लेकर समर्थन दिखाया। विस्कान्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों के समूह ने फलस्तीन का झंडा लेकर कैंप रान्डेल स्टेडियम में मौन विरोध प्रदर्शन किया। इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह प्रदर्शन तब हुआ जब परिसर में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को अपने दो सप्ताह पुराने शिविर को स्थायी रूप से खत्म करने और एक जुलाई तक विश्वविद्यालय के निवेश को नियंत्रित करने वाले निर्णय निर्माताओं के साथ जुड़ने के अवसर के बदले में स्नातक समारोह को बाधित नहीं करने पर सहमति व्यक्त की। विश्वविद्यालय गाजा व यूक्रेन में युद्धों से प्रभावित विद्वानों और छात्रों के लिए समर्थन बढ़ाने पर सहमत हुआ। नार्थ कैरोलिना विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों ने स्कूल के समारोह से कुछ घंटे पहले एक इमारत की सीढ़ियों पर लाल रंग बिखेर दिया और परिसर में नारे लगाए। वहीं, टेक्सास विश्वविद्यालय में एक छात्र ने समारोह शुरू होने के दौरान फलस्तीनी झंडा उठाया और मंच छोड़ने से इन्कार कर दिया। बाद में उसे सुरक्षाकर्मियों द्वारा बाहर निकाला गया। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के समूह ने झंडा लहराना और नारे लगाना शुरू कर दिया।

निज्जर हत्याकांड में एक और भारतीय गिरफ्तार

- अब तक चार भारतीयों की हो चुकी है गिरफ्तारी, तीन मई को पकड़े थे तीन आरोपित
- खालिस्तानी आतंकी की पिछले साल 18 जून को सरे में गुरुद्वारे के बाहर कर दी गई थी हत्या

ओटावा, प्रेट्र: खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के अधिकारियों ने एक और भारतीय को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में रहने वाले 22 वर्षीय अमनदीप सिंह के रूप में हुई है। उस पर हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोप हैं। निज्जर हत्याकांड में अब तक चार भारतीयों की गिरफ्तारी हो चुकी है। भारत के वांछित आतंकी 45 वर्षीय निज्जर की 18 जून 2023 को सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के बाहर दो बंदूकधारियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। कनाडाई पुलिस की इंटीग्रेटेड होमिसाइड इंवेस्टिगेशन टीम (आइएचआइटी) ने बताया कि निज्जर हत्याकांड में अमनदीप को 11 मई को गिरफ्तार किया गया। वह एक अन्य मामले में पुलिस की हिरासत में था। आइएचआइटी के प्रभारी अधिकारी मनदीप मूकर ने कहा, हमने निज्जर हत्याकांड में अमनदीप की संलिप्तता के पर्याप्त सुबूत जुटाए हैं। जांच जारी रहने के कारण और कोई जानकारी नहीं दी जा सकती है। बता दें कि आइएचआइटी इस मामले में एडमांटन के रहने वाले तीन भारतीय नागरिकों करण बराड़, कमलप्रीत सिंह व करणप्रीत सिंह को तीन मई को गिरफ्तार कर चुकी है। इस बीच, ग्लोबल न्यूज के अनुसार, अमनदीप को उन दो हथियारबंद लोगों में से एक माना जाता है जिन्होंने निज्जर पर गोलियां चलाईं। चारों हमलावर बिश्नोई गैंग से जुड़े हैं।

खालिस्तान समर्थक आतंकी निज्जर की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार अमनदीप सिंह। प्रेट्र

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर 2023 में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों की संलिप्तता के आरोप लगाए थे। उसके बाद भारत व कनाडा के बीच रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को निराधार व राजनीति प्रेरित बताकर खारिज कर दिया था। यहां बता दें कि निज्जर खालिस्तानी आतंकी था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ था। निज्जर को भारत ने 2020 में आतंकी घोषित किया था।

मालदीव के रक्षामंत्री ने कहा- हमारे पायलट डोर्नियर उड़ाने में सक्षम नहीं

- भारत ने मालदीव को दान में दिए हैं दो हेलीकाप्टर और डोर्नियर विमान
- राष्ट्रपति मुइज्जू के कहने पर भारत लौट चुके हैं 76 भारतीय रक्षाकर्मी

माले, प्रेट्र: मालदीव के रक्षामंत्री घासन मौमून ने स्वीकार किया है कि मालदीव की सेना के पास अभी भी भारत द्वारा दान किए गए दो हेलीकाप्टर व डोर्नियर विमान को चलाने में सक्षम पायलट नहीं हैं। घासन ने शनिवार को राष्ट्रपति कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, कुछ पायलटों को पिछली सरकारों द्वारा किए गए समझौतों के तहत डोर्नियर और दो हेलीकाप्टरों को उड़ाने का प्रशिक्षण देना शुरू किया गया था पर हमारे सैनिक विभिन्न कारणों से इसे पूरा नहीं कर पाए। इसलिए इस समय मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) के पास कोई ऐसा पायलट नहीं है जो हेलीकाप्टरों और विमान को संचालित कर सके।

गौरतलब है कि चीन समर्थक मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत मालदीव के संबंध तनावपूर्ण हैं। मुइज्जू ने भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने को चुनावी मुद्दा बनाया था। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय सैन्यकर्मी भारत लौट चुके हैं।

पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद व अब्दुल्ला यामीन की सरकार के दौरान दान में दिए गए हेलीकाप्टरों और इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की सरकार के दौरान लाए गए डोर्नियर विमान को चलाने के लिए मालदीव के लोगों को प्रशिक्षण देने के लिए भारतीय सैनिक मालदीव में थे।

मूसा जमीर ने कहा, मालदीव में भारत समर्थित परियोजनाओं में तेजी लाने में प्रगति : मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने कहा, भारत समर्थित परियोजनाओं में तेजी लाने में अहम प्रगति हुई है। जमीर आठ से 10 मई तक भारत दौरे पर थे। जमीर ने कहा, भारत ने मालदीव को 20 करोड़ अमेरिकी डालर के ऋण में से 15 करोड़ डालर की पुनर्भुगतान समय सीमा बढ़ाने के लिए हरी झंडी दे दी है।

कर सकते हैं श्रीनगर चलो का एलान

प्रथम पृष्ठ से आगे

पाकिस्तान में आतंकी शिविर में रह चुके पूर्व आतंकी सैफुल्लाह ने कहा, गुलाम जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान का उपनिवेश है, ठीक उसी तरह जैसे हिंदुस्तान 1947 से पहले अंग्रेजों का गुलाम था। गुलाम जम्मू-कश्मीर के पीएम और राष्ट्रपति को पुलिस का एसपी रैंक का अधिकारी भी धमका सकता है। वहां बिजली पैदा होती है, पर रोशन लाहौर व इस्लामाबाद होता है। आने वाले समय में लोग अगर श्रीनगर चलो मार्च का एलान कर पाक की हुकूमत को चुनौती दें तो हैरान नहीं होना चाहिए। वह लोग आटे के लिए गोलियां खा रहे हैं।

घबराई दिख रही पाकिस्तान सरकार : सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान सरकार घबराई दिख रही है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुलाम जम्मू-कश्मीर के कथित पीएम चौधरी अनवरुल हक से बात की और उनकी पार्टी के पदाधिकारियों को संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेताओं से बात करने को कहा है। वहीं, स्कर्दू में युनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने रविवार को अपने वीडियो संदेश में कहा, यह विरोध जितना लंबा चलेगा उनकी आवाज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उतनी बुलंद होगी और पाकिस्तानी सरकार के 70 वर्षों से अधिक के जुल्म उजागर होंगे।

तिरंगे की छांव में आगे बढ़ रहा कश्मीर : ज्ञात हो, 1947 में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर पर कब्जे की मंशा से हमला किया था। भारतीय सेना ने कई हिस्सों से पाक सेना को खदेड़ दिया। संघर्ष विराम हुआ तो जहां दोनों देशों की सेना थी, उसे नियंत्रण रेखा घोषित कर दिया। पाकिस्तानी सेना के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर गुलाम जम्मू-कश्मीर हो गया और उसकी राजधानी मुजफ्फराबाद हो गई। भारतीय क्षेत्र वाले जम्मू-कश्मीर पर कब्जे के लिए पाक ने आतंकवाद व अलगाववाद को खूब समर्थन दिया। कश्मीर में हजारों लोग मारे गए, हिंदुओं को पलायन करना पड़ा, पर उसका मंसूबा पूरा न्हीं हुआ। रही सही कसर अनुच्छेद-370 के निरस्तीकरण ने पूरी कर दी। अवाम फिर बेखौफ होकर तिरंगे तले भारतीय राष्ट्रवाद की मुख्यधारा में शामिल हो विकास पथ पर बढ़ने लगी।

रूस के बढ़ते हमलों के बीच पूर्वोत्तर यूक्रेन से हजारों नागरिकों का पलायन

- रूस का दावा, हाल की कार्रवाई में नौ गांवों पर कब्जा किया
- जेलेंस्की बोले, आक्रामक इरादों को विफल करना पहला लक्ष्य

कीव, एपी : यूक्रेन के उत्तर-पूर्व में रूस की ओर से जमीनी हमला तेज कर दिया गया है। कस्बों और गांवों को तोपखाने व मोर्टार से निशाना बनाया गया। हजारों नागरिक वहां से दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर हुए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी है। लड़ाई तेज होने के बाद कम से कम एक यूक्रेनी इकाई को खार्कीव क्षेत्र में पीछे हटना पड़ा। इस बीच, रूस ने कहा, ताजा हमलों में सप्ताहांत तक नौ गांवों पर कब्जा कर लिया है।

गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा, शुक्रवार से मास्को की सेना के अभियान शुरू होने के बाद से कम से कम 4,000 नागरिकों ने खार्कीव छोड़ दिया है। रविवार को पूर्वोत्तर सीमा रेखा पर भारी लड़ाई हुई, जहां रूसी सेना ने 27 बस्तियों पर हमला किया। पश्चिमी देशों द्वारा की गई आपूर्ति के अग्रिम पंक्ति तक पहुंचने से पहले रूसी सेना गोला-बारूद की कमी का फायदा उठाने के लिए यह कदम उठा रही है। साथ ही मास्को रूसी क्षेत्र पर यूक्रेनी हमलों को कम करने के लिए एक बफर जोन बनाने की कोशिश कर रहा है

वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूसी आक्रामक इरादों को विफल करना अब हमारा लक्ष्य है।

यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में रूसी सेना के जमीनी हमले से घबराए नागरिक अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। एएफपी

रूसी अपार्टमेंट ब्लाक पर मिसाइल से हमला, सात की मौत

यूक्रेन की मिसाइल ने बेलगोरोड में एक रूसी अपार्टमेंट को निशाना बनाया। इससे 10 मंजिला अपार्टमेंट का एक हिस्सा ढह गया। इसमें सात लोग मारे गए और 19 घायल हुए। बेलगोरोड क्षेत्र पर सबसे घातक हमलों में से यह एक है। यूक्रेन ने टोचका बैलिस्टिक मिसाइलों और एडलर और आरएम -70 वैम्पायर मल्टीपल लांच राकेट सिस्टम के साथ हमला किया था। यूक्रेन की ओर से इसे लेकर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। क्रेमलिन ने बेलगोरोड पर यूक्रेनी हमले को बर्बर बताया।

न्यूज गैलरी

इस्लामाबाद में फलस्तीन के पक्ष में प्रदर्शन करने वालों पर केस

इस्लामाबाद : इस्लामाबाद में फलस्तीन के पक्ष में प्रदर्शन में भाग लेने के लिए पूर्व सीनेटर मुश्ताक अहमद खान समेत जमात-ए-इस्लामी के नेताओं के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। एफआइआर के अनुसार, जमात नेताओं ने धारा 144 का उल्लंघन करते हुए रेड जोन में प्रवेश किया था। (एएनआइ)

पाकिस्तान में आयकर नहीं चुकाने वालों के सिम ब्लाक

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के टेलीकाम आपरेटरों ने आयकर रिटर्न नहीं भरने वालों पर कड़ी कार्रवाई की है। आपरेटरों ने शनिवार को 5000 कार्डों में से 3500 से अधिक उन लोगों के सिम कार्ड ब्लाक कर दिए, जिन्होंने आयकर नहीं भरे हैं। आपरेटरों ने संघीय राजस्व बोर्ड (एफबीआर) से आयकर सामान्य आदेश के अनुरूप कदम उठाने का वादा किया था। एफबीआर ने आपरेटरों से ब्लाक किए गए सिम का ब्योरा मांगा है। (एएनआइ)

पाकिस्तान में संविधान की रक्षा का अभियान शुरू करेंगी पार्टियां

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में इस वर्ष के शुरू में गठित विपक्षी पार्टियों के गठबंधन तहरीक तहाफुज आईन-ए-पाकिस्तान ने संविधान 'बहाली' के लिए पूरे देश में अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। विपक्षी गठबंधन कराची और फैसलाबाद में अपना शक्ति प्रदर्शन करेगा। अप्रैल में छह पार्टियों के गठबंधन ने कानून-व्यवस्था के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया था। विपक्षी पार्टियों ने महमूद खान अचकजाई को अपना अध्यक्ष बनाया था। विपक्ष के अभियान का लक्ष्य संविधान की रक्षा करना है। (एएनआइ)

छुट्टी में भी खुला रहेगा न्यूयार्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास

न्यूयार्क : न्यूयार्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पूरे वर्ष सप्ताहांत एवं अन्य अवकाश के दिनों में भी खुला रहने की घोषणा की है। यह कदम लोगों की आपात जरूरतों के समाधान के लिए उठाया गया है। भारत के महा वाणिज्यदूत ने कहा, सभी अवकाश के दौरान दो बजे दिन से शाम चार बजे तक दूतावास खुला रहेगा। यह 10 मई से प्रभावी है। (एएनआइ)

मलेशिया के कोटा किनाबालु पहुंचे नौसेना के युद्धपोत आइएनएस दिल्ली और शक्ति

- रायल मलेशियन नौसेना और भारतीय उच्चायुक्त ने किया स्वागत

कुआलालांपुर, एएनआइ: भारतीय नौसेना की परिचालन तैनाती के तहत भारतीय नौसेना के दो जहाज (आइएनएस) दिल्ली और शक्ति रविवार को मलेशिया के कोटा किनाबालु पहुंच गए। यहां रायल मलेशियन नौसेना और मलेशिया में भारतीय उच्चायुक्त ने दोनों जहाजों का जोरदार स्वागत किया। आइएनएस दिल्ली पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं निर्मित प्रोजेक्ट-15 वर्ग का निर्देशित मिसाइल विध्वंशक है और आइएनएस शक्ति बेड़े का सहायक जहाज है।

भारतीय नौसेना ने बताया कि आइएनएस पूर्वी बेड़े के फ्लैग आफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल राजेश धनखड़ के नेतृत्व आइएनएस दिल्ली और शक्ति कोटा किनाबालु पहुंचे। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाएं आपसी समझ पैदा करने और मौजूदा आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए भारत और मलेशिया के नौसैनिक विषय वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान समेत व्यापक पेशेवर बातचीत, योग, खेल गतिविधियों और एक-दूसरे के जहाजों की यात्रा करेंगे। बंदरगाह यात्रा पूर्ण होने के बाद भारतीय नौसैनिक जहाज रायल मलेशियन नौसेना के जहाजों के साथ समुद्री साझेदारी अभ्यास-पासेक्स में प्रतिभाग करेंगे। यह यात्रा कई कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से दो समुद्री पड़ोसियों के बीच दीर्घकालिक मित्रता एवं सहयोग को मजबूत करेगी। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाजों की तैनाती भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' एवं सागर नीतियों के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इधर, आइएनएस किल्टन भी रविवार को वियतनाम के कैम रान्ह खाड़ी पहुंच गया। यहां वियतनाम की पीपुल्स नौसेना एवं भारतीय दूतावास के सदस्यों ने उसका स्वागत किया। आइएनएस किल्टन स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है।

मलेशिया के कोटा किनाबालु पहुंचे भारतीय नौसेना के जहाज आइएनएस दिल्ली और शक्ति। प्रेट्र

कनाडा में सोने की सबसे बड़ी चोरी में भारतीय मूल का एक और व्यक्ति गिरफ्तार

ओटावा, प्रेट्र: कनाडा में सोने की सबसे बड़ी चोरी के मामले में भारतीय मूल के एक 36 वर्षीय व्यक्ति अर्चित ग्रोवर को गिरफ्तार किया गया है। करीब एक माह पहले इस चोरी में कथित रूप से संलिप्त रहे पांच अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि 17 अप्रैल, 2023 को टोरंटो एयरपोर्ट पर कार्गो कंटेनर से फर्जी कागजात के जरिये 2.2 करोड़ कनाडाई डालर से अधिक मूल्य की सोने की छड़ें और विदेशी मुद्रा चोरी कर ली गई थी। फ्लाइट लैंड होने के बाद कार्गो को उतारकर एयरपोर्ट पर अलग स्थान पर ले जाया गया था, पर अगले दिन पुलिस को चोरी की खबर मिल गई थी। पुलिस ने बताया कि अर्चित को भारत से लौटने पर छह मई, 2024 को टोरंटो एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। पिछले माह इस चोरी के क्रम में 54 वर्षीय परमपाल सिद्धू, 40 वर्षीय अमित जलोटा, 43 वर्षीय अमाद चौधरी, 37 वर्षीय अली राजा और 35 वर्षीय प्रसाद परमलिंगम को गिरफ्तार किया गया था।

रूसी कानून के विरोध में जार्जिया में प्रदर्शन

रूसी कानून के खिलाफ जार्जिया की राजधानी त्बिलिसी में रैली निकाली गई, जिसमें शामिल लाखों लोगों ने मोबाइल फोन के टार्च से रोशनी करके अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। असल में, यहां मास्को समर्थित सरकार है। प्रदर्शनकारियों का कहना कि सरकार रूस के इशारे पर नया कानून ला रही है, जो विदेशी प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए लाया जा रहा है। यह कानून जार्जिया को यूरोपीय संघ में शामिल होने से रोकने के लिए भी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह कानून अगले सप्ताह की शुरुआत में संसद पारित होने वाला है। एपी

पवन चक्कियों से घूमती है नीदरलैंड्स की आर्थिकी

नीदरलैंड के किंडरडिज्क में पवन चक्कियों के पीछे सूर्यास्त के वक्त का एक बेहद खूबसूरत नजारा। नीदरलैंड्स के दक्षिण में 18 वीं शताब्दी में निर्मित पवन चक्कियां यहां की आर्थिक स्थिति को काफी मजबूती प्रदान करती हैं। नीदरलैंड्स में आमतौर पर दो श्रेणी की पवन चक्कियां हैं। एक जिन्हें पोल्डर कहा जाता है। इनका उपयोग भूमि पर जमा पानी को खाली करने के लिए किया जाता है। दूसरी औद्योगिक मिलें, जो अनाज पिसाई, लकड़ी की कटाई और पेंट के लिए पिगमेंट बनाने और कागज उद्योग में इस्तेमाल की जाती हैं। एपी

ग्रीस के पीएम किरियाकोस अंकारा का दौरा करेंगे

अंकारा, एपी : पुराने दुश्मन तुर्किये और ग्रीस सोमवार को पांच महीने पुरानी दोस्ती की पहल का परीक्षण करेंगे, जब ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस अंकारा का दौरा करेंगे। दोनों नाटो सदस्य गत दिसंबर में विवादों को दरकिनार करने पर सहमत हुए। वे दशकों से चली आ रही दुश्मनी, सीमा विवाद छोड़कर व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक संबंधों को सुधारने व सकारात्मक एजेंडे में शामिल अन्य लंबी सूची पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गत वर्ष दक्षिणी तुर्किये में आए भूकंप के बाद एथेंस ने अंकारा को लेकर एकजुटता दिखाई थी। उसके बाद संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत मित्सोताकिस सोमवार को अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से भेंट करेंगे। दोनों नेताओं के बीच इजरायल-हमास युद्ध पर तीव्र मतभेद हैं, पर वे पूर्वी भूमध्य सागर में और अस्थिरता को रोकने के इच्छुक हैं, क्योंकि यूक्रेन में भी संघर्ष जारी है। ज्ञात हो, एर्दोगन ने दिसंबर में एथेंस का दौरा किया था। तब से दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के कई कदम उठाए हैं।

कामी रीता शेरपा ने रिकार्ड 29वीं बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की

- 1994 में पहली बार एवरेस्ट पर की थी चढ़ाई, पिछले साल एक ही सीजन में बार चढ़े

अपने सर्टिफिकेट दिखाते एवरेस्ट मैन के नाम से प्रसिद्ध कामी रीता शेरपा (फाइल)। एएफपी

काठमांडू, एएनआइ : नेपाल के कामी रीता शेरपा ने रविवार सुबह 29वीं बार दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़कर अपना ही रिकार्ड तोड़ दिया। उन्हें एवरेस्ट मैन के नाम से जाना जाता है। पर्वतारोही 54 वर्षीय कामी रीता शेरपा ने इससे पहले पिछले साल एक ही सीजन में दो बार (27वीं और 28वीं बार) एवरेस्ट फतह किया था। उन्होंने 1994 में पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, वह सेवन समिट ट्रेक्स द्वारा आयोजित एक अभियान का मार्गदर्शन करते हुए रविवार को सुबह 7:25 बजे एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचे। सेवन समिट ट्रेक्स ने रविवार सुबह एक पोस्ट में सफल अभियान की खबर साझा की है। इसमें कहा गया कि 12 मई 2024 को सुबह 7:25 बजे माउंट एवरेस्ट की 29वीं सफल चढ़ाई के लिए सेवन समिट ट्रेक्स के वरिष्ठ मार्गदर्शक कामी रीता शेरपा को बधाई। शेरपा ने लगभग 28 पर्वतारोहियों वाले अभियान दल के साथ काठमांडू से अपना अभियान शुरू किया था। कामी रीता पर्वतारोहियों के लिए मार्गदर्शक के रूप में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ रहे हैं।

सुअर की किडनी प्रत्यारोपित कराने वाले पहले इंसान की मौत

बोस्टन, एपी: सुअर की जेनेटिकली माडिफाइड किडनी प्रत्यारोपित कराने वाले पहले इंसान रिचर्ड "रिक" स्लेमैन मौत हो गई है। उनके स्वजन और सर्जरी करने वाले अस्पताल ने कहा, प्रत्यारोपण के करीब दो माह बाद स्लेमैन की मौत हुई है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल में इस साल मार्च में स्लेमैन ने सुअर की किडनी लगवाई थी। अस्पताल ने स्लेमैन के निधन पर दुख जताते हुए कहा, इसका संकेत नहीं मिला है कि सुअर की किडनी लगवाने से स्लेमैन की मौत हुई है। ज्ञात हो, इससे पहले प्रयोग के तौर पर सुअर की किडनी को ब्रेन-डेड व्यक्ति में अस्थायी रूप से प्रत्यारोपित किया गया था। दो व्यक्तियों में सुअर का दिल का प्रत्यारोपण भी किया गया था। हालांकि उनकी भी मौत हो गई थी।

रिचर्ड "रिक" स्लेमैन। फाइल

****

टी-20 आइपीएल

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
बुमराह	मुंबई	20
हर्षल पटेल	पंजाब	20
चक्रवर्ती	केकेआर	18

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	661
रुतुराज	सीएसके	583
ट्रेविस हेड	हैदराबाद	533

सिमरजीत ने सीएसके को पहुंचाया प्लेआफ के करीब

रायल्स को पांच विकेट से हराकर तीसरे स्थान पर पहुंची चेन्नई तीन अहम विकेट झटकने वाले सिमर बने प्लेयर आफ द मैच

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: चेपक की धीमी पिच पर तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह (3/26) ने अपने आइपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रायल्स के तीन शीर्ष बल्लेबाज जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन को शिकार बनाया, जिससे मेहमान टीम केवल 141 रन का स्कोर ही बना सकी। सीएसके ने कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (42*) की संयमित पारी से 10 गेंद शेष रहते अहम जीत दर्ज की। सिमरजीत को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया और इस अहम जीत से चेन्नई प्लेआफ के और करीब पहुंच गई है। 13 मैचों में 14 अंक लेकर चेन्नई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।

इंपैक्ट खिलाड़ी से अंतिम एकादश तक: मुस्तफिजुर रहमान, मथीषा पथिराना और दीपक चाहर की अनुपस्थिति में सीएसके की टीम गेंदबाजी संकट से जूझ रही थी। धर्मशाला में पंजाब किंग्स के विरुद्ध मैच में सीएसके ने सिमरजीत को इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में उतारा और उन्होंने 16 रन पर दो विकेट लिए। अगले मैच में सीएसके ने उन्हें अंतिम एकादश में जगह दी, हालांकि उस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन की बल्लेबाजी के सामने चेन्नई का कोई भी गेंदबाज नहीं चला। लेकिन जब सीएसके टीम अपने घर पर अहम मुकाबला खेलने उतरी तो सिमरजीत उसके लिए तुरुप का इक्का साबित हुए। राजस्थान ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 42 रन बना लिए थे। 26 वर्षीय सिमरजीत सिंह ने अगले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल को आउट करके मेजबान टीम को पहला झटका दिया। सीएसके ने फिर अगले ओवर में स्पिनर रविंद्र जडेजा को गेंदबाजी पर लगाया, लेकिन दूसरा झटका भी सिमरजीत ने ही दिया। नौवें ओवर में जोस बटलर डीप फाइन लेग में शाट लगाने की कोशिश में देशपांडे को कैच दे बैठे। अब स्कोर दो विकेट पर 49 रन था। पराग और कप्तान संजू सैमसन अब क्रीज पर थे। सैमसन रन गति बढ़ाने में विफल रहे और सिमरजीत ने उनके रूप में अपना तीसरा विकेट प्राप्त किया और यहीं से राजस्थान की गाड़ी पटरी से उतर गई और उसके बल्लेबाज इस पिच पर 150 का स्कोर बनाने में भी विफल रहे। सिरमजीत पिछला सत्र चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, लेकिन इस बार सीएसके ने उन्हें तीन मैचों में मौका दिया और उन्होंने खुद को साबित किया। इससे पहले सीएसके की ओर से सिमरजीत 2022 में छह मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने चार विकेट लिए थे।

रुतुराज ने संभाला : राजस्थान की तरह ही चेन्नई के बल्लेबाजों के लिए भी रन बनाना इतना आसान नहीं था और उसने भी निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाए, लेकिन कप्तान रुतुराज ने एक छोर संभाले रखा। दूसरे छोर से गिर रहे विकेटों के बीच रुतुराज ने कोई हड़बड़ी नहीं दिखाई और धीरे-धीरे रन बनाते रहे। उन्होंने 41 गेंदों में केवल एक चौका और दो छक्के लगाए और 42 रन बनाए। रुतुराज टीम को जीत दिलाने के बाद ही लौटे। उनके अलावा रचिन रवींद्र 27 और डेरिल मिशेल ने 22 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान : 141/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
यशस्वी का. रुतुराज बो. सिमरजीत	24	21	3/1
बटलर का. देशपांडे बो. सिमरजीत	21	25	2/0
सैमसन का. रुतुराज बो. सिमरजीत	15	19	0/0
पराग अविजित	47	35	1/3
ध्रुव का. शार्दुल बो. देशपांडे	28	18	1/2
शुभम का. दुबे बो. देशपांडे	00	01	0/0
अश्विन अविजित	01	01	0/0

अतिरिक्त : 5 (लेबा-1, वा-4)
कुल : 20 ओवर में पांच विकेट पर 141 रन
विकेटपतन : 1-43 (यशस्वी, 6.2), 2-49 (बटलर, 8.1), 3-91 (सैमसन, 14.2), 4-131 (ध्रुव, 19.1), 5-131 (शुभम, 19.2)
गेंदबाजी: देशपांडे 4-0-30-2, तीक्ष्णा 4-0-28-0, शार्दुल 4-0-32-0, सिमरजीत 4-0-26-3, रवींद्र 4-0-24-0

चेन्नई : 145/5 (18.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रचिन का. एंड बो. अश्विन	27	18	1/2
रुतुराज अविजित	42	41	1/2
मिशेल एलबीडब्ल्यू बो. चहल	22	13	4/0
मोइन का. आवेश बो. बर्गर	10	13	0/0
दुबे का. पराग बो. अश्विन	18	11	2/1
रवींद्र क्षेत्ररक्षण में बाधा	05	07	0/0
रिजवी अविजित	18	08	30

अतिरिक्त : 6 (बा-1, वा-5
कुल : 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन
विकेटपतन : 1-32 (रचिन, 3.4), 2-67 (मिशेल, 7.5), 3-86 (मोइन, 11.5), 4-107 (दुबे, 13.6), 5-121 (रवींद्र, 15.5)
गेंदबाजी: बोल्ट 2.2-0-24-0, संदीप 3-0-30-0, अश्विन 4-0-35-2, बर्गर 3-0-21-1 चहल 4-0-22-1, आवेश 2-0-12-0

एक स्थान पर 50+ आइपीएल विकेट

विकेट	खिलाड़ी	टीम
70	नारायण	कोलकाता
68	मलिंगा	मुंबई
58	अमित मिश्रा	दिल्ली
52	चहल	बेंगलुरु
52	बुमराह	मुंबई
50	अश्विन	चेन्नई

पावरप्ले में सबसे कम छक्के लगाने वाली टीम

छक्के	टीम
16	राजस्थान
16	गुजरात
17	सीएसके*
19	पंजाब
21	एलएसजी

क्षेत्ररक्षण में बाधा डालते हुए आउट बल्लेबाज

बल्लेबाज	टीम	विरुद्ध	वर्ष
यूसुफ पठान	केकेआर	पुणे	2013
अमित मिश्रा	दिल्ली	हैदराबाद	2019
रवींद्र जडेजा	सीएसके	राजस्थान	2024*

क्षेत्ररक्षण में बाधा पर आउट हुए जडेजा

सीएसके की पारी के 16वें ओवर में रवींद्र जडेजा को आब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड यानी क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने के लिए आउट दिया गया। आवेश खान के ओवर में जडेजा ने आफ साइड में शाट खेला और तेजी से एक रन पूरा कर दूसरे रन के लिए भाग गए, लेकिन गायकवाड़ ने उन्हें मना किया। जडेजा ने दूसरे रन के लिए तेजी से मुड़े और पिच के बीच तक पहुंच गए। तब तक गेंद सैमसन ने नान स्ट्राइकर छोर पर थ्रो कर दिया। इस दौरान जडेजा बिल्कुल विकेट के सामने आए गए और राजस्थान ने अंपायर से अपील कर डाली। मैदानी अंपायर ने तीसरे अंपायर की मदद मांगी और जडेजा को क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने के लिए आउट दिया गया। जडेजा आइपीएल में इस तरह आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युसूफ पठान और अमित मिश्रा क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने के लिए आउट हो चुके हैं।

राजस्थान की हार की हैट ट्रिक: पहले नौ मैचों में आठ जीतने वाली राजस्थान की टीम की गाड़ी जीत की पटरी से उतर चुकी है। यह उसकी लगातार तीसरी हार है। इससे पहले उसे दिल्ली और हैदराबाद से हार मिली थी। हालांकि वह अब भी दूसरे स्थान पर है, लेकिन लगातार हार ने चिंता बढ़ा दी है।

50 वीं जीत चेन्नई सुपरकिंग्स ने अपने घर पर दर्ज की है। उनसे आगे केकेआर है, जिन्होंने अपने घर पर 52 मैचों में जीत प्राप्त की है

सिमरजीत सिंह • एएफपी

करो या मरो मुकाबले में टाइटंस का सामना नाइटराइडर्स से

अहमदाबाद, प्रेट्र: कप्तान शुभमन गिल की फार्म में वापसी से उत्साहित गुजरात टाइटंस को अगर प्लेआफ में पहुंचने की अपनी आशा को जीवंत रखना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के विरुद्ध सोमवार को होने वाले मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

गिल ने सीएसके के विरुद्ध पिछले मैच में शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह आइपीएल में उनका चौथा शतक था। गिल के अलावा साई सुदर्शन ने भी शतकीय पारी खेली थी। प्लेआफ में जगह बनाने वाली पहली टीम केकेआर के विरुद्ध इन दोनों का प्रदर्शन टाइटंस के लिए काफी मायने रखेगा। टाइटंस और आरसीबी के 10 अंक हैं और ये दोनों टीमें अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकती हैं। टाइटंस का नेट रन रेट अच्छा नहीं है और ऐसे में अगर टीम अंतिम चार में जगह बनाती है तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। यह हालांकि निश्चित है कि टाइटंस की टीम अगर मगर के समीकरण में बने रहने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। टाइटंस के गेंदबाज इस सत्र में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके तेज गेंदबाजों में निरंतरता का अभाव है जबकि स्पिनर रन लुटा रहे हैं। चेन्नई के विरुद्ध पिछले मैच में हालांकि उसने पहले तीन ओवर में ही तीन विकेट प्राप्त कर लिए थे। अनुभवी मोहित शर्मा और राशिद खान का गेंदबाजी में प्रदर्शन टीम के लिए काफी मायने रखेगा। बल्लेबाजी में टाइटंस के शीर्ष क्रम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच को छोड़कर बाकी मैचों में उसके चोटी के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। गिल और सुदर्शन ने पिछले मैच में पहले विकेट के लिए 210 रन की रिकार्ड साझेदारी की थी।

जहां तक केकेआर का प्रश्न है तो वह शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी। उसे चोटी की दो टीम में बने रहने के लिए बाकी बचे दो मैच में केवल एक जीत की जरूरत है। केकेआर ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराकर प्लेआफ में अपनी जगह सुरक्षित की। केकेआर के लिए सुनील नारायण अभी तक तुरुप का इक्का साबित हुए हैं। लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी अच्छी लय में दिख रहे हैं। आरंभिक बल्लेबाज फिल साल्ट फिर से टीम को अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करेंगे।

श्रेयस अय्यर • शुभमन गिल •

प्लेआफ की आशा को जीवंत रखने उतरेगी गुजरात की टीम

अंक तालिका

		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	केकेआर (Q)	12	9	3	0	+1.428	18
2	राजस्थान	12	8	4	0	+0.349	16
3	सीएसके	13	7	6	0	+0.528	14
4	हैदराबाद	12	7	5	0	+0.406	14
5	आरसीबी	13	6	7	0	+0.387	12
6	दिल्ली	13	6	7	0	-0.482	12
7	लखनऊ	12	6	6	0	-0.769	12
8	गुजरात	12	5	7	0	-1.063	10
9	मुंबई (E)	13	4	9	0	-0.271	8
10	पंजाब (E)	12	4	8	0	-0.423	8

एक नजर में

विभिन्न संयोजन आजमाने का मौका मिला : सलीमा टेटे

बेंगलुरु : भारतीय महिला हाकी टीम की नवनियुक्त कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि एफआइएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण से पहले दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध छह मैचों की सीरीज में टीम को कई संयोजन आजमाने और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली, जिनमें सुधार की आवश्यकता है। पिछले वर्ष एशियाई चैंपियंस ट्राफी विजेता टीम की सदस्य रहीं 22 वर्षीय सलीमा को इस महीने के शुरू में सविता पूनिया की जगह टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। टीम ने उनकी अगुआई में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू सीरीज 4-2 से जीती। सलीमा ने कहा, 'इस सीरीज से हमें कई संयोजन आजमाने का मौका मिला। इस सीरीज में हमने प्रो लीग के लिए चुने गए सभी खिलाड़ियों को आजमाया। (प्रेट्र)

जिंबाब्वे ने बांग्लादेश को क्लीन स्वीप करने से रोका

ढाका : कप्तान सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट की शानदार पारियों की मदद से जिंबाब्वे ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज करके बांग्लादेश को पांच मैच की सीरीज में क्लीन स्वीप नहीं करने दिया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद छह विकेट पर 157 रन बनाए। जिंबाब्वे ने 18.3 ओवर में दो विकेट पर 158 रन बनाकर जीत प्राप्त की। बांग्लादेश ने इस तरह से यह सीरीज 4-1 से अपने नाम की। जिंबाब्वे की पारी का आकर्षण कप्तान रजा और बेनेट के अर्धशतक रहे। रजा ने 46 गेंद पर अविजित 72 रन बनाए। (एपी)

ईशा, अनीष की ओलिंपिक ट्रायल में दूसरी जीत

नई दिल्ली, प्रेट्र: ईशा सिंह और अनीष भानवाला ने रविवार को यहां क्रमश : महिला 25 मीटर पिस्टल और पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल के ट्रायल जीतकर ओलिंपिक चयन ट्रायल में दूसरी जीत दर्ज की। अनीष ने दिल्ली में इसी स्पर्धा का पहला ट्रायल जीता था, जबकि ईशा ने भी दिल्ली में कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल के दूसरे ट्रायल में जीत दर्ज की थी। मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी (एमपीएसएसए) रेंज में ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में पहली जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में 43 अंक जुटाए। (प्रेट्र)

अब केकेआर के ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से मिले रोहित शर्मा

आइपीएल डायरी

नई दिल्ली, जेएनएन : मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ बातचीत का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद अब शनिवार को उनकी एक और तस्वीर प्रसारित हो रही है, जिसमें वह केकेआर के खिलाड़ियों के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि रोहित मुंबई इंडियंस की टीम में सहज महसूस नहीं कर रहे हैं। कोलकाता के ईडन गार्डेंस पर शुक्रवार को वर्षा के कारण मैच काफी देर से शुरू हुआ था। इस दौरान रोहित शर्मा ने केकेआर के खिलाड़ियों के साथ उनके ड्रेसिंग रूम में समय व्यतीत किया। इस दौरान केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर, गेंदबाजी कोच भरत अरुण, केएस भरत, मनीष पांडे, वरुण चक्रवर्ती समेत कई खिलाड़ियों के साथ उन्होंने लंबी बातचीत की। इसके बाद इंटरनेट मीडिया पर एक बार फिर उनके केकेआर से जुड़ने की अटकलें तेज हो गईं। इससे पहले, शुक्रवार को रोहित एक वीडियो में नायर के साथ बातचीत करते दिख रहे थे। जिसमें यह दावा किया गया था कि रोहित कह रहे हैं कि मुंबई के साथ यह उनका अंतिम सत्र है। ये वीडियो पहले केकेआर के एक्स हैंडल से साझा किया गया था, जिसे डिलीट कर दिया गया था।

केकेआर ड्रेसिंग रूम में रोहित • एक्स

रमनदीप सिंह पर मैच फीस का 20% लगा जुर्माना: केकेआर के आलराउंडर रमनदीप सिंह पर मुंबई इंडियंस के विरुद्ध आइपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हराकर आरसीबी ने दर्ज की लगातार पांचवीं जीत, दयाल ने झटके तीन विकेट

जीत के पंजे से रायल चैलेंजर्स को मिला 'यश'

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: आरसीबी ने लगातार पांचवें मैच में जीत प्राप्त कर प्लेआफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। रविवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच में पहले बल्लेबाजी में रजत पाटीदार के अर्धशतक फिर यश दयाल की धारदार गेंदबाजी के दम पर आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हराया। इसके साथ ही आरसीबी अंक तालिका में चढ़ाई करते हुए पांचवें स्थान पर पहुंच गई। अंतिम मैच में उन्हें घर पर ही सीएसके से भिड़ना है जो उनके लिए करो या मरो का मैच होगा। वहीं, इस हार के साथ ही प्लेआफ में पहुंचने की दिल्ली की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गईं। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने दिल्ली को 188 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19.1 ओवर में 140 पर सिमट गई।

दिल्ली का दुर्भाग्य : कप्तान रिषभ पंत पर एक मैच के लिए लगा प्रतिबंध टीम को भारी पड़ गया। तीसरे ओवर में गेंदबाजी करने आए यश दयाल ने पहली ही गेंद पर पोरेल को चलता कर दिया। शाई होप ने इसके अगले ही गेंद पर सामने का शाट लगाया, पर गेंद यश के हाथों से लगकर सीधे विकेट में जाकर लगी और अच्छी लय में दिख रहे मैक्गर्क को भी पवेलियन लौटना पड़ गया।

अक्षर ने होप के साथ जगाई आशा: रिषभ पंत के स्थान पर कप्तानी कर रहे आलराउंडर अक्षर पटेल ने हार नहीं मानी। उन्होंने शाई होप के साथ पांचवें विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी कर टीम को वापसी की आशा जगा दी। हालांकि, 10वें ओवर में होप के आउट होने के बाद एक बार फिर दिल्ली की बल्लेबाजी चरमरा गई। 11वें ओवर की अंतिम गेंद पर कैमरन ग्रीन ने स्टब्स को रन आउट कर दिल्ली को बड़ा झटका दे दिया। हालांकि, अक्षर ने इसके बाद रसिख के साथ भी 37 रनों की साझेदारी की पर उनके आउट होने के बाद वह स्वयं भी अगले ओवर में आउट हो गए।

यश दयाल की शानदार गेंदबाजी: पिछले सत्र में रिंकू सिंह ने जिस गेंदबाज के विरुद्ध अंतिम ओवर में पांच छक्के जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी, इस सत्र में वह बिल्कुल नए अंदाज में दिख रहा है। इस सत्र में 13 विकेट चटकाकर यश दयाल आरसीबी के सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। दिल्ली के विरुद्ध उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए।

यश दयाल • एएफपी

स्कोर बोर्ड

बेंगलुरु : 187/9 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
कोहली का. पोरेल बो. इशांत	27	13	1/3
डुप्लेसिस का. मैक्गर्क बो. मुकेश	06	07	1/0
जैक्स का. अक्षर बो. कुलदीप	41	29	3/2
पाटीदार का. अक्षर बो. डार	52	32	3/3
ग्रीन अविजित	32	24	1/2
लोमरोर का. पोरेल बो. खलील	13	08	0/1
कार्तिक का. कुलदीप बो. खलील	00	02	0/0
स्वप्निल का. कुशाग्र बो. डार	00	01	0/0
कर्ण रन आउट	06	04	1/0
सिराज रन आउट	00	00	0/0

अतिरिक्त : 10 (बा-1, लेबा-2, वा-7)
कुल : 20 ओवर में नौ विकेट पर 187 रन
विकेटपतन : 1-23 (फाफ, 2.2), 2-36 (कोहली, 3.4), 3-124 (पाटीदार, 12.3), 4-137 (जैक्स, 14.4), 5-174 (लोमरोर, 17.4), 6-174 (कार्तिक, 17.6), 7-176 (स्वप्निल, 18.3), 8-185 (कर्ण, 19.5), 9-187 (सिराज, 19.6).
गेंदबाजी: इशांत 3-0-31-1, खलील 4-0-31-2, मुकेश 3-0-23-1, अक्षर 3-0-24-0 कुलदीप 4-0-52-1, रसिख डार 3-0-23-2

दिल्ली कैपिटल्स : 140 (19.1 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
वार्नर का. जैक्स बो. स्वप्निल	01	02	0/0
मैक्गर्क रन आउट	21	08	2/2
पोरेल का. फर्ग्यूसन बो. दयाल	02	03	0/0
शाई होप का. कर्ण बो. फर्ग्यूसन	29	23	4/0
कुशाग्र एलबीडब्ल्यू बो. सिराज	02	03	0/0
अक्षर का. डुप्लेसिस बो. दयाल	57	39	5/3
स्तब्स रन आउट	03	04	0/0
रसिख डार का. जैक्स बो. ग्रीन	10	12	1/0
कुलदीप बो. दयाल	06	10	0/0
मुकेश का. लोमरोर बो. फर्ग्यूसन	03	07	0/0
इशांत अविजित	00	04	0/0

अतिरिक्त : 6 (लेबा-1, वा-5), कुल : 19.1 ओवर में 140 रन पर सभी आउट, विकेटपतन : 1-8 (वार्नर, 0.4), 2-24 (पोरेल, 2.1), 3-24 (मैक्गर्क, 2.2), 4-30 (कुशाग्र, 3.3), 5-86 (होप, 9.3), 6-90 (स्तब्स, 10.6), 7-127 (डार, 14.6), 8-128 (अक्षर, 15.4), 9-135 (मुकेश, 17.4), गेंदबाजी : स्वप्निल 1-0-9-1, सिराज 4-0-33-1, दयाल 3.1-0-20-3, कर्ण 2-0-19-0, फर्ग्यूसन 4-0-23-2, ग्रीन 4-0-19-1, जैक्स 1-0-16-0

कोहली, सूर्य और बुमराह को छोड़कर सभी खिलाड़ी कर रहे संघर्ष, कप्तान रोहित और उपकप्तान हार्दिक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन

चयन के बाद से बेपटरी हुई अधिकतर खिलाड़ियों की 'फार्म गाड़ी'

19 दिन शेष विश्व कप

सुकांत सौरभ • जागरण

नई दिल्ली: आगामी टी-20 विश्व कप में अब केवल 19 दिन शेष रह गए हैं, लेकिन टीम चयन के बाद से अब तक 13 दिनों में आइपीएल में अधिकतर खिलाड़ियों की फार्म की गाड़ी बेपटरी हो गई है। विराट कोहली, नंबर एक टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को छोड़कर लगभग सभी चयनित खिलाड़ी संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, सबसे अधिक चिंता कप्तान रोहित शर्मा की फार्म की है, जो स्पिन के विरुद्ध सर्वाधिक संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। साथ ही उपकप्तान हार्दिक पांड्या भी पूरे सत्र में बल्लेबाजी के दौरान जूझते नजर आए हैं।

शीर्षक्रम में यशस्वी-रोहित का संघर्ष जारी : यशस्वी जायसवाल इस सत्र में शुरुआत से ही शाट गेंद पर पुल लगाने के प्रयास में कई बार फंसते दिखे हैं। ऐसे में विरोधी खिलाड़ी उनकी इस कमजोरी पर जरूर ध्यान रखेंगे। चयन के बाद से उन्होंने केवल एक अर्धशतकीय पारी खेली है, हालांकि इस मैच में भी केवल सात रन पर उनका कैच छूट गया था। उन्होंने तीन मैचों में केवल 95 रन ही बनाए हैं। ऐसा ही हाल कप्तान रोहित शर्मा का भी रहा है। चयन के बाद से उनका स्ट्राइक रेट चर्चा का बिंदु बन गया है। विशेषकर स्पिन गेंदबाजों के विरुद्ध वह सर्वाधिक संघर्ष करते दिखे हैं। चार मैचों में उन्होंने 46 गेंदें खेली हैं, परंतु वह इनमें केवल 38 रन ही बना सके हैं।

आलराउंडरों का भी निराशाजनक प्रदर्शन जारी: भारतीय टीम में इस बार चार आलराउंडर हार्दिक, शिवम, जडेजा और अक्षर चुने गए हैं। रोहित के साथ केमिस्ट्री के अलावा हार्दिक का बल्ले से भी संघर्ष पूरे आइपीएल सत्र में देखने को मिला है। चयनित होने के बाद से हार्दिक चार मैचों में तीन रन ही बना सके हैं। चयन से पहले शानदार लय में चल रहे शिवम दुबे ने भी चार मैच में केवल 39 रन बनाए हैं। जडेजा भी केवल एक मैच में विकेट ले सके हैं। बल्ले से भी केवल उसी मैच में योगदान दिया है।

टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित (कप्तान)		हार्दिक (उपकप्तान)			यशस्वी जायसवाल		अर्शदीप सिंह		पंत (विकेटकीपर)		मोहम्मद सिराज	
मैच	रन	मैच	रन	विकेट	मैच	रन	मैच	विकेट	मैच	रन	मैच	विकेट
4	38	4	3	7	3	95	3	4	1	15	3	6

संजू (विकेटकीपर)		शिवम (आलराउंडर)			जडेजा (आलराउंडर)			अक्षर (आलराउंडर)			कुलदीप यादव		युजवेंद्र सिंह चहल	
मैच	रन	मैच	रन	विकेट	मैच	रन	विकेट	मैच	रन	विकेट	मैच	विकेट	मैच	विकेट
3	101	4	43	1	4	67	3	2	72	1	2	3	3	2

विराट कोहली		सूर्यकुमार यादव	
मैच	रन	मैच	रन
3	161	4	169

कोहली, बुमराह व सूर्यकुमार की निरंतरता अद्भुत

भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाज विराट के सिर जहां आरेंज कैप सजा है, बुमराह के नाम पर्पल कैप है। चयन के बाद से कोहली ने तीन पारियों में 161 रन बनाए हैं। स्पिन के विरुद्ध स्ट्राइक रेट को लेकर लगातार उठ रहे सवालों का जवाब भी कोहली ने स्लाग स्विप से ढूंढ लिया है। वहीं, बुमराह ने चयन के बाद अब तक चार मैचों में 90 गेंदों में केवल 97 रन देकर छह विकेट चटकाए हैं। सूर्य भी अच्छी लय में हैं। उन्होंने चार मैचों में 169 रन बनाए हैं।

जसप्रीत बुमराह	
मैच	विकेट
4	5

प्रगनानंद ने कार्लसन को हराया अब भी तीसरे स्थान पर बरकरार

वारसा, प्रेट्र: भारत के आर प्रगनानंद ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैग्नस कार्लसन पर एक और जीत दर्ज की, लेकिन वह सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में अब भी तीसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि चीन के वेई यी ने 2.5 अंकों की मजबूत बढ़त प्राप्त कर ली है। ब्लिट्ज प्रतियोगिता में अभी नौ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। वेई यी सात जीत के साथ 20.5 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। कार्लसन के 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद प्रगनानंद का नंबर आता है। इस भारतीय खिलाड़ी के हालांकि 14.5 अंक है और ऐसे में खिताब के लिए मुख्य मुकाबला वेई यी और कार्लसन के बीच रह गया है। भारत के अर्जुन एरीगैसी 14 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं, जबकि पोलैंड के डुडा जान क्रिज्सटोफ 13 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव 12.5 के साथ छठे स्थान पर हैं और उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर एक अंक की बढ़त बना रखी है। प्रतियोगिता के शुरू में शीर्ष पर रहने वाले रोमानिया के किरिल शेवचेंको 11 अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं। हालैंड के अनीश गिरी 10.5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं लेकिन विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश की फार्म चिंता का विषय बनी हुई है क्योंकि वह 1,75,000 अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में 9.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

दीक्षा ने 1500 मीटर दौड़ में बनाया राष्ट्रीय रिकार्ड

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय ट्रैक एथलीट के एम दीक्षा ने लास एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया, जबकि अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे। दीक्षा ने शनिवार को आयोजित प्रतियोगिता में 4 मिनट 4.78 सेकेंड का समय लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने हरमिलन बैंस का रिकार्ड तोड़ा, जिन्होंने 2021 में 4 मिनट 5.39 सेकेंड के समय के साथ रिकार्ड बनाया था।

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
साहित्य और संगीत का
सोमवार, 13 मई, 2024

दोहे

यश मालवीय
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

धूप को चढ़ने लगा बुखार

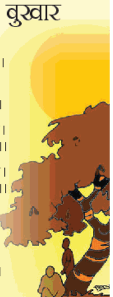

कड़ी धूप की देखजिद, कोने दुबकी छांव।
अपनी-अपनी आग में जलता सारा गांव।।

सूरज की भौहें चढ़ीं, खाने लगा उबाल।
समाधान क्या दें भला, उलझे हुए सवाल।।

गर्म टीन सा तप रहा, हर कोमल अहसास।
पिघला सा डामर पिएं, सड़कें दिखें उदास।।

सूरज चला शिकार पर, लेकर तीर कमान।
लू लपटों से भर गया, दुपहर का सुनसान।।

कौन आदमी की कहे, सड़कें भी बेजार।
हुआ सबेरा धूप को, चढ़ने लगा बुखार।।

सड़कों पर हैं रेंगते, सन्नाटों के नाग।
बरस रही है टूटकर, आसमान से आग।।

तेज धूप क्या छू गई, झुलसे मन के पंख।
बाल बिखेरे घूमता, मौसम का आतंक।।

artiyash23@gmail.com

भावांजलि

गुरभजन सिंह गिल
लुधियाना, पंजाब

नदी जैसा निरंतर बहने वाला कवि

पंजाबी भाषा के प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार पद्मश्री डा. सुरजीत पातर अपने रचनाकर्म से वे देश-विदेश में लोकप्रिय रहे। उनकी कविताओं में समय और समाज की धड़कने सुनाई देती हैं। उनकी स्मृतियों को साझा करती भावांजलि...

स्मृति शेष: पद्मश्री डा. सुरजीत पातर (14 जनवरी, 1945 - 11 मई, 2024)

गत 11 मई के सूर्योदय के समय ही पंजाबी साहित्य का सूर्य अस्त हो गया। सुबह सात बजे दुखद समाचार मिला कि पद्मश्री डा. सुरजीत पातर का निधन हो गया है। एक दिन पहले वे साहित्य सभा बरनाला के समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। शाम को अपने दोस्तों हरजिंदर थिंड और मोहम्मद सादिक के साथ जगराओं के पास बगलगीर में थे। वे रात को सोए और सुबह नहीं उठे। अब जब आंखें बंद करता हूं तो सुरजीत का व्यवहार, तौर-तरीके, ध्यान और सहज ज्ञान, एक नदी की तरह लगते हैं। बिना किनारा तोड़े निरंतर बहने वाले। यदि कोई समकालीन कवि था, जो अपनी सीमाओं और क्षमताओं को जानता था, तो वह केवल सुरजीत पातर ही थे। उनकी कविता से मेरे रिश्ते का यह 52वां साल था। मैं 1970 में गुरु नानक कालेज काला अफगाना (गुरदासपुर) में कवि-दरबार में पहुंचा, जिसमें मैंने पहली बार सुरजीत पातर को सुना। सुरजीत पातर उस समय पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में रिसर्च फेलो थे। बाद में उन्होंने बाबा बुड्ढा कालेज बीर साहिब (अमृतसर) में पढ़ाना शुरू किया। 1971 में मैं लुधियाना में जीजीएन खालसा कालेज में पढ़ने आ गया। यहीं पर हमने शमशेर सिंह संधू और कुछ अन्य मित्रों के साथ मिलकर 'संकल्प' नाम से एक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया। मैंने सुरजीत पातर और कश्मीर कादर की कविताएं मंगवाने की जिम्मेदारी ली। पोस्ट कार्ड लिखा। जवाबी पत्र आया कि वह अगले महीने लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर मोहन सिंह के पास नौकरी के लिए आ रहे हैं। तभी कविताएं दे देंगे। उन्होंने लिखा कि मैं कुछ दिनों तक पावटे हाउस में कवि और चित्रकार देव के साथ रहूंगा। उस समय मिल लेना। चित्रकार देव पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन ग्रामीण कलाकृतियों के म्यूजियम में भित्ति चित्र बना रहे थे।

प्रमुख सम्मान व पुरस्कार
पंजाबी साहित्य अकादमी पुरस्कार (1979), साहित्य अकादमी पुरस्कार (1993), भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता द्वारा पंचनद पुरस्कार (1999), केके बिड़ला फाउंडेशन द्वारा सरस्वती सम्मान (2009), पद्मश्री सम्मान (2012)
प्रमुख कृतियां : कैंडल्स, हनेरे विच सुलगदी वरनमाला, आइया नंद किशोर, हनेरा जरेगा किवेन, फसला, कोई डलिया चो लंगेया हवा बन के

सुरजीत पातर के साथ-साथ पंजाबी कवि मोहनजीत भी प्रो. मोहन सिंह के साथ शोध सहायक के रूप में काम करने लगे। पातर से मिलने के लिए शमशेर और मैंने साइकिल पर सवार होकर यूनिवर्सिटी के पावटे हाउस पर दस्तक दी। सुबह का समय था। एक नंगा सिर हमारे सामने था। हमने कहा, 'हमें पातर साहब से मिलना है।' उन्होंने कहा, 'मुझे बताओ, मैं पातर हूं।' शमशेर ने जवाब दिया, 'यार, मजाक मत करो, हमें पातर साहब से मिलना है, जो कवि हैं।' इतनी देर में देव भी आ गए। हंसे और बोले, 'चलो दोस्तो! ये सुरजीत पातर हैं।' मेरी परेशानी यह थी कि पातर साहब को मैंने काला अफगाना में केवल एक बार देखा था, शमशेर से पहली बार मिला था। धीरे-धीरे बातें खुलीं कि हम लेटर ब्वाय थे, जो 'संकल्प' के लिए कविताएं मांगते थे। पातर ने कविता की प्रति हमें थमाते हुए कहा, हम मिलते रहेंगे। हमारी हर ओर वाह-वाह हो उठी। उनकी कविताओं से हमारी पत्रिका ने पूरे पंजाब में अलग पहचान बना ली। सुरजीत पातर के कमरे में ग्रामोफोन रिकार्ड प्लेयर पर हम अक्सर बेगम अख्तर, कभी मेहंदी हसन को सुनते थे। इसी मशीन पर कुलदीप मानक के गाने भी सुने जाते थे। यहीं से सुरजीत पातर के साथ लेखक हरदेव दिलगीर से मिलने थरीके गांव गए। देव तो नहीं मिला, लेकिन उसकी जीवनसंगिनी प्रीतम कौर (पिंटो) ने देव का रिकार्ड बाक्स हमें दिखाया।

प्रस्तुति : भूपेंदर सिंह भाटिया

वर्ग पहेली-2628

बाएं से दाएं
2. दुर्दशा, गत, स्थिति, हालत (3)। 4. नीरवता, नि:शब्दता (3)। 5. मेघ, बादल, समुद्र (4)। 7. ग्रंथ का मौलिक परिचय (3)। 8. जमीन, धरती (2)। 9. नियुक्त करना (3)। 11. मुकदमे की सुनवाई की जगह (4)। 14. मीमांसा, व्याख्या (4)। 16. छह अंगों वाला (3)। 18. लक्ष्मी (2)। 19. इच्छा, अभिलाषा (3)। 20. प्राचीन काल से चला आता हुआ (4)। 22. घना वन, बड़ा जंगल (3)। 23. प्रेम, प्रीति (3)।

ऊपर से नीचे
1. ध्वनि, शोर, पुकार (3)। 2. नाव पर घूमने वाला (3)। 3. तपोवन (4)। 4. हुकुमत, शासन (4)। 6. सफेद, एक राग का नाम (3)। 10. नृत्य करना (3)। 11. द्वेष रहित, इर्ष्या का अभाव (3)। 12. अंधकार (2)। 13. सूर्य, दिनकर (2)। 15. व्यथा, पीड़ा, कष्ट (3)। 17. नमी, तरी (4)। 18. पृथ्वी के नीचे के सात लोकों में से छठा (4)। 20. सहने की क्रिया, क्षमा (3)। 21. भाग्य, किस्मत (3)।

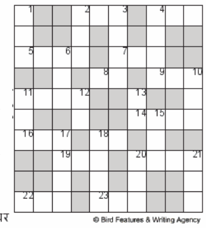

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

जागरण सुडोकू-2628

1			8			6		
			4				2	
	4			6	9	1		5
		3	1				9	
			7		3	4		6
7	8			2			3	
5					8			4
		2	5		1		6	
9				7		8		3

कल का हल

4	7	1	9	3	6	8	5	2
3	2	8	5	4	1	9	6	7
6	5	9	7	2	8	1	3	4
2	3	4	6	9	7	5	1	8
8	9	5	4	1	2	6	7	3
1	6	7	8	5	3	4	2	9
5	4	6	3	7	9	2	8	1
7	8	2	1	6	4	3	9	5
9	1	3	2	8	5	7	4	6

संगीतायन

शशिप्रभा तिवारी
नई दिल्ली

शैली विशेष को दर्शाते संगीत के घराने

किसी इंसान का पहला परिचय उसके परिवार या घर से मिलता है। परिवार उस व्यक्ति को गढ़ता है। इस यथार्थ को शास्त्रीय संगीत के गुरुओं ने बखूबी समझा था, इसलिए उन्होंने अपने पुत्र या पुत्री और शिष्य या शिष्या में भेद न करते हुए घर से घराने की परिकल्पना की थी, जिसकी परंपरा आज भी अक्षुण्ण है।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में घराने का तात्पर्य गायन या वादन की शैली विशेष से है। घराना शब्द हिंदी के 'घर' से बना है। घराने का तात्पर्य परिवार या कुटुंब से है। यह सामान्यतः उस स्थान को चिह्नित करता है, जहां से संगीत की शैली विशेष का उद्गम या विकास हुआ। घराने संगीत की विशेष शास्त्रीय शैली को दर्शाते हैं, जिसमें एक शैली से दूसरे में अंतर सरलता से महसूस किया जा सकता है। मध्यकाल में घरानों की परंपरा शुरू हुई। उस समय स्थान विशेष या भौगोलिक क्षेत्र विशेष में विकसित शैली को ही घराने का नाम दे दिया गया। क्षेत्र विशेष में पनपने के कारण ही घरानों का नाम उन्हीं क्षेत्रों के नाम पर पड़ा, जैसे- बनारस घराना। घराने की परंपरा गुरु या उस्ताद की शैली, संगीत की उनकी विशेष समझ, प्रदर्शन आदि से प्रभावित रही है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के गायन-वादन के प्रसिद्ध घरानों में शामिल हैं- बनारस, मैहर, आगरा, ग्वालियर, इंदौर, जयपुर, किराना, पटियाला, मैहर आदि।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में घरानों की प्राचीन परंपरा आज भी जीवित है। समय-समय पर हर घराने में कुछ ऐसी प्रतिभाएं उभर कर आईं, जिनसे वह घराना प्रसिद्ध हुआ और यह परंपरा सुदृढ़ हुई। घराने में परिवार और गुरु-शिष्य परंपरा दोनों तरह की शिक्षा पद्धतियां रही हैं। धीरे-धीरे परिवार के सदस्यों की उदासीनता से घरानेदार गायकी थोड़ी शिथिल जरूर पड़ी, लेकिन गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत अनेक कलाकारों ने अपने घराने का नाम रौशन किया है, जैसे पंडित रविशंकर, विदुषी सिद्धेश्वरी देवी (बनारस घराना), विदुषी गंगू बाई हंगल, पंडित भीमसेन जोशी (किराना घराना), पंडित जसराज (मेवाती घराना)। घराने के संदर्भ में पंडित गोकुलोत्सव महाराज का कहना है कि एक गुरु की अगली तीन पीढ़ियों तक उसके वंश या शिष्य परंपरा में उसकी गायकी की विशेषताएं उभरने पर ही कोई घराना विशिष्ट घराने के रूप में स्थापित हो सकता है। जैसे, ग्वालियर घराना ग्वालियर के महाराजा के आश्रय में पुष्पित-पल्लवित हुआ। ग्वालियर घराने का जन्मदाता नत्थन पीर बख्श को माना गया है, जबकि पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर ने इस घराने की गायकी को लोकप्रिय बनाया। इस घराने के प्रसिद्ध कलाकारों में पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. विनायक राव पटवर्धन, पंडित नारायण व्यास, निसार हुसैन खां, राजा भैया पूछवाले थे। ग्वालियर अकबर के नवरत्न में एक तानसेन की जन्मभूमि है। यहां कभी पं. भीमसेन जोशी ने गायन सीखा था। इसी घराने के गायक राजा भैया पूछवाले ने पं. भातखंडे की पहल पर संगीत के प्रचार-प्रसार में अविस्मरणीय योगदान किया। उन्होंने ग्वालियर घराने की बंदिशों का संकलन 'स्वराग दर्शन' ग्रंथ में किया है। उनमें खयाल, ध्रुपद, धमार, तराना, चतुरंग, त्रिवट, भजन, अष्टपदी और टप्पा शैली में रचनाएं हैं। इस घराने की गायकी में पौरुष, ओज, ऊर्जस्विता होती है और शब्दों में स्पष्टता, सीधी-सपाट तानों का प्रयोग, लयकारी में बोल तानों और गमक का उपयोग किया जाता है।

shashiprabha.tiwari@gmail.com

पुस्तक परिचय

शीतल छांह में विश्राम

पुस्तक : कला की छांव
लेखक : विनय उपाध्याय
प्रकाशक : आईसेक्ट पब्लिकेशन
मूल्य : 200 रुपये

संगीत, साहित्य और कला, ये तीनों मनुष्य के मन की रागात्मक सिद्धि के उपादान हैं। ख्यात कला समीक्षक विनय उपाध्याय की पुस्तक 'कला की छांव' जीवन की कड़ी धूप में मन को शीतल छांव उपलब्ध कराती है। इस छांव में विश्राम करके ही मनुष्य जीवनीशक्ति प्राप्त करता है और आगे के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करता है। विविध विषयों पर लिखे गए ये निबंध कला, संस्कृति, साहित्य पर विमर्श करते हैं और लोक और शास्त्रीयता के बीच एक सेतु का निर्माण करते हैं। कहीं वे निराला के नव-स्वर पर टिप्पणी करते हैं, कहीं गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के संगीत पर, कहीं वे ग्वालियर घराने की विशेषताओं पर अपनी लेखनी चलाते हैं तो कहीं काष्ठकला और नृत्य पर। कला, संगीत और साहित्य के प्रेमी हृदय को इस पुस्तक की छांह में विश्राम मिलेगा।

विवेक भटनागर

आज का भविष्यफल- 13 मई 2024 सोमवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : वैशाख मास शुक्ल पक्ष षष्ठी का राशिफल। राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक। दिशा शूल : पूर्व आज का पर्व एवं त्योहार : चंदनषष्ठी

कल 14 मई 2024 का पंचांग
कल का दिशा शूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : श्री गंगा सप्तमी
विशेष : सूर्य कृतिका नक्षत्र वृष राशि में विक्रम संवत 2081 शके 1946, उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु, वैशाख मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी 28 घंटे 20 मिनट तक, तत्पश्चात अष्टमी, पुष्य नक्षत्र 13 घंटे 05 मिनट तक तत्पश्चात आश्लेषा नक्षत्र, गंड योग 07 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात वृद्धि योग, कर्क में चंद्रमा।

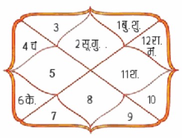

मेष : पारिवारिक कार्य में व्यस्त रहेंगे। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी।
वृष : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
मिथुन : रिश्तों में निकटता आएगी। जीविका के क्षेत्र मे प्रगति होगी।
कर्क : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
सिंह : रचनात्मक कार्यों में सफलता। सामाजिक कार्यों मे रुचि लेंगे।
कन्या : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
तुला : धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
वृश्चिक : पिता या धर्मगुरु का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
धनु : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी, अनचाही यात्रा से तनाव मिलेगा।
मकर : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।
कुंभ : व्यस्तता बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।
मीन : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

राष्ट्रीय फलक

भोजशाला की उत्तर दिशा में नई संरचना दिखी, पाषाण अवशेष मिले

धार स्थित भोजशाला। नईदुनिया फाइल फोटो

नईदुनिया प्रतिनिधि धार : भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) सर्वे के 52वें दिन सर्वे के दौरान भोजशाला की उत्तर दिशा में कुछ पाषाण अवशेष मिले, साथ ही एक नई संरचना भी दिखने लगी है। हालांकि, पाषाण अवशेष और नई संरचना के बारे में अभी बहुत कुछ स्पष्ट नहीं है।

रविवार को भोजशाला के पीछे की ओर भी मिट्टी हटाई गई है, वहां पर जल जमाव रोकने के भी इंतजाम किए जा रहे हैं। पीछे के भाग में खेत में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और नपती का कार्य किया गया। हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि भोजशाला के भीतर खोदाई में जहां दीवारें दिखाई दे रही हैं, वहां सर्वे कार्य धीरे-धीरे व्यापक हो रहा है। यज्ञ कुंड के नजदीक ट्रेंच में खोदाई और अधिक गहराई तक की गई है। यहीं पर दीवारनुमा संरचना मिली है। तलघर होने की संभावना को देखते हुए तेजी से काम किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जो अवशेष मिल रहे हैं, उन्हें लेकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम ने क्लीनिंग, ब्रशिंग और पैकिंग का काम किया है। माना जा रहा है कि इन अवशेषों को व्यवस्थित रूप से जांच के लिए भेजा जाएगा।

उत्तराखंड में वन्यजीवों से फसल सुरक्षा कैसे हो, सुझाव देगा पलायन आयोग

केदार दत्त ● जागरण

देहरादून : 71.05 प्रतिशत वन भूभाग वाले उत्तराखंड में खेती को वन्यजीव निरंतर क्षति पहुंचा रहे हैं। गांवों से हो रहे पलायन के पीछे भी यह एक बड़ा कारण है। यद्यपि, वन्यजीवों से फसल क्षति पर वन विभाग क्षतिपूर्ति देता है, लेकिन यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। ऐसे में लोग खेती से विमुख हो रहे हैं। नतीजा, गांव खाली और खेत-खलिहान बंजर के रूप में सामने आया है। इसे देखते हुए सरकार अब सक्रिय हो गई है। पलायन निवारण आयोग को इस समस्या के समाधान के दृष्टिगत गहन अध्ययन कर सरकार को सुझाव देने को कहा गया है। आयोग ने अपनी वार्षिक कार्ययोजना में इस बिंदु को प्रमुखता से रखा है। वह, वन समेत सभी संबंधित विभागों के साथ ही विशेषज्ञों से विमर्श कर सुझाव सहित अपनी रिपोर्ट शीघ्र ही सरकार को सौंपेगा।

दरअसल, लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले मार्च में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई पलायन निवारण आयोग की बैठक में आयोग की इस वर्ष की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया था। राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए प्रथम चरण में मतदान संपन्न होने के बाद आयोग अब इस कार्ययोजना को कार्यरूप में परिणत करने में जुट गया है। इसमें वन्यजीवों से फसल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि साल-दर-साल वन्यजीव खेती को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में वन्यजीवों से फसल सुरक्षा को ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं। आयोग ने काम शुरू कर दिया है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार कदम उठाएगी।

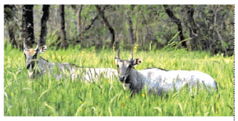

पलायन रोकथाम योजना पर नजर रखेंगे

पलायन की रोकथाम को प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना पर पलायन निवारण आयोग के सदस्य नजर रखेंगे। आयोग के सदस्यों को क्लस्टरवार जिम्मेदारी दी जा रही है। यदि योजना के क्रियान्वयन में कहीं किसी स्तर पर कोई दिक्कत आ रही है तो आयोग सरकार के संज्ञान में लाकर इसका निवारण कराएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में सुधरे शिक्षा का स्तर

आयोग की वार्षिक कार्ययोजना में ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था को भी केंद्र में रखा गया है। इसके तहत आयोग ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के दृष्टिगत अध्ययन करेगा और फिर रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। इसके पीछे मंशा यह है कि गांवों में प्राथमिक से माध्यमिक तक की शिक्षा बेहतर हो और नौनिहालों को शहरों की दौड़ न लगानी पड़े।

आयोग की इस वर्ष की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा चुका है। पलायन की रोकथाम के दृष्टिगत विभिन्न बिंदुओं को को इसमें शामिल किया गया है। गहन अध्ययन के पश्चात सरकार को सुझाव सहित रिपोर्ट सौंपी जाएगी।
- डा. एसएस नेगी, उपाध्यक्ष, पलायन निवारण आयोग।

वैदिक मंत्रोच्चारण से गूंज उठा कश्मीर का गोपाद्री पर्वत

आदि शंकराचार्य जयंती

- श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में विशेष पूजा अर्चना और हवन यज्ञ, देशभर से संत-महात्मा पहुंचे
- श्रीनगर के कई हिस्सों से शोभा यात्रा भी निकली, स्थानीय श्रद्धालु और पर्यटकों की भीड़ उमड़ी

जागरण संवाददाता, राजौरी

आदि शंकराचार्य की जयंती पर गोपाद्री पर्वत पर स्थित प्राचीन शंकराचार्य मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण से कश्मीर घाटी गूंज उठी। मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के साथ हवन यज्ञ भी हुआ। बदले हालात के बीच देश की एकता व अखंडता को मजबूत करने की भावना के साथ देशभर के संत-महात्मा भी जुटे हुए थे। इसके बाद स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी के नेतृत्व में श्रीनगर में शोभा यात्रा भी निकाली गई जो कई क्षेत्रों से होकर गुजरी। बता दें कि शंकराचार्य जयंती को सनातन धर्म में महत्वपूर्ण उत्सवों में से एक माना जाता है। खास बात ये है कि 8वीं शताब्दी के दौरान भारतीय दार्शनिक व चिंतक आदि शंकराचार्य ने शंकराचार्य मंदिर में लंबे समय तक तपस्या की थी। भगवान शिव का यह मंदिर ज्येठेश्वर महादेव के नाम से भी लोकप्रिय है।

आठ वर्षों से स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज शंकराचार्य मंदिर में हर शंकराचार्य जयंती पर भव्य कार्यक्रम करते आ रहे हैं। राजौरी के सुंदरबनी से श्रद्धालुओं के साथ श्रीनगर पहुंचने पर रविवार को शंकराचार्य मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन हुआ। महामंडलेश्वर अक्षरानंद, महामंडलेश्वर दिव्य आनंद, महामंडलेश्वर रामेश्वरर आनंद सहित काफी संख्या में संत-महात्मा पहुंचे थे। स्वामी विश्वात्मानंद ने लाल चौक व आसपास के क्षेत्रों में शोभा यात्रा निकाली।

शंकराचार्य जयंती पर श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते स्वामी विश्वात्मानंद व अन्य। जागरण

अयोध्या में वाल्मीकि की प्रतिमा बनाने वाले प्रभात राय नहीं रहे

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर : प्रसिद्ध मूर्तिकार प्रभात राय का 60 वर्ष की आयु में शनिवार की रात ग्वालियर के सिटी सेंटर स्थित आवास पर निधन हो गया। वह लंबे समय से लिवर संबंधित रोग से पीड़ित थे। हाल में अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उनकी बनाई महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित की गई थी। प्रभात राय 20 रुपये रोज की दिहाड़ी से 28 साल पहले मूर्ति बनाने की शुरुआत की थी और आज वह एक साल में लगभग तीन करोड़ रुपये का काम कर रहे थे। प्रभात राय ने 1500 से अधिक मूर्तियां तैयार कीं। उन्होंने कई ऐसी मूर्तियां बनाईं, जो विश्व में इकलौती हैं। इनमें फ्रांस में महाराणा रणजीत सिंह की मूर्ति शामिल हैं। फ्रांस में वर्ष 2016-17 में महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति स्थापित हुई।

मूर्तिकार प्रभात राय।

मप्र के दमोह में 13 महीने बाद पिता को मिलीं बेटे की अस्थियां

- डीएनए सैंपल का मिलान नहीं होने से उलझा मामला
- बेटे को खोजने के लिए पिता ने रखा था पांच लाख का इनाम

नईदुनिया प्रतिनिधि, दमोह : मध्य प्रदेश के दमोह में डीएनए सैंपल का मिलान नहीं होने से एक पिता 13 महीने तक अपने बेटे की अस्थियां पाने के लिए संघर्ष करता रहा। आखिरकार पुलिस ने पिता लक्ष्मण पटेल के आवेदन पर उसके 14 वर्षीय पुत्र जयराज की कुछ अस्थियां रविवार को पिता के हवाले कर दीं। पथरिया टीआइ सुधीर बेगी गांव पहुंचे और अस्थियां पिता को सौंपकर ग्रामीणों के सामने उसे दफन करा दीं।

दमोह जिले के ग्राम पिपरिया छक्का के लक्ष्मण पटेल का 14 वर्षीय पुत्र जयराज कक्षा 10वीं में पढ़ता था। वह 29 मार्च 2023 को गांव से लापता हो गया था। पिता लक्ष्मण और मां यशोदा ने जयराज की काफी खोजबीन की, पर वह नहीं मिला। दुखी पिता ने बेटे के बारे में जानकारी देने पर पांच लाख रुपये का इनाम तक रख दिया था। इसी बीच 14 मई को गांव के तालाब के पास एक कंकाल मिला था। कपड़े के आधार पर पिता ने कंकाल की पहचान बेटे जयराज के रूप में की थी और कंकाल अंतिम संस्कार करने के लिए मांगा था। पुलिस ने इसे सबूत न मानते हुए कंकाल को डीएनए जांच के लिए सागर एफएसएल भेजा था, लेकिन जांच नहीं हुई तो चंडीगढ़ भेजा था। चंडीगढ़ से मिली रिपोर्ट का मिलान माता-पिता से नहीं हुआ। पिता ने बताया कि उन्होंने टेस्ट ट्यूब के जरिये संतान को जन्म दिया था। पुलिस इंदौर पहुंची, पर जांच अधूरी रह गई। पुलिस फिर सैंपल चंडीगढ़ भेजने की तैयारी में है। पिता लक्ष्मण ने बताया कि उन्हें अस्थियां मिल गई हैं, जिन्हें दफना दिया है, अब बाकी के संस्कार करेंगे। लंबी प्रक्रिया के बाद यह तय नहीं हो सका कि जो शव पुलिस ने बरामद किया था, वह उसके पुत्र का है कि नहीं।

मुंबई पुलिस ने 107 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की

जासं, जयपुर : मुंबई पुलिस ने राजस्थान के जोधपुर में सर्विस सेंटर की आड़ में चल रही ड्रग्स फैक्ट्री पर छापा मार कर 107 करोड़ रुपये मूल्य का नशीला पदार्थ बरामद किया है। जोधपुर के मोगड़ा स्थित फैक्ट्री में करीब 68 किलो एमडी ड्रग का उत्पादन किया जा रहा था।

मुंबई पुलिस के संयुक्त आयुक्त सत्यनारायण चौधरी के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पता चला कि फैक्ट्री का संचालक 40 वर्षीय भारमल जाट कर रहा था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद भारमल को पुलिस सोमवार को मुंबई लेकर जाएगी। भारमल पिछले छह महीने से वाहनों के सर्विस स्टेशन की आड़ में फैक्ट्री चला रहा था। इसके अतिरिक्त चार अन्य फैक्ट्रियां जोधपुर जिले में संचालित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि एनसीबी और गुजरात एटीएस ने बीते 27 अप्रैल को गुजरात और राजस्थान में 230 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स पकड़ी थी और 13 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से छह राजस्थान के हैं। इस कार्रवाई में राजस्थान एसओजी का भी सहयोग लिया गया था।

वाशरूम ब्रेक का अनुरोध करने को वाकी-टाकी का उपयोग शर्मनाक

महिला ट्रेन चालक बोलीं
- कहा, शौचालय जाने के लिए हमें पुरुष लोको पायलट को देनी होती है सूचना
- बातचीत दर्जनों अधिकारियों तक वाकी-टाकी के माध्यम से पहुंचती है

नई दिल्ली, प्रेट्र : महिला ट्रेन चालकों ने ड्यूटी के दौरान वाशरूम ब्रेक का अनुरोध करने के लिए वाकी-टाकी का उपयोग करने के शर्मनाक और असुरक्षित चलन का विरोध किया है। एक महिला लोको पायलट ने कहा कि यदि हमें शौचालय जाने के लिए अनुरोध करना होता है तो हमें पुरुष लोको पायलट को बताना होता है, जो स्टेशन मास्टर को सूचित करता है। फिर स्टेशन मास्टर इसे आगे नियंत्रण विभाग को बताता है।

उन्होंने कहा कि ये सभी बातचीत रेंज के दर्जनों अन्य अधिकारियों तक भी वाकी-टाकी के माध्यम से पहुंचती हैं। स्टेशन पर हर जगह यह संदेश प्रसारित हो जाता है कि एक महिला लोको पायलट शौचालय जाना चाहती है।

महिला चालकों ने कहा कि अनौपचारिक रूप से अपनाई गई यह मौजूदा व्यवस्था शर्मनाक है। उनकी सुरक्षा से समझौता करने के समान है। इससे महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनके अनुसार, भारतीय रेलवे में कार्यरत 1700 से अधिक महिला ट्रेन चालकों में से 90 प्रतिशत सहायक लोको पायलट हैं। ये यात्री रेल या मालगाड़ियों के पुरुष लोको पायलट के सहायक के रूप में काम करती हैं।

एक अन्य महिला लोको पायलट ने बताया कि एक बार जब मैं एक मालगाड़ी पर पुरुष चालक के साथ ड्यूटी पर थी तो मुझे इस कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ा। एक यात्री ट्रेन में कोई चालक किसी भी डिब्बे में शौचालय जा सकता है, लेकिन मालगाड़ी के मामले में आपको स्टेशन पर उतरना होगा। उस दौरान टायलेट ढूंढना काफी मुश्किल होता है।

ऋषिकेश में प्रोजेक्ट हेड गंगा में बहा, लापता

जासं, ऋषिकेश: ऋषिकेश के शिवपुरी क्षेत्र में मेरठ निवासी युवक गंगा में नहाते समय तेज बहाव में बह गए। युवक नोकल सिस्टम कंपनी में प्रोजेक्ट हेड हैं। वह कंपनी के 35 कर्मचारियों को लेकर यहां घूमने आए थे। एसडीआरएफ की टीम युवक की तलाश में जुटी है। मुनिकीरेती थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह के अनुसार, ऋषिकेश घूमने आए इंजीनियरिंग समाधान प्रदाता और औद्योगिक स्वचालन सेवा कंपनी नोकल सिस्टम के कर्मचारी शुक्रवार से होटल ग्रैंड शिवा, शिवपुरी में रुके हुए हैं। रविवार सुबह करीब छह बजे दल के दो कर्मचारी मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के शिवपुरी में गंगा तट पर पहुंचे। यहां अंकुर गोयल (40 वर्ष) निवासी 504 ब्रह्मपुरी पंजाया, शारदा रोड वीर नगर, मेरठ सिटी नहाने लगे। इस दौरान वह तेज बहाव में बह गए।

अंकुर गोयल। फाइल

****

थामस एडिसन ने किया इलेक्ट्रिक ट्रेन का पहला ट्रायल

वैज्ञानिक थामस अल्वा एडिसन ने 1880 में आज ही इलेक्ट्रिक ट्रेन का पहला ट्रायल किया था। दो डिब्बों की इस ट्रेन को लगभग आधा किलोमीटर के ट्रैक पर चलाया गया था। एडिसन के इस प्रयास को इलेक्ट्रिक इंजन बनाने के पहले प्रयासों में गिना जाता है।

बिना आक्सीजन एवरेस्ट पर पहुंचने वाली महिला बनीं एलिसन

1995 में आज ही ब्रिटिश पर्वतारोही एलिसन हरग्रीव्स बिना आक्सीजन या शेरपा की मदद के माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचने वाली पहली महिला बनी थीं। उनका लक्ष्य दुनिया के तीन सबसे ऊंचे पर्वतों पर चढ़ना था। हालांकि 13 अगस्त, 1995 को के2 से उतरते समय उनकी मृत्यु हो गई।

अपनी भाव भंगिमा से लोट-पोट कर देते थे असित सेन

हास्य अभिनेता असित सेन का जन्म 1917 में आज ही गोरखपुर में हुआ था। करियर की शुरुआत में गोरखपुर में फोटो स्टूडियो चलाते थे। बाद में कोलकाता जाकर बिमल राय के सहायक बन गए। 1959 में सुजाता फिल्म से करियर की शुरुआत की। फिल्म बीस साल बाद में गोपीचंद जासूस की भूमिका ने बतौर कामेडियन पहचान दिलाई। बांबे टू गोवा, बालिका वधू, बजरंग बली, आनंद सहित 200 से अधिक फिल्मों में अपने हास्य अभिनय और चरित्र किरदार का लोहा मनवाया।

स्पर्म व्हेल मछलियों की भाषा समझने में मिली कामयाबी

- विज्ञानियों का दावा, इस भाषा के जरिये यह आपस में संवाद स्थापित करती हैं
- शोध पत्रिका 'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित हुआ है

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली : क्या आप जानते हैं कि व्हेल मछलियां बात करती हैं...एक-दूसरे से संवाद स्थापित करती हैं। बिलकुल इंसानों की तरह। विज्ञानियों का दावा है कि स्पर्म व्हेल मछलियों की भाषा के अक्षरों को समझने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। अगर यह कोशिश आगे बढ़ती है तो वे उनकी भाषा के शब्द सीख भी सकते हैं। हालांकि अभी बहुत शोध होना बाकी है। हाल ही में यह शोध पत्रिका 'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित हुआ है।

संवाद के मिले सबूत

विज्ञानियों को इस बात के सबूत पहले भी मिले हैं कि व्हेल के बीच बाकायदा संवाद होता है, जिसकी अपनी एक भाषा है। अब विज्ञानी उस भाषा का ककहरा सीखने की कोशिश कर रहे हैं। विज्ञानियों ने कई साल तक पूर्वी कैरेबिया के समुद्र में रहने वाली स्पर्म मछलियों के संवाद को रिकार्ड किया। फिर इस विस्तृत डाटा के विश्लेषण से पता चला है कि उनके बीच बातचीत की व्यवस्था बहुत परिष्कृत होती है। दांतों वाली प्रजातियों में सबसे बड़ी स्पर्म व्हेल मछलियों के बीच संवाद के लिए कट-कट-कट की आवाजों का इस्तेमाल होता है। इस आवाज को कोडाज कहा जाता है और यह मोर्स कुंजी जैसी आवाज होती है।

इंसानी भाषा से समानता

शोधकर्ताओं ने उनके संवाद में वर्णों की भी पहचान की है और उन्होंने पाया कि उनके संवाद में अन्य जानवरों और यहां तक कि इंसानी भाषाओं से भी समानताएं हैं। मसैचुसेट्स इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलाजी में पीएचडी कर रहीं प्रत्युषा शर्मा के अनुसार बेशक उनकी आवाजों को शब्द या भाषा देना अभी संभव न सही, लेकिन हम उनके व्यवहार के लिहाज से उनकी आवाजों का अध्ययन कर रहे हैं, ताकि यह समझा जा सके कि वे किस बारे में बात कर रही हैं।

60 से अधिक व्हेल मछलियों के डाटा का विश्लेषण

स्पर्म व्हेल मछलियां 18 मीटर यानी लगभग 60 फुट तक लंबी हो सकती हैं। किसी भी जानवर के मुकाबले उनका मस्तिष्क बड़ा होता है। वे गहरा गोता लगा सकती हैं और बड़ी मछलियों व समुद्री जीवों को खाती हैं। मशीन लर्निंग टीम के प्रोजेक्ट सीईटीआई के तहत किए गए शोध में पारंपरिक तरीकों के अलावा डाटा विश्लेषण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली गई है। इस तरह डोमिनिका स्पर्म व्हेल प्रोजेक्ट के तहत जुटाए गए 60 मछलियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

अक्षरों और शब्दों का मेल, आवाज में उतार-चढ़ाव और संख्याओं में बदलाव

- सहायक शोधकर्ता और डोमिनिका स्पर्म व्हेल प्रोजेक्ट के संस्थापक शेन गेरो कहते हैं, सबसे पहले मन में यह सवाल उठता है कि वे ये कोडाज एक-दूसरे को क्यों भेज रही हैं? वे क्या सूचनाएं साझा कर रही होंगी कि वे इन कोडाज का इस्तेमाल पारिवारिक कार्यों जैसे बच्चों की देखभाल और सुरक्षा आदि सुनिश्चित करने के लिए करती हैं।
- शोधकर्ताओं ने पाया कि इस बातचीत में आवाजों के उतार-चढ़ाव, गति और संख्याओं में बदलाव होता है। जैसे कि मछलियों ने कट-कट-कट की आवाजों की अवधि में बदलाव किया और कई बार आखिर में एक अतिरिक्त कट-कट जोड़ा। एमआइटी में कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर और प्रोजेक्ट सेटी के सदस्य जैकब आंद्रियास बताते हैं, ये जितने भी कोडाज हम देखते हैं, दरअसल ये बहुत सारे छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर बनाए गए होते हैं। ठीक वैसे ही, जैसे इंसान अलग-अलग वर्णों और अक्षरों की ध्वनियां जोड़कर शब्द बनाते हैं और फिर उन शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाते हैं, जिनके अर्थ बहुत जटिल भी हो सकते हैं।
- शर्मा के अनुसार इसे कुछ यूं समझाती हैं, "इन जोड़ों के दो स्तर होते हैं। पहले ध्वनियों से शब्द बनते हैं और फिर शब्दों से वाक्य। स्पर्म व्हेल भी कोडाज को दो स्तरों पर इस्तेमाल करती हैं। निचला स्तर अक्षरों जैसा है।

शेवरले इम्पाला प्रदर्शित

अमेरिका के लास एंजिलिस में पीटरसन आटोमोटिव संग्रहालय में नई लोराइडर प्रदर्शनी 'वेस्ट इन लो : लोराइडर आइकान्स आफ द स्ट्रीट एंड शो' में प्रदर्शित फाइनल स्कोर नाम की 1958 शेवरले इम्पाला। गोल्डन कलर की यह इम्पाला कार लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इम्पाला अपने दौर की शान औ शौकत की कार मानी जाती थी। यह प्रदर्शनी अगले वर्ष अप्रैल 2025 तक चलेगी। एपी

इधर-उधर की

ओवरहेड बिन में चढ़ कर झपकी लेने लगी महिला

50 लाख से ज्यादा बार देखा गया है घटना का वीडियो। इंटरनेट मीडिया

जेएनएन, नई दिल्ली : हाल में साउथवेस्ट एयरलाइंस की फ्लाइट में एक महिला यात्री को देख कर यात्री हैरान गए। महिला यात्री ओवरहेड बिन में लेट कर झपकी ले रही थी। फ्लाइट में यात्री बैग रखने के लिए ओवरहेड बिन का इस्तेमाल करते हैं। एक टिकटाक यूजर ने इसका वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो को 50 लाख से अधिक बार देखा गया है और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया है। हालांकि साउथवेस्ट एयरलाइंस ने अभी तक इस वीडियो पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बच्चों का कम नींद लेना हो सकता है खतरनाक

ऐसे बच्चों में वयस्कता में मनोवैज्ञानिक विकार होने की संभावना दोगुनी से भी अधिक पाई गई

छह महीने से सात साल की उम्र के 12,400 बच्चों की नींद की अवधि का किया गया विश्लेषण

नई दिल्ली, प्रेट्र: बचपन से ही नींद की कमी का अनुभव करने वाले बच्चों में वयस्कता की शुरुआत में मनोविकृति होने का खतरा बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। छह महीने से सात साल की उम्र के लगभग 12,400 बच्चों की नींद की अवधि का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि लगातार कम घंटे सोने वाले बच्चों में शुरुआती वयस्कता में मनोवैज्ञानिक विकार विकसित होने की संभावना दोगुनी से भी अधिक पाई गई थी। इन बच्चों में मनोवैज्ञानिक प्रकरण होने की संभावना लगभग चार गुना अधिक पाई गई, जिसमें व्यक्ति अपनी वास्तविकता से संपर्क खो देता है और मतिभ्रम का अनुभव करता है।

ब्रिटेन के बर्मिंघम विश्वविद्यालय के प्रमुख लेखक इसाबेल मोरालेस मुअनोज़ के अनुसार, बचपन में नींद की लगातार या पुरानी कमी सीधे तौर पर वयस्क होने पर मनोविकृति का कारण नहीं बन सकती है, लेकिन यह एक योगदान तौर पर कारक हो सकती है और माता पिता इसे संबोधित करने में मदद करते हैं। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि पिछले अध्ययनों ने नींद की समस्याओं को मनोविकृति से जोड़ा है। यह पहला अध्ययन है जो यह दर्शाता है कि नींद की लगातार कमी किसी व्यक्ति के लिए मनोविकृति का अनुभव करने का एक मजबूत पूर्वानुमान हो सकती है। यह निष्कर्ष द जर्नल आफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) मनोचिकित्सा में प्रकाशित हुए हैं।

नींद की समस्या। फाइल

मोरालेस-मुअनोज़ ने कहा कि बचपन में अलग-अलग समय पर बच्चों का नींद की समस्याओं से पीड़ित होना पूरी तरह से सामान्य बात है, लेकिन यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि मदद मांगने का समय कब हो सकता है। कभी-कभी नींद एक लगातार और पुरानी समस्या बन सकती है और इस संबंध वयस्क होने पर मानसिक बीमारी के साथ संबंध के रूप में देखते हैं। शोधकर्ताओं ने लगभग 4,000 वयस्कों के डाटा का भी विश्लेषण किया, जब वे 24 वर्ष के थे।

शोधकर्ताओं की टीम को एक बच्चे के रूप में नींद की लगातार कमी और एक वयस्क के रूप में मनोविकृति का अनुभव करने के बीच एक मजबूत संबंध मिला। उन्होंने कहा कि इसमें कोई कारण संबंध साबित नहीं किया है और अन्य संबंधित कारकों की जांच करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, बच्चों की इम्यून प्रणाली के स्वास्थ्य को देखते हुए शोधकर्ताओं ने नौ साल के बच्चों के रक्त के नमूनों में सूजन के स्तर को मापा। परिणामों से पता चला कि कमजोर इम्यून प्रणाली आंशिक रूप से नींद की कमी और मनोविकृति के बीच संबंध को समझा सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि हालांकि, अन्य अज्ञात कारक भी महत्वपूर्ण होने की संभावना है। मोरालेस-मुअनोज ने कहा कि हम जानते हैं कि मानसिक बीमारी से पीड़ित युवा की शुरुआती तौर पर हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य में अच्छी नींद की भूमिका को समझना इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

आटिज्म होने से पहले मेटाबोलिक परिवर्तनों का पता लगाया गया

अनुसंधान

अमेरिकी विज्ञानियों ने बच्चे में आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर (एएसडी) होने से पहले होने वाले प्रारंभिक मेटाबोलिक परिवर्तनों के बारे में जानकारी हासिल की है। शोधकर्ताओं द्वारा जांच किए गए 50 विभिन्न जैव रासायनिक प्रक्रिया में से सिर्फ 14 आटिज्म के 80 प्रतिशत मेटाबोलिक प्रभाव के लिए जिम्मेदार थे।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन डिएगो की टीम ने पाया कि कुछ संख्या में जैव रासायनिक प्रक्रिया इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। इनमें से अधिकांश परिवर्तन एएसडी को जन्म देते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि जन्म के समय, जिस बच्चे में अगले कुछ वर्षों में आटिज्म विकसित होगा, उसकी शारीरिक बनावट और व्यवहार को एक विक्षिप्त बच्चे से अलग नहीं किया जा सकता है।

शोधकर्ता प्रोफेसर राबर्ट नेवियोक्स ने कहा कि वास्तव में ज्यादातर मामलों में आटिज्म के संबंध में बच्चे का भाग्य जन्म के समय निर्धारित नहीं होता। हम उस कारणों के संबंध में सीखना शुरू कर रहे हैं जो जोखिम से एएसडी के पहले लक्षणों की उपस्थिति तक को नियंत्रित करता है। बच्चे में इस रोग का जितना जल्दी पता लगाया जाएगा उतना ही जल्द उसे बेहतर इलाज मिल सकेगा। इस बारे में जर्नल कम्युनिकेशंस बायोलाजी में प्रकाशित अध्ययन के लिए टीम ने नवजात के एक समूह का अध्ययन किया, जिनमें आटिज्म का पता नहीं लगाया जा सका और नवजात से पांच वर्षीय बच्चों के एक अन्य समूह का जिनमें आटिज्म का पता चला था। उन्होंने उन बच्चों के मेटाबोलिक प्रोफाइल के बीच आश्चर्यजनक अंतर पाया। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

सितारों ने व्यक्त किया मां के प्रति अगाध प्रेम

काजोल ने अपनी मां तनुजा से किया परंपरा जारी रखने का वादा। इस्टाग्राम(@kajol)

रविवार को माताओं को समर्पित मातृ दिवस के मौके पर सिनेमा के सितारों ने भी अलग-अलग माध्यमों से माताओं के प्रति स्नेह और भावनाओं को व्यक्त किया। इस मौके पर अभिनेता संजय दत्त ने मां नरगिस की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की और लिखा, 'उस औरत को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दे रहा हूं, जिन्होंने मुझे बिना किसी शर्त प्यार करना और दयापूर्ण जीवन जीना सिखाया। मां, मैं दिल में जो प्यार रखता हूं, उसमें आपकी आत्मा जीवित है।' वहीं अभिनेता सनी देओल ने मां प्रकाश कौर के साथ इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। जिसमें बर्फीली वादियों के बीच लेटे सनी पर उनकी मां बर्फ फेंक रही हैं। दिवंगत अभिनेता इरफान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर मां सुतापा व पिता इरफान की तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा, 'बिना सुतापा सिकदर के कोई इरफान नहीं होते। बिना सुतापा सिकदर के कोई अयान नहीं होते। अगर सुतापा सिकदर न होती, तो कोई बाबिल न होता। हर दिन मातृ दिवस है।' अभिनेत्री काजोल ने मां तनुजा के साथ तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, 'अनूठी माताएं चरित्र निर्माण करती हैं, कम से कम मैंने तो यही सुना है। मां आप चिंता मत करो, मैं इस सुखद परंपरा को जारी रखूंगी। और बेशक उन चुटकुलों पर हंसने की भी परंपरा को, जिन्हें सिर्फ आप और मैं समझते हैं।'

तीन दिन की मेहमान भूमिका से इस तरह हीरामंडी के नायक बने ताहा

भाग्य ने किसी व्यक्ति के हिस्से में जो लिखा होता है, वह किसी न किसी तरह से उसे मिल ही जाती है। हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज हीरामंडी में ताजदार की भूमिका निभाने वाले अभिनेता ताहा शाह बदुशा इन दिनों खूब सराहना बटोर रहे हैं। ताहा को पहले शो में छोटी भूमिका के लिए मात्र तीन दिनों की शूटिंग करने के लिए चुना गया था। दैनिक जागरण से बातचीत में ताहा बताते हैं, 'आडिशन के बाद शो में तीन दिनों की शूटिंग के लिए छोटा सा रोल मिला था। उसके करीब दो सप्ताह बाद मुझे फोन आया कि सर (संजय लीला भंसाली) आपसे मिलना चाहते हैं। करीब आधे घंटे बातचीत हुई, तब उन्होंने मुझे उस छोटे रोल की जगह ताजदार के दोस्त बलराज का रोल दे दिया। उसके दो-ढाई सप्ताह बाद फिर मुझे प्रोडक्शन की तरफ से फोन आया। उन्होंने कहा कि सारी, संजय सर ने विचार बदल लिया है। मैं दोबारा संजय सर से मिलने गया। इस बार मैं उनसे मिन्नतें करने लगा कि सर अगर कोई गलती हो तो माफ कर दो, लेकिन मुझे शो से निकालो मत। उन्होंने कहा कि तुम्हारी आंखों में कुछ है। क्या तुम मेरे नायक ताजदार बनोगे? यह सुनकर मैं चौंक गया। मुझे स्वयं पर बड़ी मुश्किल से भरोसा हुआ।'

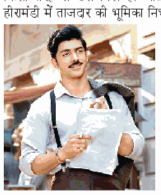

दुबई में पले-बढ़े हैं ताहा

जाह्नवी कपूर और एमएस धौनी की जर्सी नंबर में है यह जुड़ाव

क्रिकेट और सिनेमा का नाता बहुत पुराना रहा है। 31 मई को प्रदर्शित हो रही जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही भी इसी तरह क्रिकेट की पृष्ठभूमि पर आधारित है। रविवार को इसका ट्रेलर जारी किया गया। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर प्रशंसकों के साथ सवाल जवाब का सत्र किया। इस दौरान उन्होंने पिछले कुछ दिनों में छह नंबर छपे कपड़े पहन कर घूमने का कारण बताया। उन्होंने कहा, 'महिमा (फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में जान्हवी की पात्र) का जर्सी नंबर छह है। हम सभी की तरह वो भी क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी की बड़ी प्रशंसक है, उनका जर्सी नंबर सात है। जब मैं, शरण (निर्देशक शरण शर्मा), हम सभी इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि मेरी जर्सी का नंबर क्या होना चाहिए? तब हमें एहसास हुआ कि धौनी सर, के सम्मान में सात नंबर सिर्फ उनकी जर्सी का नंबर होना चाहिए। हमें कोई दूसरा नंबर लेना चाहिए। छह मेरा लकी नंबर है। इसलिए महिमा की जर्सी का नंबर छह है।' जाह्नवी से एक अन्य यूजर ने पूछा कि क्या आप प्रमोशन में अभिनेत्री जेंडाया की नकल करती हैं? जान्हवी ने कहा, 'हां, उन्होंने ड्यून व चैलेंजर्स के प्रमोशन के समय जो किया था, मैं उससे ज्यादा प्रभावित हूं।

क्रिकेटर की भूमिका में होंगी जाह्नवी। (@janhvikapoor)

फिल्म इमरजेंसी में अटल बिहारी बाजपेयी बनने का अनुभव कैसा रहा? हाल ही में मैं अटल हूं बायोपिक भी उन पर आई थी...

फिल्म में काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। मुझे कंगना रनौत के साथ काम करने का मौका मिला। वह बेहतरीन अदाकारा, निर्माता और निर्देशक हैं। इतने जटिल विषय पर तीनों जिम्मेदारी उठाना कठिन काम है। उन्होंने उस काम को बखूबी किया। मैंने अपने किरदार के साथ न्याय करने की कोशिश की है। मेरी निर्देशक खुश हैं तो मैं भी हूं। हालांकि फिल्म कंगना की है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इमरजेंसी दौर की है। तो उसमें अटल जी का किरदार कहानी में जितना प्रासंगिक है उतना ही उन्होंने फिल्म में दिखाया है।

कर्मों के हिसाब से ही मिलता है फल

सात सवाल

अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने कामेडी के साथ धीर गंभीर भूमिकाओं में भी अपनी छाप छोड़ी है। इन दिनों वह एक तरफ कामेडी फिल्म वेलकम टू जंगल की शूटिंग कर रहे हैं तो दूसरी ओर सोहम शाह निर्देशित उनकी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश :

● करियर के इस पड़ाव को कैसे देखते हैं। लोगों का कहना है कि आपको आपकी योग्यता के अनुसार मौके नहीं मिले?

-मुझे लगता है कि अगर लोग ऐसा कहते हैं तो कलाकार के लिए बेहतर है। बजाय इसके कि लोग कहें कि इसे तो मिलना ही नहीं चाहिए था। (हंसते हैं) यानी उनकी अभी भी कहीं न कहीं आपसे यह उम्मीद है कि आप कुछ और कर सकते हैं। जिसकी वजह से आपको वो चीज मिलेगी जिसके आप हकदार हैं। मुझे लगता है कि यह आपके चाहने वालों का प्यार है कि उन्हें लगता है कि इसे थोड़ा और मिलना चाहिए। यह किसी भी कलाकार के लिए आशीर्वाद की तरह है। यह बात बतौर कलाकार मुझे अपने दर्शकों के लिए कुछ नया करने के लिए हमेशा प्रेरित करती है।

● इधर थोड़ा गंभीर फिल्मों की ओर ज्यादा फोकस दिख रहा है?

-गोलमाल रिटर्न्स से मेरी जिंदगी में कामेडी का एक दौर आया था। उसके बाद कामेडी फिल्में शुरू हो गईं थीं। उस मामले में थोड़ा दिशा जरूर बदली है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि मैं कामेडी नहीं कर रहा हूं। वेलकम टू जंगल और कंपकपी दोनों ही कामेडी फिल्में हैं। करतम भुगतम थोड़ा इंटेंस है। इसके अलावा साउथ में एक फिल्म की है वह भी थोड़ा इंटेंस है। तो मिलाजुलाकर फिल्में कर रहा हूं। उसमें मजा आ रहा है।

● कामेडी को लेकर विवाद होने लगे हैं। ऐसे में कामेडी के चैलेंज क्या लगते हैं?

-अब हम छोटी-छोटी चीजों को लेकर ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। जहां तक फिल्मों या कुछ क्रिएटिव आर्ट की बात है वहां पर कुछ आपत्तियां सही हैं, लेकिन सब नहीं। कुछ आपत्ति उठती हैं कि यह क्यों किया? ऐसा क्यों किया? कुछ चीजें सही होती हैं। मजा तब है कि लोगों की आपत्तियों को न छूते हुए कुछ और करें, जिससे लोगों को हंसाया जाए। यह संभव है तभी तो हाउसफुल 5, वेलकम टू जंगल जैसी कई कामेडी फिल्में बन रही हैं।

● कर्तम भुगतम से जुड़ने की क्या कहानी रही?

-कहानी और सोहम दो कारण रहे। सोहम के साथ मुझे काफी समय से काम करना था। उनकी बनाई फिल्म काल हो या लक, उन्हें भूल नहीं सकते। वरना ढेर सारी फिल्में बनती हैं, वह कब आती हैं कब चली जाती हैं पता ही नहीं चलता। आज भी वो फिल्में याद हैं। मैं कहूंगा कि सोहम को उनकी योग्यता के मुताबिक मौके नहीं मिले। जब उन्होंने कर्तम भुगतम की कहानी सुनाई तो तुरंत हां कर दी। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि उन्होंने मुझमें यकीन दिखाया।

● यह फिल्म भाग्य और ज्योतिष की बात करती है। आपने कभी ज्योतिष का सहारा लिया?

-बिल्कुल। हमारी इंडस्ट्री में आपको शायद ही कोई ऐसा एक्टर मिलेगा जिसने ज्योतिष का सहारा न लिया हो। क्योंकि हमारा बहुत पेशा बहुत असुरक्षा वाला है। पता नहीं कल काम होगा या नहीं। कई बार ज्योतिष हो, पंडित या टैरो कार्ड रीडर, हमारा उनसे सबसे पहला सवाल यही होता है कि करियर में क्या होगा? मेरी फिल्म हिट होगी या नहीं होगी? ऐसे कई सवाल हम उनसे पूछते रहते हैं।

● पर कहते हैं कि कर्म करो, फल की इच्छा मत करो...

-हम इंसान हैं, भगवान नहीं। ऐसा बोलते हैं, लेकिन होता नहीं है। हमें यह भी कहा गया है कि अच्छा कर्म करो तो अच्छा फल मिलेगा। तो हम अच्छे फल के इंतजार में अच्छे कर्म करते रहते हैं। पर यह भी सच है कि कभी-कभी फल तुरंत मिल जाता है तो कभी समय लग जाता है। (स्मिता श्रीवास्तव)

« हिंदी के साथ-साथ दक्षिण सिनेमा की भी फिल्में कर रहे हैं श्रेयस ● मिडडे आर्काइव

श्रीकांत को मिली संतोषजनक शुरुआत

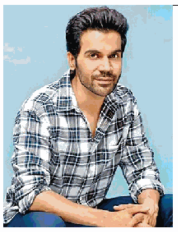

फिल्म श्रीकांत में नेत्रहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला की भूमिका में हैं राजकुमार। फाइल

चुनावी माहौल और साथ में चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच, इन दो प्रमुख कारणों को देखते हुए पिछले कुछ सप्ताह से टिकट खिड़की का हाल ठंडा रहा है। इस सप्ताह प्रदर्शित राजकुमार राव अभिनीत फिल्म श्रीकांत से टिकट खिड़की को काफी उम्मीदें थी। श्रीकांत आंध्र के नेत्रहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला के जीवन पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म को समीक्षकों की भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद शुक्रवार को फिल्म को 2.41 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। फिल्म के बजट को देखते हुए इसे संतोषजनक ओपनिंग कहा जा सकता है। वहीं शनिवार को फिल्म की कमाई में अच्छी बढ़त देखी गई। पहले दिन की कमाई की तुलना में करीब 76.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ शुक्रवार को इस फिल्म ने 4.26 करोड़ रुपये की कमाई की। इस तरह पहले दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई 6.67 करोड़ रुपये रही। फिल्म में राजकुमार के साथ अभिनेत्री अलाया एफ और ज्योतिका अहम भूमिकाओं में हैं। श्रीकांत के साथ ही प्रदर्शित हुई हालीवुड फिल्म किंगडम आफ द प्लैनेट आफ द एप्स भी अच्छी कमाई कर रही है। इस फिल्म को अंग्रेजी के साथ हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी डब करके प्रदर्शित किया गया है। शनिवार तक भारत में इस फिल्म की कुल कमाई 7.52 करोड़ रुपये हो चुकी है।

विवादों के बीच भी जारी है रामायण पर काम

कभी कलाकारों की कास्टिंग को लेकर, कभी शूटिंग शेड्यूल और कभी सेट से लीक हो रही तस्वीरों को लेकर, फिल्म रामायण पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्मकार नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म हाल ही में बौद्धिक संपदा को लेकर कानूनी मामलों में फंस गई। दरअसल, इस फिल्म को बनाने के अधिकार फिलहाल अल्लू मंटेना मीडिया वेंचर्स के पास हैं। यह कंपनी पिछले कुछ महीनों से इन अधिकारों के हस्तांतरण को लेकर प्राइम फोकस टेक्नोलाजीज नामक कंपनी से बातचीत कर रही थी। हालांकि, अधूरे भुगतान के कारण यह सौदा नहीं हो पाया और फिल्म कानूनी पचड़े में अटक गई। प्राइम फोकस टेक्नोलाजीज फिल्म की सह निर्माता कंपनी है। हालांकि, इससे फिल्म के शेड्यूल पर कोई खास असर पड़ता नहीं दिख रहा है। फिल्म से जुड़े सभी कर्मी अपने-अपने तय शेड्यूल के अनुसार ही काम कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता रणबीर कपूर भगवान श्री राम, अभिनेत्री सई पल्लवी देवी सीता की भूमिका में हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसके लिए फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों से एक साथ समय लिया गया है। निर्देशक नितेश नहीं चाहते हैं कि कोई देरी हो। बाकी कानूनी मामले प्रोडक्शन हाउस से जुड़ी कानूनी टीम देखेगी।

फिल्म रामायण में सीता की भूमिका निभा रहीं हैं सई पल्लवी ● @saipallavi.senthamarai (इंस्टाग्राम)

****